नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, सोमवार, 7 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 51 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1948 : दामोदर घाटी निगम की स्थापना हुई।
1981 : प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी का जन्म 1981 में हुआ।
2003 : नासा के ऑपर्च्युनिटी अंतरिक्ष यान ने मंगल ग्रह के लिए उड़ान भरी।
2007 : अमेरिका के दूरसंचार उपग्रह डायरेक्ट वी-10 को रूस के प्रोटान-एम रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया।
2008 : काबुल (अफगानिस्तान) में हुए भारतीय दूतावास पर हमले में 41 लोग मारे गये।
2003 : यूनाइटेड कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ अर्मेनिया का गठन हुआ।

अब और मजबूत होगी हेमंत और तेजस्वी की दोस्ती

बिहार में झारखंड मुक्ति मोर्चा को सीटें देने को राजद तैयार

■ **दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच जल्द ही एक औपचारिक बैठक होने की उम्मीद**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने संकेत दिए हैं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है। झामुमो ने बिहार में 12 वैसे विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है, जो झारखंड की सीमा से सटे हुए हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए सीटों की मांग रखी है। तेजस्वी यादव ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि राजद और झामुमो के बीच लंबे समय से गठबंधन का रिश्ता रहा है और उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच जल्द ही एक औपचारिक बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें सीटों की संख्या और क्षेत्रों पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय के मुताबिक गठबंधन में झामुमो को साथ लेने से बिहार में मजबूती मिलेगी। झामुमो का वोट बैंक चुनाव परिणामों पर सकारात्मक असर डालेगा। दरअसल, झामुमो की नाराजगी को देखते हुए राजद एक संतुलित रणनीति अपना रहा है। पिछले वर्ष हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में राजद को राज्य में सात सीटें मिली थीं। अब बिहार में झामुमो की मांगों को पूरा करने के लिए राजद सावधानीपूर्वक कदम उठा रहा है ताकि, गठबंधन में दरार न आए। तेजस्वी ने पटना में कहा है कि हम सब मिलकर बिहार में एनडीए को हराने के लिए एकजुट हैं। सभी सहयोगी दलों की मांगों का सम्मान किया जाएगा। शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान की जयंती समारोह में तेजस्वी यादव ने पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाले रालोजपा को भी गठबंधन का हिस्सा बनाने पर हामी भरी है। तेजस्वी ने यह भी बताया कि वे रांची जाकर झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन से मिलने वाले थे, लेकिन उनकी तबीयत खराब होने के कारण यह मुलाकात टल गई। हेमंत सोरेन के साथ उनकी बातचीत हुई है और झामुमो ने महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई है। तेजस्वी ने कहा कि हम चाहते हैं कि एनडीए को हराने के लिए सभी धर्मनिरपेक्ष ताकतें एकजुट हों।

छह नये चेहरे भाजपा अध्यक्ष की रेस में

नई दिल्ली (नबिटा ब्यूरो)। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, भाजपा नए अध्यक्ष के लिए छह नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों- संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50% राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को लिखा पत्र, कहा–

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से सरकारी बंगला जल्द खाली कराएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपने सरकारी बंगले (5, कृष्ण मेनन मार्ग) में तय समयसीमा से ज्यादा रह गए हैं। अब सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा कि पूर्व सीजेआई से उनका बंगला जल्द खाली कराया जाए, ताकि हम उसे कोर्ट के हाउसिंग पूल में शामिल कर सकें। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई को मिलाकर 33 जज हैं। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सेंक्शन संख्या 34 है। शीर्ष कोर्ट के चार जजों को अभी तक सरकारी बंगला नहीं मिला है। जानकारी के मुताबिक 3 जज सुप्रीम कोर्ट के ट्रांजिट अपार्टमेंट जबकि एक जज स्टेट गेस्ट हाउस में रह रहे हैं। शीर्ष कोर्ट ने जल्द से जल्द 5, कृष्ण मेनन मार्ग बंगला लौटाए जाने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने 1 जुलाई को केंद्रीय आवास और नगरीय मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखा। इसमें कहा कि 5 कृष्ण मेनन मार्ग बंगला पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के पजेशन में है। उन्हें बंगले को पास रखने की अनुमति भी 31 मई 2025 को खत्म हो गई है। इसे बिना देर किए खाली कराएं। बंगला खाली न कर पाने को लेकर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, 'ऐसा निजी कारणों के चलते हुआ। सुप्रीम कोर्ट

एडमिनिस्ट्रेशन को इस बारे में जानकारी दी थी। पूर्व सीजेआई ने ये भी बताया, 'मैंने 28 अप्रैल को तब चीफ जस्टिस रहे संजीव खन्ना को लिखित में जानकारी दी थी कि मैं उपयुक्त घर की तलाश कर रहा हूं। मुझे 30 जून तक इसी बंगले में अनुमति दें, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला।'चंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि उन्होंने चीफ जस्टिस बीआर गवई से भी बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था कि जल्द से जल्द बंगला छोड़ देंगे। पूर्व सीजेआई ने ये भी बताया, 'मैंने 28 अप्रैल को तब चीफ जस्टिस रहे संजीव खन्ना को लिखित में जानकारी दी थी कि मैं उपयुक्त घर की तलाश कर रहा हूं। मुझे 30 जून तक इसी बंगले में अनुमति दें, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला।'चंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि उन्होंने चीफ जस्टिस बीआर गवई से भी बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था कि जल्द से जल्द बंगला छोड़ देंगे। सुप्रीम कोर्ट के ऑफिशियल लेटर में कहा गया है- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने तब सीजेआई रहे संजीव खन्ना को रिटायरमेंट के एक महीने बाद लिखा था कि मेरे लिए ज्यादा सहूलियत होगी कि मुझे मौजूदा बंगले 5, कृष्ण मेनन मार्ग में 30 अप्रैल 2025 तक रहने की अनुमति दी जाए। पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने इस पर सहमति जताई थी। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ को 11 दिसंबर से 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक 5, कृष्ण मेनन मार्ग बंगले में रहने की परमिशन मिल गई थी। इसके लिए पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ को हर महीने 5430 रुपए लाइसेंस फीस चुकानी थी।अभी भी टाइप- 8 बंगले में ही रह रहे हैं। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हुए थे। सरकारी नियमों के मुताबिक, चीफ जस्टिस अपने कार्यकाल के दौरान टाइप-8 बंगले के हकदार होते हैं। रिटायरमेंट के बाद वे 6 महीने तक टाइप टाइप 7 बंगले में रह सकते हैं। इस दौरान उन्हें किराया नहीं देना होगा। पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ को रिटायर हुए 8 महीने का वक्त बीत चुका है। रिटायरमेंट के बाद से वे खुद को अलॉट हुए टाइप 8 बंगले में ही रह रहे हैं। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के बाद उनके दो उत्तराधिकारियों (पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा चीफ जस्टिस बीआर गवई) ने 5, कृष्ण मेनन मार्ग बंगला नहीं लिया।

लातेहार में अपराधियों ने किया तांडव, हाइवा को फूंका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अपराधियों ने हाइवा में लगाई आग

लातेहार। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत फुल बसिया कोयला साइडिंग के पास बीती रात अपराधियों ने एक हाइवा में आग लगा दी, जिससे गाड़ी पूरी तरह जल गई। गनीमत रही कि गाड़ी साइडिंग से अलग खड़ी थी, जिसके कारण बड़ी घटना नहीं हुई। घटना की जिम्मेवारी राहुल दुबे गैंग के द्वारा ली गई है। घटना की जानकारी पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। दरअसल, शनिवार की रात कुछ अपराधी फूल बसिया रेलवे कोयला साइडिंग के पास पहुंचे और वहां खड़ी एक हाइवा में आग लगा दी। बताया जाता है कि बाइक पर सवार होकर कुछ अपराधी वहां पहुंचे थे और गाड़ी में आग लगा दी। इस दौरान अपराधियों ने फायरिंग भी की।अपराधियों ने घटनास्थल पर एक पर्चा फेंककर जिम्मेवारी लेते हुए कहा कि बिना आपराधिक संगठन से बात किए काम करने पर अंजाम बुरा होगा। बताया जाता है कि उक्त गाड़ी रेलवे साइडिंग से अलग खड़ी थी। गाड़ी में कोयला लोड नहीं था। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल की ओर रवाना हो गई। पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन की। हालांकि तब तक अपराधी वहां से फरार हो गए थे। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जा रही है। इस संबंध में डीएसपी विनोद रवानी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। शनिवार की देर रात अपराधियों ने खाली हाइवा में आग लगाई है। उन्होंने बताया कि राहुल दुबे गैंग के द्वारा घटना को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। यह गैंग इस इलाके में सक्रिय नहीं है। पुलिस मामले की अनुसंधान कर रही है।

वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि कोयला कारोबारी से रंगदारी वसूलने के लिए अपराधी इस प्रकार की घटना को अंजाम देकर दहशत बनाना चाहते हैं। अपराधियों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कोयला कारोबार से जुड़े कुछ व्यवसायियों को धमकी भी दी गई। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि बिना संगठन को मैनेज किए काम नहीं होगा। हालांकि काफी दिनों के बाद इस प्रकार की घटना से लोगों में डर का माहौल भी बन गया है।

दोस्तों ने युवक के सीने में मारी गोली

कटिहार (नबिटा ब्यूरो)। कटिहार के नगर थाना क्षेत्र के फसिया टोला में शनिवार रात युवक को तीन बदमाशों ने गोली मार दी। घायल युवक की पहचान सोनू पासवान के रूप में हुई है। घटना रात करीब 9:30 बजे की है। सोनू पासवान ने पुलिस को बताया कि वह खाना खाकर सोने जा रहा था। इसी दौरान घर के दरवाजे पर बुलेट पर सवार तीन युवक आए और उन्होंने सीने में गोली मार दी। घायल ने दो आरोपितों की पहचान करण यादव और आकाश यादव के रूप में की है। तीसरा आरोपित आकाश का दोस्त बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों की मदद से परिजन घायल को कटिहार मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जयराम महतो का बड़ा ऐलान

टॉपर्स को देंगे अपने वेतन का 75 प्रतिशत राशि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। डुमरी विधायक जयराम महतो ने अपने विधानसभा क्षेत्र के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित करने का ऐलान किया है। विधायक आज 7 जुलाई को डुमरी विधानसभा क्षेत्र के 10वीं और 12वीं के टॉप-10 विद्यार्थियों को अपने 3 माह के वेतन का 75 प्रतिशत राशि प्रोत्साहन स्वरूप देंगे। विधायक ने कुल 40 विद्यार्थियों की एक सूची जारी की है। इसमें मैट्रिक के 10, और इंटर के तीनों संकाय से 10-10 विद्यार्थियों के नाम शामिल है। नावाडीह स्टेडियम में आज सोमवार को यह सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। विधायक जयराम महतो ने बताया कि पूर्व में किये अपने वादे अनुसार वे अपने 3 माह के वेतन का 75 प्रतिशत डुमरी विधानसभा के 10वीं और 12वीं के टॉप-10 विद्यार्थियों के बीच प्रोत्साहन राशि के रूप में वितरित करेंगे। विधायक ने सभी सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों की सूची जारी करते हुए कहा कि अगर डुमरी विधानसभा क्षेत्र में किसी भी विद्यार्थी को जारी सूची से अधिक अंक मिले हैं, तो वे 9955000143 या 6206920887 नंबर पर कॉल कर इसकी जानकारी दे सकते हैं।

सरकारी दफ्तर में धूम्रपान करने वाला जनसेवक निलंबित

सीएम हेमंत सोरेन ने दिया था कार्रवाई का आदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर प्रखंड कार्यालय में खुलेआम धूम्रपान करने वाले जनसेवक जगमोहन सोरेन पर कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। साथ ही जिला उपायुक्त ने मामले में उप विकास आयुक्त को विधिवत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का भी निर्देश दिया है। मालूम हो सीएम हेमंत सोरेन ने इस संबंध में उपायुक्त को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया था। बीते 5 जुलाई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक युवक ने जनसेवक के सरकारी कार्यालय में धूम्रपान करने का एक वीडियो साझा कर सीएम से मामले में कार्रवाई की मांग की थी। इस पर एक्शन लेते हुए सीएम ने पश्चिमी सिंहभूम उपायुक्त को कार्रवाई का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देशनुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए जनसेवक जगमोहन सोरेन को आज 6 जुलाई को पद से निलंबित कर दिया।

मुहर्रम जुलूस में करंट लगने से मौत, कई घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह में मुहर्रम जुलूस में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। जबकि कई लोग घायल हो गये। घायलों में दो की हालत नाजुक है। जानकारी के अनुसार जिले के खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र के चाकोसिंघा में मुहर्रम का ताजिया निकालने के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। इस घटना के बाद मुहर्रम का त्योहार मातम के माहौल में बदल गया है। बताया जा रहा है कि मुहर्रम जुलूस में निकाला गया स्टील का ताजिया ग्यारह हजार वोल्ट की तार के संपर्क में आ गया। बिजली के तार की चपेट में आने की वजह से पूरे ताजिया में करंट दौड़ गया। वहीं, इसके संपर्क में आने से कई लोग जख्मी हो गये। इनमें से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जबकि एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में चार लोगों को मामूली चोटें भी आयी हैं। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना घोड़थंभा ओपी के चाकोसिंघा की है।

सीसीएल प्रबंधन के साथ ग्रामीणों की वार्ता में बनी सहमति

हादसे में मृत लोगों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये का मिलेगा मुआवजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले के करमा परियोजना के करमा खुली खदान में अवैध रूप से कोयला खनन करने के दौरान चाल धंसने से 4 ग्रामीणों की मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर करमा परियोजना के पीओ कार्यालय के गेट पर शवों के साथ प्रदर्शन कर रहे थे। जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ सीसीएल पदाधिकारी मौके पर पहुंचे थे और ग्रामीणों से वार्ता की थी। लेकिन कई दौर में चली वार्ता विफल रही थी। एक बार फिर रविवार की अहले सुबह प्रशासन और पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में सीसीएल प्रबंधन ने ग्रामीणों के साथ बैठक की। जिसमें सीसीएल प्रबंधन ने सभी मृतकों के परिजनों को एक लाख, 70 हजार रुपये मुआवजा और अंचल प्रशासन के द्वारा 30 हजार रुपये मुआवजा के रूप में देने की सहमति बनी। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि सभी घायलों का इलाज सीसीएल प्रबंधन द्वारा कराया जाएगा। इसके अलावा मृतकों के परिजन के एक-एक सदस्य को आउटसोर्सिंग में रोजगार देने की भी सहमति बनी है। इसके बाद ग्रामीणों का प्रदर्शन खत्म हुआ और कार्यालय के गेट के सामने से शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। आपको बता दें कि 4 जून और पांच जून की दरमियानी रात क्षेत्र के ग्रामीण सीसीएल कुजू क्षेत्र के करमा परियोजना के खुली खादान के अंदर घुस कर अवैध रूप से कोयला का खनन कर रहे थे। इसी क्रम में अवैध खनन कर रहे ग्रामीणों के ऊपर भारी भरकम चट्टान के साथ मलबा (चाल) गिर गया था। जिसमें चार ग्रामीणों की दर्दनाक मौत हो गई थी और छः ग्रामीण घायल हो गए थे। जिसके बाद ग्रामीण सीसीएल प्रबंधन से मुआवजे की मांग को लेकर तीन शवों को करमा परियोजना के पीओ कार्यालय के गेट पर रख का प्रदर्शन कर रहे थे।

देवघर के श्रावणी मेले में महाकुंभ जैसी तैयारियां

■ **श्रद्धालुओं के लिए 10 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें होंगी संचालित**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। श्रावणी मेले को जिला प्रशासन के अलावा दूसरे विभाग भी तैयारी को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी को देखते हुए रेलवे विभाग ने देवघर जिले के जसीडीह रेलवे स्टेशन पर भव्य तैयारी कर रखी है। दरसअल, देवघर का जसीडीह स्टेशन सबसे व्यस्तम स्टेशनों में से एक है। यहां आम दिनों में प्रतिदिन 190 ट्रेनों का परिचालन होता है।

श्रावणी मेले के लिए 10 नई ट्रेन चलाने की संभावना

रेलवे विभाग सावन के महीने में इस स्टेशन से कई स्पेशल ट्रेन संचालित करता है। पिछले साल की बात करें तो सावन के महीन में 14 नई ट्रेनों की शुरुआत की गई थी, वही इस वर्ष रेलवे विभाग करीब 10 नई ट्रेनों की परिचालन कर सकता है। आसनसोल रेलवे डिवीजन की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार से रविवार तक कुल 500 ट्रेनों का आवागमन होगा। जबकि दूसरे रेलवे डिवीजन से 84 अतिरिक्त रेल गाड़ियों को सुविधा प्रदान कराई जाएगी, जो विभिन्न राज्यों से होते हुए देवघर के जसीडीह स्टेशन तक पहुंचेगी।

तैयारियों को देख यात्री खुश

यात्रियों की सुविधा को देखते हुए कई ट्रेन के रूट में बदलाव किया गया हैं और ट्रेन के स्टॉपेज की टाइमिंग में भी बढ़ोतरी की गई है। आसनसोल डिवीजन की तरफ से यह बताया गया है कि कई ट्रेन अभी इस रूट से चलाई जाएगी। जबकि कुछ ऐसी ट्रेन भी चलाने की बात कही जा रही है। इसके अलावा जसीडीह स्टेशन पर आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने को लेकर पूरे परिसर में टेंट लगाया गया है। श्रावणी मेले की गई तैयारियों को देखकर यात्री संतुष्ट दिख रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि फिलहाल जो तैयारी है यदि ऐसी ही तैयारी श्रावणी मेले के दौरान बनी रही तो निश्चित रूप श्रद्धालुओं को राहत महसूस होगी।

जसीडीह स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम

सुरक्षा को लेकर भी जसीडीह स्टेशन पर पुख्ता इंतजाम किया गया है। दूसरे रेलवे डिवीजन से भी कई रेलवे पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। सुरक्षा को लेकर आसनसोल डिवीजन के रेलवे आईजी एएन सिन्हा ने भी पूरे रेलवे परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

रेलवे आईजी एएन सिन्हा ने बताया कि हम कोशिश करेंगे कि इस बार श्रावणी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा व्यवस्था की जाए। क्योंकि महाकुंभ के दौरान मैं खुद प्रयागराज में ड्यूटी पर था, जिसका मुझे पूरा अनुभव है और उसका प्रयोग मैं जसीडीह स्टेशन पर करना चाहूंगा' रेलवे स्टेशन की स्वच्छता को लेकर सफाई कर्मचारियों की संख्या में बढ़ाई जाएगी ताकि श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं को गंदगी का सामना ना करना पड़े। जसीडीह स्टेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में स्टेशन की सुविधाओं को और भी व्यवस्थित किया जाएगा। 11 जुलाई से पहले सारे इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

पटना में 15 अगस्त से शुरू होगी मेट्रो सेवा

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो का सपना अब साकार होने वाला है। 15 अगस्त से पटना मेट्रो का पहला चरण शुरू होगा। जिसमें न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से मलाही पकड़ी स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन चलेगी। मलाही पकड़ी स्टेशन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और स्टेशन पर लिफ्ट और एक्सीलरेटर लगाने का काम चल रहा है। नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने हाल ही में इस परियोजना की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर दिया है।

शुरुआती फेज में मेट्रो का मार्ग- पटना मेट्रो का पहला चरण न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से मलाही पकड़ी तक 6।107 किलोमीटर लंबे प्राथमिक कॉरिडोर पर चलेगा। इस मार्ग पर पांच स्टेशन होंगे। हालांकि इसके अंतर्गत आने वाले खेमनीचक स्टेशन पर अभी ट्रेन नहीं रुकेगी, क्योंकि यहां अभी निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। य इंटरचेंज स्टेशन है, जहां ब्लू लाइन और रेड लाइन मेट्रो मिलेगी। मेट्रो की औसत गति 80 किमी/घंटा रखी गई है। अभी ब्लू लाइन फेज 2 का उद्घाटन होगा, जिसे प्रायोरिटी कॉरिडोर नाम दिया गया है।

मलाही पकड़ी स्टेशन: मलाही पकड़ी स्टेशन, पटना मेट्रो के प्राथमिक कॉरिडोर का प्रमुख स्टेशन है, जो हनुमान नगर रोड और पाटलिपुत्र स्टेडियम रोड के कोने पर स्थित है। यह एलिवेटेड स्टेशन है और दो मंजिला है। जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए चार प्रवेश-निकास द्वार, चार लिफ्ट और चार एक्सीलरेटर लगाए जा रहे हैं। दो प्रवेश और निकास द्वार स्टेशन के पूर्वी छोर और दो प्रवेश और निकास द्वार स्टेशन के पश्चिमी छोर पर है। स्टेशन पर कंक्रीट सीढ़ियों और रैंप का निर्माण भी किया गया है, ताकि बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को कोई दिक्कत न हो। स्टेशन की व्हाइट पुट्टी से रंगाई हो चुकी है।

पार्किंग और दुकान की सुविधा- मलाही पकड़ी स्टेशन पर यात्री ग्राउंड फ्लोर से प्रवेश करेंगे, फिर पहली मंजिल पर टिकट काउंटर तक पहुंचेंगे और दूसरी मंजिल पर प्लेटफॉर्म से ट्रेन में सवार होंगे। स्टेशन पर वाहन पार्किंग और दुकानों की व्यवस्था की गई है, जिससे मेट्रो प्रबंधन द्वारा अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया जा सकेगा। इस कॉरिडोर के शुरू होने से मलाही पकड़ी इलाके के करीब एक लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, क्योंकि उन्हें बस स्टैंड जाने के लिए पटना बाईपास जैसे व्यस्त सड़कों को पार करने की आवश्यकता नहीं होगी। मलाही पकड़ी से खेमनीचक स्टेशन की दूरी 1516।84 मीटर है।

भूतनाथ मेट्रो स्टेशन : खेमनीचौक से भूतनाथ स्टेशन की दूरी 1016।02 मीटर है। ऐसे में मलाही पकड़ी से सीधे 2532।87 मीटर दूरी पर भूतनाथ में मेट्रो रुकेगी। भूतनाथ मेट्रो स्टेशन पर भी निर्माण कार्य काफी तेज गति से चल रहा है। सीढ़ियों पर सुंदर पत्थर लगाने का काम चल रहा है। इसके अलावा लिफ्ट और एक्सीलेटर लगाए जाने की प्रक्रिया भी चल रही है। स्टेशन के बाहरी परिसर का भी निर्माण तेजी से हो रहा है। ये भी दो मंजिला एलिवेटेड स्टेशन है। जिसमें प्रथम तल पर टिकट काउंटर और दूसरे तल से लोग मेट्रो पकड़ सकेंगे।

जीरो माइल मेट्रो स्टेशन : भूतनाथ मेट्रो स्टेशन के बाद 1317।45 मीटर दूरी पर जीरो माइल मेट्रो स्टेशन है। यहां लिफ्ट लग चुकी है और एक्सीलेटर असेंबल किया जा रहा है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक लाइनें भी बिछाई जा चुकी हैं। यहां भी दो मंजिला स्टेशन है और प्रवेश निकास के लिए चार-चार द्वार तैयार किए गए हैं। अभी प्रायोरिटी कॉरिडोर यानी ब्लू लाइन फेस 2 में सबसे अधिक काम किसी मेट्रो स्टेशन पर हुआ है, तो जीरो माइल मेट्रो स्टेशन पर हुआ है।

पाटलिपुत्र बस टर्मिनल मेट्रो स्टेशन : प्रायोरिटी कॉरिडोर मेट्रो स्टेशन का पहला स्टेशन पाटलिपुत्र बस टर्मिनल मेट्रो स्टेशन है। यहां प्रवेश और निकास के लिए पूर्वी और पश्चिमी छोर, दोनों तरफ स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं। पश्चिमी छोड़ के स्टेशन के भवन की संरचना का निर्माण अधिक हुआ है, जबकि पूर्वी छोर में बहुत अधिक काम बाकी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि युद्ध स्तर पर भी काम तेजी में शुरू किया गया तो पश्चिमी छोर का स्टेशन ही शुरुआत में शुरू होगा। यहां भी मेट्रो प्लेटफार्म के ट्रक के ऊपर शेड कवर कर दिए गए हैं।

नगर विकास मंत्री ने काम में तेजी के दिए निर्देश

बीते दिनों बिहार के नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने पटना मेट्रो के निर्माण कार्य की समीक्षा की और अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने और निर्माण में तेजी लाने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों से मेट्रो निर्माण के कारण हो रहे प्रदूषण और ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए उपाय करने को कहा। अधिकारियों के सामने उन्होंने 2026 तक अंडरग्राउंड मेट्रो रूट (राजेंद्र नगर से पटना जंक्शन तक) को भी पूरा करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही कहा कि इसी वर्ष प्रायोरिटी कॉरिडोर फेज टू का शुभारंभ किया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले हर हाल में इसे पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है।

किराया और परिचालन समय : नगर विकास विभाग के सूत्रों के अनुसार मेट्रो का न्यूनतम किराया 15 रुपए (0-3 किमी) और 30 रुपए(3-6 किमी) तय किया गया है। मलाही पकड़ी से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल तक का किराया 30 रुपए होगा। हालांकि अभी आधिकारिक रूप से किराया तय नहीं हुआ है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब मेट्रो की शुरुआत होगी, तब आधिकारिक रूप से किराया की घोषणा की जाएगी। अगर सरकार मेट्रो को नो प्रॉफिट नो लॉस के आधार पर बिजली उपलब्ध कराती है, तो न्यूनतम किराया ?15 होगा, वरना न्यूनतम किराया ?20 होगा। मेट्रो का परिचालन सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक होगा।

इंटरचेंज स्टेशन के रूप में विकसित हो रहा खेमनीचक स्टेशन- इसके अलावा, खेमनीचक स्टेशन को एक इंटरचेंज स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां से भविष्य में मीठापुर, दानापुर और अन्य मार्गों तक मेट्रो सेवा शुरू होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट को देखते हुए नगर विकास विभाग की ओर से कोशिश है कि पटना मेट्रो का पहला चरण 15 अगस्त 2025 से शुरू हो। यह योजना शहर की यातायात ढांचे में एक बड़ा बदलाव लाएगी।

संक्षिप्त समाचार

दरभंगा में मुहर्रम के दौरान हादसा, हाई टेंशन तार की संपर्क में आने से 36 लोग झुलसे, एक की मौत

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में मुहर्रम के अवसर पर चौकी मिलान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मामला तारडीह प्रखंड के ककोढ़ा गांव का है। तीन गांव के लोग ताजिया मिलान कर रहे थे, उसी दौरान चौकी 11 हजार वोल्ट के हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गई, जिससे 3 दर्जन लोग झुलस गए और एक की मौत हो गई।

मृतक की हुई पहचान : हादसे में जान गंवाने वाले की पहचान ककोढ़ा निवासी मो। मिराज के रूप में हुई है। घायल लोगों का इलाज डीएमसीएच और आसपास के प्रखंडों के पीएचसी में चल रहा है। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हाई वोल्टेज तार बना हादसे की वजह : बताया जा रहा है कि तीन गांव के लोग ताजिया मिलान कर रहे थे। इसी दौरान ताजिया जुलूस सड़क किनारे से गुजर रहा था, जहां से 11 हजार वोल्ट का हाई वोल्टेज तार भी गुजरता है। उसी दौरान अचानक चौकी उसमें टकरा गई, जिससे करंट फैल गया और वहां मौजूद लोग चपेट में आ गए।

बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप : हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उन्होंने बिजली विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी तार को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

घटना का वीडियो आया सामने : इस भयावह हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हादसे की गंभीरता साफ देखी जा सकती है। प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच जारी है

आधार और अपार की अनिवार्यता की वजह से घटी साढ़े आठ लाख विद्यार्थियों की संख्या

पटना, एजेंसी। पिछले शैक्षणिक सत्र की तुलना में वर्तमान शैक्षणिक सत्र में मध्याह्न भोजन योजना का लाभ उठाने वाले बच्चों की संख्या लगभग 8 ।53 लाख घट गयी है। बच्चों की संख्या में आयी इस कमी की मुख्य वजह नामांकन के लिए आधार और अपार कार्ड की अनिवार्यता है। शिक्षा विभाग के जानकारों का कहना है कि इन दोनों अनिवार्यताओं से वह बच्चे छंट गये हैं, जिनके सरकारी स्कूल में नामांकन सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के मकसद से उनके अभिभावकों ने कराये थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025–2026 में सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठ वीं तक की कक्षाओं में कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या 1 ।64 करोड़ (1,64,54,862) है। जबकि पिछले शैक्षणिक सत्र 2024–2025 में कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या 1 ।73 करोड़ (1,73,08, 297) थी। इस तरह पिछले साल की तुलना में इस साल कक्षा एक से आठ में कुल 8,53, 435 बच्चों की संख्या घटी है। अगर जिला स्तर के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो दो जिले किशनगंज और सिवान में पिछले साल की तुलना में इस शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की संख्या घटने की बजाय बढ़ी है। पिछले शैक्षणिक सत्र की तुलना में किशनगंज में करीब 1069 अधिक बच्चे नाामंकित हुए हैं। सिवान में तुलनात्मक रूप में बढ़े हुए बच्चों की संख्या 455 है। शेष सभी 36 जिले में कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों की संख्या में कमी दर्ज की गयी है। उल्लेखनीय है कि आधार कार्ड की भांति स्कूली बच्चों के अपार कार्ड बनाये जा रहे हैं। अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट अकादमिक रजिस्ट्री) आधार कार्ड की तरह 12 अंकों का होता है। यह एक तरह का डिजिटल आईडी कार्ड है जो बचपन से लेकर पढ़ाई खत्म होने तक एक ही रहेगा। इसमें शैक्षिक रिकॉर्न शैक्षिक उपलब्धियों और शिक्षा संबंधित अन्य सारी जानकारियां उपलब्ध रहेंगी। चूंकि इन कार्ड में दोहरापन संभव नहीं है, इसलिए एक बच्चे का पंजीयन दो जगह नहीं हो सकता है।

बिहार के 19 जिलों के 51 पीएचसी में होने जा रहा ये नया काम, मरीजों को इलाज में मिलेगी सुविधा

पटना, एजेंसी। राज्य के 19 जिलों के 51 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (यूपीएचसी) में पाली क्लीनिक खोलने की तैयारी है। नेशनल शहरी हेल्थ मिशन (एनयूएचएम) के तहत पाली क्लीनिक का संचालन किया जाएगा। राज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से इसके लिए एजेंसी का चयन किया जा चुका है। इसका संचालन लोक निजी भागीदीरी (पीपीपी) के माध्यम से होगा।

विभागीय जानकारी के अनुसार, राज्य स्वास्थ्य समिति ने इस बाबत संबंधित जिलों के सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव जिला स्वास्थ्य समिति को निर्देश भेजा है। जिलों को निर्देश दिया गया है कि इस कार्य के लिए जिला स्वास्थ्य समिति को संबंधित एजेंसी के साथ अलग से कोई एकरारनामा नहीं किया जाना है।जिन जिलों में पाली क्लीनिकों का संचालन किया जाना है, उनमें गया, नालंदा, पटना, रोहतास, दरभंगा, बांका, भागलपुर, मुंगेर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान, सारण और सहरसा जिले शामिल हैं। इन जिलों में चलने वाले शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पाली क्लीनिक के माध्यम से मरीजों को इलाज की सुविधा मिलेगी।

बिहार में मानसून पड़ रहा कमजोर! 24 घंटे में उम्मीद से कम हुई बारिश, उमस वाली गर्मी ने किया परेशान

पटना, एजेंसी। बिहार के मौसम में इन दिनों हर रोज उतार-चढाव देखा जा रहा है। बादलों की आवाजाही हो रही। कहीं बारिश हो रही तो कहीं सिर्फ बादल गरज कर रह जा रहे। देखा जाए तो मानसून कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। पिछले 24 घंटे में उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हुई। इसके अलावा कहीं-कहीं छिटपुट फुहारे वाली बारिश हुई, जिसके बाद लोग उमस वाली गर्मी से परेशान रहे। राजधानी पटना में लोगों को अच्छी-खासी गर्मी का एहसास हुआ। हालांकि, सीमांचल इलाकों के कुछ जिले जैसे किशनगंज, अररिया और भभुआ के आस-पास अच्छी-खासी बारिश हुई।

इधर, मौसम विभाग की माने तो, इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से पहले बिहार पहुंच गया था, लेकिन अब उसकी सक्रियता कम होती दिख रही है। जिसका असर यह है कि, राजधानी पटना में अब तक पिछले साल की तुलना में 13 मिमी कम बारिश हुई है तो वहीं गया में 144 मिमी अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग की माने तो, अधिक नमी और कम बारिश की वजह से पूरे राज्य के लोगों को उमस वाली गर्मी झेलनी पड़ी। जानकारी के मुताबिक, फारबिसगंज, वाल्मीकि नगर, दरभंगा, भागलपुर और डेहरी में पिछले साल की तुलना में इस साल ज्यादा बारिश हुई।वहीं, मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि, जुलाई महीने में भी सामान्य से कम ही बारिश हो सकती है। इधर, आज राजधानी पटना के साथ-साथ दक्षिण बिहार के कई जिलों में अच्छी बारिश की संभावना है, जबकि उत्तर बिहार में हल्की फुहारें पड़ सकती हैं। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 30 से 34 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की उम्मीद जताई गई है।

स्कॉटलैंड से पटना पहुंचीं गोपाल खेमका की बेटी, पिता के शव से लिपटकर रो पड़ीं गरिमा

पटना, एजेंसी। पटना के गुलबी घाट पर कारोबारी गोपाल खेमका का अंतिम संस्कार होगा। उनकी बेटी गरिमा खेमका थोड़ी देर पहले स्कॉटलैंड से पहुंच गईं हैं। गरिमा जैसे ही घर के अंदर दाखिल हुईं, पिता के पार्थिव शरीर को देखकर फूट-फूटकर रोने लगीं। परिवार के तमाम सदस्यों के लिए वह बेहद ही भावुक और दुखदायी पल था।

स्कॉटलैंड से पटना पहुंचीं गरिमा खेमका : गोपाल खेमका की बेटी गरिमा का ही इंतजार था। अब उनके आते ही अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू हो गई है। काफी संख्या में उनके परिजन, वर्कर्स और अन्य लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। प्रशासनिक अधिकारी और सियासी दलों के नेता भी मृतक कारोबारी के घर पहुंच रहे हैं।

घर के बाहर बदमाशों ने मारी गोली : शुक्रवार की रात प्रसिद्ध व्यवसायी गोपाल खेमका की उनके आवास के बाहर की गेट पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह जैसे ही अपने आवास पर पहुंचे थे और गेट खोलने के लिए गार्ड पहुंचा, उससे पहले ही घात लगाए बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। इसके बाद उनके बेटे को कॉल कर ऊपर से नीचे बुलाया गया। आनन-फानन में उनको अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

बेऊर जेल में रची गई साजिश : पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शनिवार को पटना के बेऊर जेल में भी काफी देर तक पुलिस ने छापेमारी की और कई कैदियों से भी पूछताछ की गई।

अब तक पुलिस के हाथ खाली- पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कुछ अहम सुराग मिले हैं, जिसके आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि गांधी मैदान थाने से महज कुछ ही दूरी पर गोपाल खेमका का घर होने के बावजूद इस तरह की घटना का होना कई गंभीर सवाल उठाते हैं।

पटना मरीन ड्राइव की तर्ज पर भागलपुर से मुंगेर तक बनेगा 100 किमी लंबा मरीन ड्राइव, दिखेंगी अंतरराष्ट्रीय स्तर की चीजें

अजगैबीनाथ धाम (भागलपुर), एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला का औपचारिक उद्घाटन 11 जुलाई को होगा। श्रावणी मेला की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन अजगैबीनाथ धाम पहुंचे। मंत्री ने कहा कि पटना की तर्ज पर अब भागलपुर से मुंगेर तक 100 किलोमीटर लंबा मेरिन ड्राइव का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर विभाग इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है। केंद्र से मंजूरी मिलते ही फोर लेन मेरिन ड्राइव का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। सरकार की कोशिश है कि बाबा अजगैबीनाथ धाम में अंतरराष्ट्रीय स्तर की चीजें दिखें।

मेरिन ड्राइव के निर्माण से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और शहर को नई पहचान मिलेगी। यहां आने वाले पर्यटक न सिर्फ गंगा की खूबसूरती देख सकेंगे, बल्कि आसपास के बाजार, घाट और ऐतिहासिक स्थलों को भी जान सकेंगे। मंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला शुरू होने से पहले मेरिन ड्राइव की मंजूरी केंद्र से मिल जाएगी। अजगैबीनाथ मंदिर के पास बन रहा रिवर फ्रंट स्थानीय लोगों के लिए भी बेहतर जगह बनेगा, जहां वे अपने परिवार के साथ समय बिता सकेंगे। अजगैबीनाथ धाम की यह परियोजना न सिर्फ विकास का प्रतीक है, बल्कि शहर के लोगों को प्रकृति के करीब लाने का भी बेहतरीन जरिया साबित होगी। मंत्री ने बताया कि हर साल श्रावणी मेला लगता है। रख-रखाव के लिए हर साल टेंडर निकाला जाता था। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने कच्चा कांवरिया पथ के लिए पांच साल के लिए टेंडर निकाला है। कच्चा कांवरिया पथ का 82 किमी हिस्सा बिहार में है। इसमें 8.5 किमी भागलपुर, 24 किमी मुंगेर और 49.5 किमी बांका का है। कांवरिया पथ को 10 जोन में बांटा जायेगा। सभी जोन में अफसरों की प्रतिनियुक्ति होगी।

बिहार में अररिया-गलगलिया रेल लाइन के उद्घाटन की आयी जानकारी, सीमांचल का इंतजार होगा खत्म!

पटना, एजेंसी। बिहार में भारत-नेपाल सीमा पर सीमांचल इलाके के लोगों को गलगलिया-अररिया रेलखंड पर ट्रेन सेवाओं के उद्घाटन का इंतजार बेसब्री से है। अररिया और किशनगंज समेत आसपास के लोगों को इससे अधिक सहूलियत मिलेगी। नए रेलखंड पर ट्रेन कब से दौड़ेगी, इसकी जानकारी अभी रेलवे की तरफ से भी नहीं दी गयी है। लेकिन इस रेलखंड पर सीआरएस निरीक्षण के बारे में जानकारी सामने आयी है।

गलगलिया-अररिया रेलखंड के पौआखाली से रहमतपुर तक करीब 80 किलोमीटर की दूरी में सीआरएस निरीक्षण हो सकता है। 8 जुलाई से 11 जुलाई तक यह निर्धारित किया गया है, ऐसी जानकारी सूत्रों से मिली है। रेलवे के सूत्र ने बताया कि 110 किलोमीटर लंबा यह नया रेलमार्ग है। जो ठाकुरगंज से शुरू होकर पौआखाली, बीबीगंज, लक्ष्मीपुर, रहमतपुर होते हुए अररिया तक जाएगा। सभी रेलवे स्टेशन तैयार कर लिए गए हैं। अब केवल सीआरएस निरीक्षण का इंतजार है।

गलगलिया-अररिया रेलखंड पूर्वोत्तर भारत को सीमांचल-मिथिलांचल के रास्ते दिल्ली और अन्य राज्यों से जोड़ने वाली परियोजना है। 534 करोड़ की अनुमानित लागत वाले इस प्रोजेक्ट को तत्कालीन रेलमंत्री लालू यादव के द्वारा 2006-07 के बजट में मंजूरी दी गयी थी। अब इस प्रोजेक्ट की लागत बढ़कर 2145 करोड़ कर दी गयी है।

सीआरएस कार्यालय से जानकारी मिली है कि सीआरएस सुमित सिंघल 8 जुलाई को कामरूप एक्सप्रेस से न्यू जलपाईगुड़ी आएंगे। उनकी टीम पौआखाली स्टेशन से सीआरएस जांच शुरू करेगी। 11 जुलाई तक यह निरीक्षण चलेगा। इस दौरान मोटर ट्रॉली से भी नयी रेल लाइन का निरीक्षण होगा। बता दें कि सीआरएस निरीक्षण में रेलवे लाइन, पुल व अन्य रेलवे सुविधाओं की सुरक्षा और संरक्षा चेक की जाती है। पिछले वर्ष ठाकुरगंज से पौआखाली के बीच निरीक्षण किया गया था। बाद में 12 जून को हुए सीआरएस जांच में इस रेलखंड पर ट्रेन चलाने के लिए हरी झंडी दे दी गयी थी। फिर अररिया कोर्ट-रहमतपुर और अररिया-रहमतपुर सेक्शन से वाई-कनेक्शन को चालू करने की अनुमति सीआरएस ने दी। अबतक करीब 31 किलोमीटर हिस्से को स्वीकृति दी जा चुकी है। 110।75 किलोमीटर लंबा यह रेलखंड है।

अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने रेलमंत्री अश्विणी वैष्णव से मुलाकात की है। उन्होंने बताया कि अगले महीने अगस्त में पीएम मोदी पूर्णिया आएंगे। यहीं अररिया-गलगलिया रेलखंड का शुभारंभ भी पीएम करेंगे।

बेऊर जेल से रची गई थी गोपाल खेमका के हत्या की साजिश, पटना पुलिस ने शुरू की छापेमारी

पटना, एजेंसी। बिहार के चर्चित कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड में अब एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस हत्याकांड की साजिश पटना की बेऊर जेल के भीतर रची गई थी। इसी इनपुट के आधार पर पटना पुलिस ने शनिवार को बेउर जेल में बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू कर दी है।

ढ्ढत्र और प्रमंडलीय आयुक्त के नेतृत्व में ऑपरेशन शुरू - इस विशेष ऑपरेशन का नेतृत्व ढ्ढत्र सेंट्रल रेंज जितेंद्र राणा और पटना प्रमंडलीय आयुक्त कर रहे हैं। छापेमारी में पटना स्स्क्क तीनों सिटी SP, और दर्जनों थानों की पुलिस टीमों को शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जेल में बंद कुछ संदिग्ध कैदियों ने बाहर के शूटरों को हत्या के निर्देश दिए थे।

कैदियों के सेल की तलाशी, कई गैंगस्टरों पर शक - पुलिस की टीम फिलहाल जेल के अंदर संदिग्ध कैदियों के सेल की गहन तलाशी ले रही है। आशंका जताई जा रही है कि कुछ कुख्यात गैंगस्टरों का इस हत्या में सीधा संबंध हो सकता है। जेल प्रशासन भी इस पूरे मामले में पुलिस को पूरा सहयोग दे रहा है।

घर लौटते वक्त मारी गई थी गोली - गोपल खेमका की हत्या शुक्रवार देर रात की गई थी। वह बांकीपुर क्लब से लौट रहे थे और अपने घर के गेट तक पहुंच चुके थे। तभी बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें टारगेट कर बेहद नजदीक से गोली मारी। खेमका की मौके पर ही मौत हो गई थी।

पिछले मामले से जुड़ सकता है कनेक्शन - यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि 20 दिसंबर 2018 को गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की भी हत्या कर दी गई थी। हाजीपुर के इंडस्ट्रियल एरिया में अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी थी। उस मामले में भी जमीन विवाद और पेशेवर शूटरों की संलिप्तता सामने आई थी। पुलिस अब दोनों हत्याओं के बीच कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

क्या निकलकर आएंगे बड़े नाम - बेउर जेल से हुई इस छापेमारी के बाद अब सबकी नजर इस बात पर है कि जांच में और क्या बड़े खुलासे सामने आते हैं। जेल से संचालित होते क्राइम नेटवर्क की पुष्टि होने पर पुलिस जल्द ही कुछ हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियां भी कर सकती है।

कब हुई थी गोपाल खेमका की हत्या - बीजेपी नेता और कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या उनके घर के सामने ही अपराधियों ने की। 4 जुलाई 2025 की रात 11 बजे अपराधियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। 2018 में उनके बेटे गुंजन की भी हत्या हो गई थी। बेटे की हत्या के बाद गोपाल खेमका ने अपना काफी कारोबार समेट दिया था। विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस वारदात ने बिहार को हिला कर रख दिया है।

पचौरी में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कई योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

नीतीश सरकार ने बदल दी बिहार की तस्वीर: श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। ग्रामीण विकास मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्रवण कुमार ने शनिवार को ग्राम पंचायत राज पचौरी में कई विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार के नेतृत्व में बिहार आज रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के क्षेत्र में देशभर में मिसाल बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान दीपनगर से ओकनावां होते हुए मौलानगर तक पक्की सड़क की मरम्मत कार्य का शुभारंभ किया गया। वहीं

ग्राम नवीनगर में 5.20 लाख की लागत से निर्मित आरसीसी पुलिया और पैन उडाही का लोकार्पण भी किया गया। इसके अलावा ओकनावां से कुंडलपुर रोड तक 5.19 लाख की लागत से बनी मिट्टी भराई, ईंट सोलिंग एवं पेवर ब्लॉक सड़क का उद्घाटन किया गया। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, आज बिहार सबसे अधिक सरकारी नौकरी देने वाला राज्य बन गया है। राज्य में जो तेज गति से विकास हो रहा है, उसकी तुलना किसी भी राज्य से नहीं की जा सकती। यह सब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व का परिणाम है। कार्यक्रम में जदयू प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, किशोर महतो, प्रदीप मुखिया, गुलशन कुशवाहा, सुबोध पंडित, मुन्ना पासवान, निरंजना गुप्ता, रविंद्र कुशवाहा, संतोष मेहता, सुरेश कुशवाहा, शशिभूषण प्रसाद, संजय पटेल, मोहन महतो, मुन्ना मांझी, धर्मेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

नालंदा को मिलेगा 'अटल कला भवन', 620 सीटों वाला आधुनिक ऑडिटोरियम होगा तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में कला, संस्कृति और युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए एक नई पहल की शुरुआत होने जा रही है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार के प्रयास से मौजा-लखरावां में दो एकड़ भूमि पर 'अटल कला भवन' का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को भूमि हस्तांतरित कर दी गई है। यह भव्य ऑडिटोरियम 620 लोगों की बैठने की क्षमता वाला होगा, जिसमें नाट्यशाला, संगीत कक्ष, सांस्कृतिक मंच सहित कला से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। भवन का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

कला और रोजगार का मिलेगा मंच

इस परियोजना से थिएटर, फिल्म, धारावाहिक और मनोरंजन उद्योग में रुचि रखने वाले युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। यह भवन नालंदा जिले का पहला और सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र होगा, जो स्थानीय कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा। स्थानीय कलाकारों और सांस्कृतिक संगठनों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे जिले को नई सांस्कृतिक पहचान मिलेगी और युवा प्रतिभाओं को स्थानीय स्तर पर मंच मिलेगा, जिससे उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।जिला प्रशासन की यह पहल नालंदा को सांस्कृतिक समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मनरेगा से बने पशु शेड पर दबंगों का कब्जा पीड़ित ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के बेन थाना क्षेत्र अंतर्गत ईनायतपुर गांव में मनरेगा योजना के तहत बने एक पशु शेड पर जबरन कब्जा कर लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित मो. मिनहाज आलम ने इस संबंध में जिलाधिकारी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित के अनुसार, वर्ष 2020-21 में मनरेगा योजना संख्या 34 के अंतर्गत उन्हें निजी जमीन पर पशु शेड की स्वीकृति मिली थी, जिसका वे 15 मई 2025 तक नियमित उपयोग कर रहे थे। लेकिन 16 मई की रात गांव के ही मो. जाहिद और अन्य लोगों ने शेड का ताला तोड़कर कब्जा कर लिया।

धमकी और चोरी का आरोप

पीड़ित ने आरोप लगाया कि दबंगों ने शेड में रखा जरूरी सामान बाहर फेंक दिया और कुछ सामान चोरी भी कर लिया। जब उनके भाई आबिद हुसैन ने विरोध किया, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। दबंगों ने कहा–हल्ला मत करो, नहीं तो गोली मार देंगे। इससे पीड़ित परिवार डर और दहशत में जी रहा है। पीड़ित ने 22 मई को बेन थाना में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। दूसरी ओर, मो. जाहिद ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पशु शेड उनकी जमीन पर बनाया गया है।

पुलिस ने बताया भूमि विवाद

बेन थाना अध्यक्ष रवि कुमार ने मामले को आपसी भूमि विवाद बताया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को थाना बुलाकर समझाया गया है और वरिष्ठ अधिकारियों को दिए गए आवेदन की जांच प्रक्रिया जारी है।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी गंभीरता से कार्रवाई करता है और पीड़ित को न्याय मिल पाता है या नहीं।

23 नवम्बर को पेंशनर समाज का त्रिवार्षिक चुनाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नारदीगंज,नवादा। प्रखंड पेंशनर समाज नारदीगंज का पांच वर्षीय चुनाव होने के बजाय अब बिहार राज्य पटना पेंशनर समाज पटना के निर्गत अभिसूचना के अनुसार त्रिवार्षिक चुनाव होना है। प्रखंड पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद व सचिव श्रीकांत सिंह ने संयुक्त रूप से कहा नारदीगंज पेंशनर समाज का त्रिवार्षिक चुनाव आगामी 23 नवम्बर 2025 (बुधवार) को 12 बजे होगी । यह चुनाव पेंशनर भवन नारदीगंज में आयोजित किया जाएगा। पेंशनर समाज के सदस्यों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करें।

पावापुरी महादलित टोला स्थित बूथ संख्या 260 का डीएम ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र के गिरियक प्रखंड अंतर्गत पावापुरी महादलित टोला स्थित बूथ संख्या 260 का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने शुक्रवार को किया। यह निरीक्षण मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के तहत हो रहे कार्यों की स्थलीय प्रगति की समीक्षा के लिए किया गया।

घर-घर सर्वे और ऐप पर अपलोडिंग जारी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित किए जा रहे हैं तथा भरे हुए प्रपत्र बीएलओ ऐप

पर अपलोड किए जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ को निर्देश दिया कि वे प्रति दिन न्यूनतम 200 प्रपत्रों को ऐप पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाना आवश्यक है, जिसके लिए प्रशासनिक टीमवर्क बेहद जरूरी है।

सुपरवाइज़रों को सख्त निर्देश

डीएम ने सुपरवाइज़रों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ बीएलओ की नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि 100 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण एवं प्राप्ति समय पर हो। सभी भरे हुए प्रपत्रों को त्वरित रूप से ऐप पर डिजिटल अपलोडिंग करें ताकि अद्यतन डाटा समय से उपलब्ध हो सके।

मतदाताओं से किया संवाद

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महादलित टोला के मतदाताओं से सीधे संवाद कर अभियान की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ के कार्य की सराहना करते हुए बेहतर समन्वय और समर्पण के लिए सभी को प्रेरित किया। इस मौके पर नगर आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सुपरवाइजर, बीएलओ सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। अभियान को सफल बनाने हेतु प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आया।

भारी बारिश को लेकर सतर्क नालंदा प्रशासन, लोकाईन नदी तटबंध की सुरक्षा के लिए व्यापक तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। झारखंड में हो रही भारी बारिश के प्रभाव को देखते हुए नालंदा जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए लोकाईन नदी सहित अन्य तटबंधों की सुरक्षा को लेकर बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल, एकंगरसराय द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।

तटबंधों की निगरानी और आपात सामग्री की व्यवस्था

बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से रात्रि में भी तटबंधों की सतत निगरानी की जा रही है। आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु श्रमिक, बालू भरे बोरे, बांस, बल्ला, फ्लड लाइट आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी क्षति की तात्कालिक मरम्मत सुनिश्चित की जा सके।

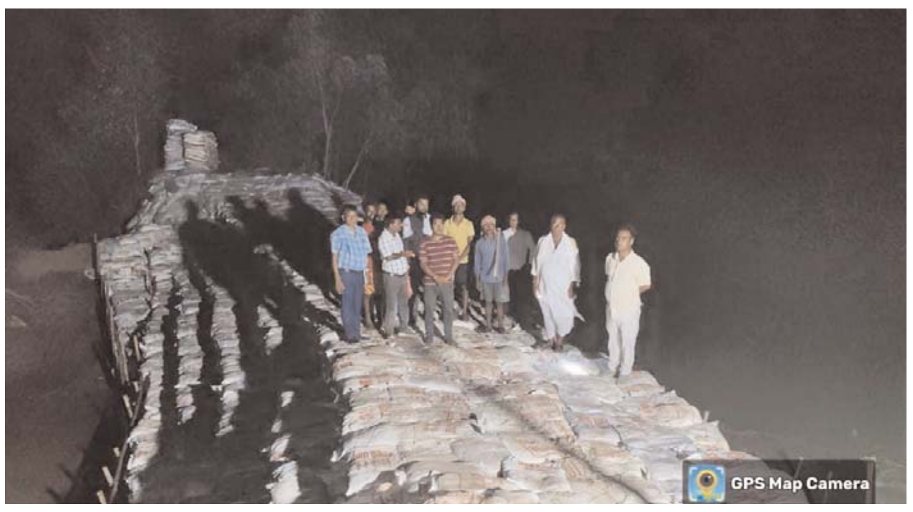

जमींदारी बांधों पर फोकस, संवेदनशील स्थलों पर भंडारण

कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण बिहारशरीफ के अनुसार, बाढ़ वर्ष 2025 की तैयारियों के तहत देकपुरा, कुल्टी, जीराईनपुरी, सिद्धीविगहा, कटौना, इतासंग जैसे अतिसंवेदनशील स्थलों पर पहले से ही बालू भरे बोरे का भंडारण किया गया है। इसके अतिरिक्त बिन्द, नौरंगा, जाना, छापन खंधा और सैनिक स्कूल के पास भी राहत सामग्री उपलब्ध रखी गई है।

पंचाने नदी की सफाई तेज

शहर में जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए पंचाने नदी की सफाई जोरों पर है। इसके लिए 8 एक्सकैवेटर मशीनें, 32 ट्रैक्टर और बड़ी संख्या में मजदूर लगाए गए हैं। हवनपुरा, रहुई, फतेहली, भदाई और अस्थावां जैसे क्षेत्रों में बांस और आरी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। आपदा में राहत हेतु मोबाइल एंबुलेंस तैयार संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित राहत पहुंचाने के लिए दो मोबाइल एंबुलेंस (ट्रैक्टर) को तैयार रखा गया है। इनमें फ्लड लाइट, जनरेटर, मजदूर दल, बालू, गिट्टी, बोरे और बांस समेत सभी आवश्यक संसाधन मौजूद हैं।

जिला प्रशासन सतर्क, लोगों से की सहयोग की अपील

जिला प्रशासन ने नदी किनारे बसे लोगों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से तुरंत संपर्क करें। बाढ़ से सुरक्षा के इन पुख्ता इंतजामों के ज़रिए प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जन-धन की हानि से बचा जा सके और किसी भी आपदा की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों में कोई बाधा न आए।

पढ़ाई में 'आइकन गर्ल' प्रीति ने रचा इतिहास संसाधनों की कमी को नहीं बनने दिया बाधा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ (कतरीसराय)। कठिन परिस्थितियों में भी सपनों को हकीकत में बदलने वाली छात्रा प्रीति कुमारी ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जो न सिर्फ उसके विद्यालय बल्कि पूरे अस्थावां प्रखंड के लिए प्रेरणा बन गया है।

+2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालती में बारहवीं कक्षा की छात्रा प्रीति कुमारी ने बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा बोर्ड (उएक्एक) के तहत पैरामेडिकल एवं पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा 2025 में 1663वीं रैंक हासिल कर मिसाल कायम की है। गरीबी, संसाधनों की कमी और सामाजिक बंदिशें भी प्रीति के हौसले को रोक नहीं सकीं। मजदूर माता-पिता की इस होनहार बेटी ने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से पढ़ाई को ही अपना जीवन लक्ष्य बना लिया है। वह छह भाई-बहनों में दूसरे स्थान पर है और लगातार प्रतिभा सम्मान प्राप्त कर चुकी है। कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रीति की प्रतिभा को सम्मानित किया है। विद्यालय के शिक्षक नेता सूर्यकांत सिंह और शिक्षक रितेश कुमार ने कहा कि प्रीति ने सरकारी स्कूल की छवि को एक नई ऊंचाई दी है। वह आज विद्यालय की पहचान बन चुकी है। वहीं शिक्षिका माला सिन्हा ने हर कठिन परिस्थिति में प्रीति को मातृत्व की छांव और सहयोग देकर आगे बढ़ने का हौसला दिया है। प्रीति की इस उपलब्धि पर शिक्षक समाज को पूरा भरोसा है कि वह भविष्य में और भी ऊंचाइयां हासिल करेगी। आज वह अस्थावां प्रखंड की 'आइकन गर्ल' बनकर उभरी है, और हजारों छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है।

दलाई लामा का 90वां जन्मोत्सव धूमधाम से मना, तिब्बती संघर्ष को किया याद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। भारत-तिब्बत मैत्री संघ, नालंदा के तत्वावधान में एकंगरसराय प्रखंड के चकदह गांव में दलाई लामा का 90वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन संघ के संयोजक एडवोकेट कुमार राज मनोरंजन सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें केक काटकर और विचार गोष्ठी के माध्यम से उत्सव को यादगार बनाया गया।

इस अवसर पर कुमार राज मनोरंजन सिंह ने कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित दलाई लामा न केवल तिब्बती संस्कृति के संरक्षक हैं, बल्कि शांति, सहिष्णुता

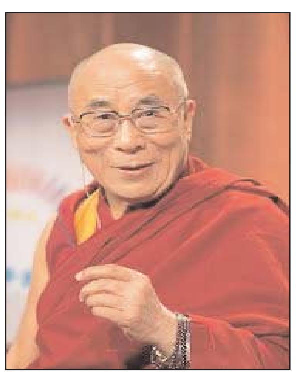

और करुणा के प्रतीक भी हैं। उन्होंने कहा कि तिब्बत पर चीन की विस्तारवादी नीति के खिलाफ लाखों तिब्बती शरणार्थियों का संघर्ष आज भी जारी है। उन्होंने 1962 में चीन द्वारा हड़पे गए भारतीय भूभाग को वापस लाने की मांग को दोहराते हुए भारत सरकार से ठोस पहल की आवश्यकता बताई। साथ ही, भारत में रह रहे तिब्बती समुदाय की पीड़ा और उनकी स्वदेश वापसी की आकांक्षा का समर्थन किया गया।

कार्यक्रम में मदन प्रसाद, दिलीप कुमार टिंकू, अमिय कुमार, संदीप कुमार, अरुण कुमार, सुबोध कुमार और पंकज कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए और दलाई लामा के शांति संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने तिब्बत की स्वतंत्रता और भारत-तिब्बत संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया।

आनंद राज विश्वकर्मा बने भाजपा नीति मंच के बिहार प्रदेश अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। भाजपा नीति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष फतेह उद्दीन खान कादरी एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री हर्ष माहेश्वरी के निर्देश पर नवादा निवासी आनंद राज विश्वकर्मा उर्फ शंकर लोहार को मंच का बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। अपनी प्रतिक्रिया में आनंद राज ने कहा कि वे पार्टी की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन के माध्यम से वे भाजपा नीति मंच के हाथों को मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

बाबू जगजीवन राम की 39वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बाबू जगजीवन राम की 39वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राजेंद्र आश्रम, धनेश्वर घाट में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण दास ने की।

सभा की शुरुआत बाबूजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पण के साथ हुई, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर कृष्ण दास ने कहा कि जगजीवन बाबू हमारे आदर्श हैं। उन्होंने देश के निर्माण में

अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

कांग्रेस नेता राजीव कुमार मुन्ना ने कहा कि बाबू जगजीवन राम एक साधारण परिवार से निकलकर स्वतंत्रता संग्राम से लेकर भारत सरकार में रेल मंत्री, रक्षा मंत्री और उप प्रधानमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रहे। देश की जनता उन्हें 'बाबूजी' कहकर सम्मान देती थी। उनके आदर्श आज भी मीरा कुमार जी के रूप में हमारे बीच जीवित हैं, उन्होंने कहा।

मीडिया प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि बाबूजी के दाह संस्कार में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने भी भाग लिया था, जो उनके योगदान की महत्ता को दर्शाता है।

मोहम्मद हैदर आलम और प्रदेश प्रतिनिधि संजय पासवान ने कहा कि बाबूजी का जीवन सादगी और शालीनता का प्रतीक था। युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पासवान ने भी उन्हें अपना आदर्श बताया। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता नंदू पासवान, मंजू कुमारी, सरफराज मलिक, किशोर कुमार, अखिलेश्वर प्रसाद कुशवाहा, दिलीप मंडल, दीपक कुमार, असगर भारती, नवीन कुमार सिंह, मोहम्मद टीपू, अजीत कुमार, उस्मान गनी, अनिल चंद्रवंशी, मुकेश कुमार, सनी गुप्ता और राहुल कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जदयू की बैठक सम्पन्न, 8 जुलाई को साइकिल रैली को लेकर बनी रणनीति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जनता दल (यूनाइटेड) की एक अहम बैठक रविवार को नवादा जिला कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने की, जिसमें जिले के सभी प्रखंड अध्यक्ष, प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में 8 जुलाई को प्रस्तावित साइकिल रैली की रूपरेखा पर विशेष चर्चा की गई। मुकेश विद्यार्थी ने कहा कि यह रैली गांव, टोला, बसावट और शहर के मोहल्लों में निकालकर लोगों को मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिए प्रेरित

करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संदेश को दोहराते हुए कहा– संकल्प हमारा टूटे नहीं, एक भी मतदाता छूटे नहीं।

हर घर तक हम जाएंगे, मतदाता को जगायेंगे।

जिला संगठन प्रभारी अरुण कुमार वर्मा ने सभी प्रखंडों से रैली को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विगत 20 वर्षों में किए गए विकास कार्यों की जानकारी मतदाताओं को दी जाए। नीतीश सरकार ने बिना भेदभाव के हर वर्ग और समुदाय के लिए योजनाएं चलाई हैं, जिन्हें साइकिल रैली के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना है।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता जयशंकर चंद्रवंशी, जिला अभियान प्रभारी सतीश कुशवाहा, नवादा विधानसभा प्रभारी मो. महमूद बखो, वारिसलीगंज प्रभारी मो. सादिक अख्तर, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष शोभा देवी, शोभा कुमारी, प्रिंस प्रभात डांगी, डॉ. कौशल किशोर, धर्मेंद्र कुशवाहा, विनोद वर्मा, प्रदीप यादव, नवलेश राकेश, संजय वर्मा, उपेंद्र चौहान सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक पंचायत में रैली सुनिश्चित की जाएगी और मतदाता जागरूकता के साथ-साथ जदयू की नीतियों को भी जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

भगवानपुर में संदिग्ध चेचक से महिला की मौत, गांव में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। पकरीबरावां प्रखंड के भगवानपुर गांव में शनिवार को एक महिला की मौत के बाद क्षेत्र में चेचक फैलने की आशंका ने लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। मृतका की पहचान 50 वर्षीय विमला देवी, पति बूंदी यादव के रूप में हुई है।

परिजनों ने बताया कि महिला को चेचक के लक्षण दिखाई देने के बाद पहले स्थानीय अस्पताल, फिर नवादा होते हुए पावापुरी रेफर किया गया था। इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया, लेकिन शनिवार की सुबह उनकी मौत हो गई।

गांव के उदय उपाध्याय सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि दर्जनों लोग चेचक जैसे लक्षणों से

घरों में ही पीड़ित हैं, जिससे पूरे गांव में डर का माहौल है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने तत्काल सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिन्हा से संपर्क कर मेडिकल टीम भेजने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में पहुंचकर चेचक से पीड़ित लोगों का इलाज शुरू कर दिया है। प्रभारी डॉ. सिन्हा ने बताया कि चेचक से मौत की संभावना बहुत कम होती है, लेकिन वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेडिकल टीम को लगातार गांव भेजा जाएगा और आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे पीड़ितों की जानकारी साझा करें और उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आने को प्रेरित करें। रविवार को भी मेडिकल टीम गांव का दौरा करेगी। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और ग्रामीणों से सावधानी बरतने और घबराने की बजाय इलाज कराने की अपील की गई है।

दबंगों ने महादलित सहित चार लोगों की झोपड़ियां फूंकी

नकदी सहित लाखों की क्षति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मीनापुर थाने के पानापुर ओपी अंतर्गत पखनाहा में दबंगों ने भूमि विवाद में पेट्रोल छिड़क कर एक महादलित सहित चार गरीबों की झोपड़ियां फूंक दीं। देर रात आगजनी की घटना से इनमें सो रहे बच्चे जिंदा जलने से बच गए। लोगों ने किसी तरह उनकी जान बचाई।

आगजनी में नकदी समेत तीन लाख की संपत्ति जलकर राख होने का अनुमान है। घटना का वीडियो बना रहे एक युवक का मोबाइल भी दबंगों ने छीन लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस के साथ लोगों ने धक्का-मुक्की की। दबंगों के भय से पीड़ित परिवारों ने अब तक ओपी में आवेदन नहीं दिया है। पीड़ित परिवारों के लोग अब भी दहशत में हैं। दूसरी ओर पीड़ित पक्ष के ही 10 लोगों के विरुद्ध पुलिस पर हमले की प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बताया जाता है कि रमतोमहा गांव के दौलत राम, बालेंद्र महतो, राजेश महतो व रंजीत महतो ने पखनाहा में जमीन खरीदकर हाल ही में घर बनाए थे। शुक्रवार की रात दर्जनों की संख्या में हरवे हथियार के साथ पहुंचे दबंगों ने एक-एक कर चारों घरों को आग के हवाले कर दिया। बालेंद्र महतो के घर में सोए बच्चों जलने से बच गए। आरोप है कि दबंग वहां तब तक डटे रहे, जब तक घर पूरी तरह नहीं जल गए। इस दौरान वीडियो बना रहे राजेश महतो का मोबाइल

पीड़ितों में दहशत व्याप्त, रोष

छीनकर उन्हें वहां से भगा दिया गया। आगजनी में बालेंद्र महतो के घर में रखे नकद 50 हजार व रंजीत महतो के 20 हजार रुपये जलकर राख हो गए। पीड़ितों के घरों से एक भी सामान नहीं बचा। पीड़ितों ने बताया कि दबंग धमकी दे रहे थे कि यहां से भागो, नहीं तो गोली मार देंगे। सभी शराब के नशे में भी थे। हाथ में पेट्रोल की बोतल थी। किसी तरह भागकर जान बचाई। इस दौरान ओपी पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तुरंत निकल गई। हमलावर दबंग कांटी, खरिका, वीरपुर, किशुनगर व बखरी से यहां पहुंचे थे। ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि पुलिस रात में ही मौके पर गई थी, लेकिन पीड़ित पक्ष के लोगों ने टीम पर ही हमला कर दिया। इसमें एक पदाधिकारी व दो सिपाही जख्मी हुए हैं। पीड़ितों की ओर से मामले में अभी आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

वेटिंग हॉल का अब लगेगा 10 रुपये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। भारतीय रेल के इस बड़े फैसले से यात्रियों की जेब पहले के मुकाबले और ढीली होगी। ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पहुंचने पर अब वेटिंग कक्ष में बैठने के लिए आपको व्यवस्थापक को 10 रुपये देने होंगे। इसके पीछे कारण वेटिंग रुम की व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपे जाने को बताया जा रहा है।

प्लेटफार्म पर बने वातानुकूलित प्रतीक्षालय में ट्रेन का इंतजार करने पर शुल्क अदा करना होगा। एक घंटे के लिए 10 रुपये देना होगा। नई व्यवस्था 15 जुलाई से लागू होगी। इससे पहले कोलकाता व रामपुर हाट के अलावा हावड़ा रेल मंडल में यह व्यवस्था पहले से है। अब यह मालदा रेल मंडल के भागलपुर, सुल्तानगंज व जमालपुर में लागू होने जा रहा है। इसकी तैयारी भी रेलवे ने कर ली है। मालदा रेल मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंजन ने बताया कि ए ग्रेड स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाई गई है। वेटिंग हाल में ही छोटा कैंटीन भी होगा। तीनों स्टेशनों पर बने वेटिंग हाल को खूबसूरत बनाया गया है।

बेउर जेल में छापेमारी, तीन कक्षपाल निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के चर्चित व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या ने पूरे बिहार में सनसनी फैला दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न सिर्फ पुलिस और प्रशासन हरकत में आया है, बल्कि राज्य सरकार ने भी इसे चुनौतीपूर्ण मामला मानते हुए विशेष जांच दल का गठन कर दिया है। घटना के 36 घंटे बीत जाने के बावजूद मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस हत्याकांड को सरकार के लिए चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अपराधी चाहे जहां भी छिपे हों, बख्शे नहीं जाएंगे। सम्राट चौधरी ने भरोसा दिलाया कि बिहार पुलिस आम व्यवसायियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि गोपाल खेमका की हत्या हमारे लिए चुनौती का विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एसआईटी का गठन किया है और स्पष्ट निर्देश दिया है कि कहीं भी छिपा अपराधी हो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी, वे बख्शे नहीं जाएंगे। बिहार पुलिस पूर्ण रूप से आम व्यवसायियों की सुरक्षा करेगी और पूरी तरह यह सुनिश्चित भी करेगी कि आगे के दिनों में इस तरह की कोई घटना नहीं हो। इस घटना की तह तक जाने की सरकार काम करेगी। चाहे अपराधी हों या अपराध रचने वाले लोग हों, सबको चुन-चुन के निकालने का काम किया जाएगा।

गोपाल खेमका हत्याकांड के संदर्भ में पटना के आदर्श केन्द्रीय कारा बेउर में की गई औचक छापामारी से हड़कंप मच गया। पटना प्रमंडल के आयुक्त और प्रक्षेत्र के महानिरीक्षक के नेतृत्व में की गई इस छापामारी में तीन मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई है। जेल अधीक्षक नीरज कुमार झा ने पुष्टि की कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में कक्षपाल अंतोष कुमार सिंह, आशीष कुमार और ओम कुमार गुप्ता को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। वहीं, दफा प्रभारी गिरीज यादव, वरिष्ठ प्रभारी नीरज कुमार रजक और जेल उपाधीक्षक अजय कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगे की जांच में यदि अन्य कर्मियों की संलिप्तता पाई जाती है तो कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त की हत्या कर थाने पहुंचा आरोपित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एक शख्स अपने दोस्त की हत्या कर खुद पुलिस थाने पहुंचा। उस वक्त थाने में चार-पांच पुलिस के जवान थे। आरोपित ने पुलिसकर्मियों से कहा- सर मैंने अपने दोस्त का कत्ल कर दिया। इतना सुनने के बाद पुलिसकर्मी दंग रह गए।

आरोपित को तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ और उसने गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या की यह वारदात साथलका गांव में हुई।

जुर्म कबूल करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान बिहार के समस्तीपुर जिला हाल प्रकाश कॉलोनी सांथलका के रहने वाले पलटन साहनी के रूप में हुई, जबकि हत्या का आरोपित रोशन झा बिहार के पटना जिले का निवासी है और कालू कॉलोनी, साथलका में रहता है।

शनिवार की रात पलटन साहनी और रोशन झा साथ बैठकर शराब पी रहे थे। शराब के नशे में धुत्त दोनों के बीच हुए विवाद के बाद गुस्से में आकर रोशन झा ने पलटन साहनी के पैर बांध दिए और उसके गले में पड़े गमछे से उसका गला घोंट दिया, जिससे पलटन की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या करने के बाद रोशन झा मौके से फरार होने के बजाय सीधा भिवाड़ी फेज थर्ड पुलिस थाने पहुंचा और अपना गुनाह कबूल कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस आरोपित रोशन झा से गहन पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता चल सके कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि उसने पलटन की जान ले ली। इस घटना के बाद से मृतक पलटन साहनी के परिवार में मातम पसरा हुआ है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

मोहर्रम में पहलाम के दौरान दबंगों का हमला

दो लोग जख्मी, फायरिंग, पुलिस कर रही मामले की छानबीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोराडीह। लोदीपुर थाना क्षेत्र के उस्तु गांव में मोहर्रम में पहलाम के दौरान अखाड़ा जुलूस पर गांव के दबंग ने हमला कर दिया। जिसमें ताजिया जुलूस में शामिल दो लोगों लोग जख्मी हो गए। घटना रविवार दिन 8:30 बजे की बताई जा रही है। ताजिया जुलूस के अखाड़ा में शामिल उस्तू गांव के मोहम्मद मेराज के 50 वर्षीय पुत्र मोहम्मद मकीम और मुहम्मद सनाउल्लाह के पुत्र 30 वर्षीय मुहम्मद मोईन गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों का इलाज मायागंज अस्पताल में कराया जा रहा है। घायल दोनों उस्तु गांव के ही बताए जा रहे हैं। दोनों के सिर में गंभीर चोट लगी है।

घायल सनाउल्लाह के भाई मुहम्मद तनवीर ने बताया कि हम लोग मुहर्रम का अखाड़ा लेकर करतब दिखाते हुए अपने गांव में जा रहे थे। अखाड़ा में दर्जनों लोग शामिल थे। अखाड़ा का जुलूस उस्तू मोहल्ले से डुमरिया पहलाम करने के आगे बढ़ रहा था। तभी अफ्फान उर्फ आर्यन के घर के समीप अफ्फान आर्यन और उसके 10 से 12 सहयोगियों ने अचानक अखाड़ा जुलूस पर लाठी डंडे से हमला कर दिया।

दोनों तरफ से लाठियां चलने लगी,गांव के मुहम्मद मकीम में इसका विरोध किया तो उन्हें भी लाठी से पीट दिया मुहम्मद तनवीर का आरोप है, कि अफ्फान उर्फ आर्यन ने समीप के सन्हौली गांव से कुछ लाठी डंडे और हथियार युक्त लोगों को हमला करने के लिए पहले से अपने घर में बुलाकर रखा था। सभी ने मिलकर सुनियोजित तरीके से अखाड़ा पर हमला किया। फिर अफ्फान आर्यन के भाई मुहम्मद सफ्फान ने पिस्तौल निकाल कर एक हवाई फायरिंग कर दी। जिससे पूरा अखाड़ा तीतर-बीतर हो गया।

फायरिंग के कारण लोग इधर-उधर भागने लगे। चारों तरफ चीख पुकार मच गई। हालांकि, पुलिस ने गोली चलने की बात से इनकार किया है। तनवीर ने कहा कि हम लोगों के द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची घायल दोनों मकीम और सनाउल्लाह को ग्रामीणों के सहायता से पुलिस ने मायागंज इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। दोनों के सिर में गंभीर चोट पहुंची है। पुलिस इंस्पेक्टर घनश्याम कुमार ने बताया कि अखाड़ा जुलूस में आपस में लाठी चली है। दो लोग घायल हुए हैं । मामले की छानबीन की जा रही है।

गंगा-जमुनी तहजीब की दिखी अनोखी तस्वीर

जिस जगह हिन्दू-मुस्लिम मिलकर रहते हैं वहां प्रशासन का बोझ हल्का हो जाता है : एसडीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी में मोहर्रम पर ताजिया जुलूस निकाला जा रहा है। ऐसे में गंगा जमुनी तहजीब की अनोखी तस्वीर भी देखने को मिली। यहां मसौढ़ी के रेलवे गुमटी चौराहा के पास हिंदू भाइयों ने जुलूस में शामिल लोगों के लिए नींबू पानी का स्टाल लगा रखा था। इसका उद्घाटन एसडीएम अभिषेक कुमार डीएसपी नभ वैभव, बीडीओ, सीओ ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मोहर्रम के ताजिया जुलूस में भारी संख्या में भीड़ जुटी थी। मौके पर मसौढ़ी के बुद्धिजीवी और समाजसेवी और मुस्लिम भाई शामिल रहे। अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा है कि यह गंगा जमुनी तहजीब का उदाहरण है। जिस जगह पर हिंदू और मुस्लिम भाई मिलकर रहते हैं। वहां पर प्रशासन का बोझ हल्का हो जाता है। विधि व्यवस्था का संधारण करना आसान हो जाता है। त्योहार में ऐसे ही मिल जुल कर रहते हुए काम करें और सद्भावपूर्ण समाज का निर्माण करें। डीएसपी ने कहा की यहां पर हिंदू भाइयों ने मुस्लिम भाइयों के लिए नींबू पानी का स्टाल लगाया है यह एक बेहद सुखद है और आने वाले दिनो के लिए समाज के लिए कि अच्छा संदेश है। मोहर्रम को लेकर पूरे मसौढ़ी अनुमंडल में कुल 47 जगहों पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए पुलिस पदाधिकारी व दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं। मोहर्रम में कई जगहों से ताजिया जुलूस निकाल गया है। मौके पर पीएनबी बैंक मैनेजर संतोष कुमार, राहुल चंद्रा, मकसूद रजा, छोटे ठाकुर, कृष्णा सिंह, डॉ रामजयपाल, डॉ सुधीर, डॉ गौतम, नवल भारती, संतोष अनमोल, अधिवक्ता महेंद्र सिंह अशोक, मुन्ना पासवान आदि शामिल रहे।

रिश्वत लेते आवास सहायक को निगरानी की टीम ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। जिले के करपी प्रखंड में पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने प्रखंड मुख्यालय से पुराण पंचायत में तैनात आवास सहायक सुनील कुमार को दस हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आवास योजना के तहत लाभार्थियों से पैसे की मांग आवास सहायक के द्वारा की जा रही थी।

पुराण पंचायत निवासी भूषण कुमार के द्वारा निगरानी विभाग में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत दर्ज करने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने जाल बिछाया और आवास सहायक को रिश्वत के पैसे लेते हुए रंगे हाथ करपी प्रखंड मुख्यालय से दबोच लिया।

सर्किट हाउस लाकर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने कई बिचौलियों के नाम भी बताए हैं। आवास सहायक जिला मुख्यालय के वासिलपुर गांव का निवासी है। निगरानी के धावा दल में डीएसपी शिवकुमार शाह, इंस्पेक्टर जहांगीर अंसारी, सब इंस्पेक्टर ऋषिकेश कुमार, दिग्विजय सिंह, राहुल कुमार शामिल थे।

सड़क पर अतिक्रमण, प्रशासन बेखबर

मोहनिया। जीटी रोड से भभुआ रोड स्टेशन को जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ का फुटपाथ अतिक्रमण का शिकार हो गया है। जिससे राहगीरों को आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर पंचायत इस समस्या को ले गंभीर नहीं है। फुटपाथ पर ठेले पर दुकानें लगती हैं, जिससे राहगीरों को आवागमन में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस पथ पर 24 घंटे वाहनों का परिचालन होता है। फुटपाथ की बदहाली प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

चांदनी चौक से भभुआ रोड रेलवे स्टेशन जाने वाले पथ की चौड़ाई कम है। फुटपाथ पर अतिक्रमण से पैदल चलने वाले यात्रियों को परेशानी होती है। लोग मजबूरी में व्यस्त सड़क पर चलने को मजबूर होते हैं। कई बार राहगीर दुर्घटना का शिकार हुए हैं।

गंगा में कूदी महिला

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सारीमपुर घाट पर रविवार की सुबह 25 वर्षीय एक महिला ने गंगा में छलांग लगा दी। सुबह 5:45 बजे हुई घटना को देखते ही आसपास मौजूद नाविकों ने गंगा में कूदकर जान बचा ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस महिला को तत्काल सदर अस्पताल ले गई, जहां उपचार के बाद उसकी जान बच गई है।घटना की पुष्टि करते नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि महिला की पहचान शहर के मेनरोड तुरहाटोली निवासी मुन्ना साह की 25 वर्षीय पत्नी सोनी कुमारी के रूप में की गई है।

घटना के सम्बंध में बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार महिला सुबह 5:45 बजे सारीमपुर घाट पर पहुंची और पहुंचते ही गंगा में कूद गई। उसकी मंशा को भांपते हुए घाट के पास मौजूद कुछ नाविक महिला को बचाने के लिए तत्काल नदी में कूद गए। नाविकों ने कुछ ही पल में महिला को खींचकर बाहर निकाल लिया। इस बीच घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस की गश्ती गाड़ी पहुंच गई जिसने महिला को तत्काल उपचार के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।

सोशल मीडिया पर वायरल गाने को लेकर विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। थाना क्षेत्र में इंटरनेट मीडिया पर एक गाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एक स्थानीय युवक द्वारा रिकॉर्ड किए गए गाने में कथित तौर पर एक अनुसूचित समुदाय की महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया गया है। जिसके खिलाफ अनुसूचित समाज के लोगों में आक्रोश है।इस संबंध में लक्ष्मीबिगहा निवासी अखिलेश कुमार ने थाना में आवेदन देकर संबंधित गायक के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि 29 जून को उक्त व्यक्ति ने अपने मोबाइल से रिकॉर्ड किए गए एक गीत को इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया। जिसमें जानबूझकर एक वंचित वर्ग की महिलाओं को निशाना बनाते हुए अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया है। आवेदन देकर आरोप लगाया गया है कि इस प्रकार के गीतों से सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचती है और समुदाय विशेष की छवि को धूमिल किया जाता है। उक्त वीडियो को वायरल करने के पीछे महिलाओं को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और जातीय विद्वेष फैलाने की मंशा बताई गई है।

आवेदन में वीडियो बनाने वाले युवक का नाम, पता और मोबाइल नंबर भी दिया गया है। उल्लेख है कि जिस नंबर से वीडियो वायरल हुआ, वह नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र के भलुआ गांव के विजय यादव के पुत्र गायक सिंटू दिलदार यादव हैं। साथी ही कहा गया है, कि इस गाने से संबंधित लेखक व अन्य जो भी लोग हैं सभी के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। आवेदन में दर्ज मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की, तो गायक पक्ष से बात नहीं हो सकी। पीड़ित पक्ष की मांग है कि प्रशासन इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कानूनी कार्रवाई करे।

मंदिर पर पथराव के बाद बवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार में जमकर बवाल हुआ है। यहां नया टोला स्थित सार्वजनिक मंदिर पर शरारती तत्वों ने पथराव किया है। घटना के वक्त वहां से मुहर्रम जुलूस निकाला जा रहा था।

मौके पर डीएम, एसपी समेत भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गई है। मंदिर परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस मोहल्ले के घरों पर भी पत्थरबाजी की गई है। कई गाड़ियों को भी क्षति पहुंचाया गया है। सूत्रों ने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान शहर के नया टोला स्थित सार्वजनिक मंदिर पर रविवार की दोपहर पत्थराव किया गया है। घटना के बाद डीएम मनेष कुमार मीणा, एसपी वैभव कुमार शर्मा समेत भारी पुलिस बल ने मंदिर परिसर को पुलिस शिविर में तब्दील कर दिया है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, एमएलसी अशोक अग्रवाल भी मौके पर पहुंच गए हैं।

उन्मादी भीड़ ने पत्थरबाजी से मंदिर के प्रथम तले में स्थापित महावीर की प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। साथ ही मुहल्ले के घरों पर पत्थरबाजी की।

दो बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। एटीएम सेंटर में भी तोड़फोड़ की। एक सिपाही भी जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार उन्मादी खुले घर में घुसने का भी प्रयास कर रहे थे। पत्थरबाजी का विरोध करते हुए दूसरे पक्ष के लोगों ने भी जवाबी पत्थरबाजी की। घटना के बाद इलाके में तनाव व्याप्त है। फिलवक्त जिला प्रशासन कुछ भी बताने से इंकार रही है।

हथियार के बल पर बंधक बनाकर लूटपाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर थाना क्षेत्र के अंडी गोला में हथियार के बल पर बंधक बनाकर बिस्किट एजेंसी के गोदाम से करीब दो लाख रुपये लूट लिए। भागने के दौरान लुटेरे तीन मोबाइल भी लेकर भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर एसडीपीओ टाउन-वन सीमा देवी और नगर थानाध्यक्ष शरत कुमार मौके पर पहुंचे। पीड़ितों से पूछताछ की गई। गोदाम के बाहर एक घर में सड़क की ओर से लगे सीसी कैमरा को खंगाला गया, लेकिन लुटेरों का सुराग नहीं मिला। पूछताछ में पता लगा कि घटना के बाद चारों लुटेरे चेंबर आफ कामर्स वाले रोड की ओर भाग निकले। इसी आधार पर पुलिस छापेमारी कर रही है।

एजेंसी संचालक मोतीलाल राजपाल ने बताया कि गोदाम में उनके भाई सुशील कुमार समेत छह कर्मी मौजूद थे। प्रतिदिन रात नौ बजे तक कैश का मिलान करने के बाद काउंटर बंद कर निकल जाते है। शनिवार रात भी सभी कैश मिलान कर रहे थे। तभी दो बाइक से चार बदमाश पहुंचे। सभी ने चेहरे को गमछा और हेलमेट से ढंक रखा था। गोदाम का मेन गेट खुला हुआ था। बाइक लेकर सभी अंदर आ गए। उतरने के साथ ही पिस्टल निकालकर सभी को बंधक बना लिया। कर्मी विष्णु कुमार की कनपटी पर पिस्टल सटाकर धक्का देते हुए कैश मांगने लगा। सभी को एकसाथ खड़ा कर दीवार की तरफ मुंह करवा दिया। विरोध करने पर मारपीट भी की।

काउंटर पर कैश रखा हुआ था। पहले तो सभी सामान को बिखेर दिया। फिर काउंटर और गल्ला से कैश उठाकर रख लिया। सभी को गोदाम के अंदर लेकर जाकर बाहर से शटर बंद कर भाग निकले। संचालक के भाई ने बताया कि अंदर में एक मोबाइल था, लेकिन वह डिस्चार्ज था।

ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहरों को संयोये है वाणावर पहाड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। वाणावर पहाड़ की वादियों में अनेक पर्वत श्रृंखलाएं हैं, जो प्राकृतिक छटा बिखेर रही हैं। ये श्रृंखलाएं विभिन्न धर्मों के पौराणिक स्थलों को अपने में समेटे हैं, जो पर्यटन का केंद्र बना है। देशी एवं विदेशी पर्यटक आए दिन बड़ी संख्या में धार्मिक आस्था लिए आते हैं और प्राकृतिक धरोहरों का आनन्द लेते हैं। श्रावण माह में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ जाती है। पहाड़ों पर बिखरी हरियाली पर्यटकों के विशेष आकर्षित करती है।

वाणावर पहाड़ को मगध का हिमालय कहा जाता है। यह दर्जा स्थानीय लोगों ने दे रखा है। वाणावर पर्वत श्रृंखला के मुख्य शिखर पर द्वापर कालीन शिवलिंग स्थापित है, जो बाबा सिद्ध नाथ के नाम से विख्यात है। जिनके दर्शन को दूर-दूर से श्रद्धालु अपने मनोरथ को पूरा करने के लिए आते हैं।

खासकर श्रावण मास में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। इनकी महत्ता को देखते हुए यहां सरकार के विकास की कई योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

इस पर्वत श्रृंखला पर 24 करोड़ की लागत से रोप-वे का निर्माण कराया जा रहा है। कार्य मंथर गति से चल रहा है। एक दूसरे पर्वत पर सम्राट अशोक काल के शिलालेख एवं सात मानव निर्मित गुफाएं

हैं। इन गुफाओं का निर्माण आजीवक सम्प्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के रहने के लिए करवाया गया था।

बनावट ऐसी है कि हजारों साल उपरांत गुफा के दीवारों की चिकनाई जस की तस है। पूरा गुफा इको है। आज भी है। इन धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल पर एक म्यूजियम है। पर्यटक इसे देखना नहीं भूलते हैं। एक अन्य पर्वत श्रृंखला कौआकोल के नाम से प्रचलित है। इसके तलहटी में तीन धर्मों का समागम है। तलहटी के दक्षिणी भाग में पीपल वृक्ष के नीचे भूमि स्पर्श मुद्रा में काले पत्थर का विशाल भगवान बुद्ध की मूर्ति है। बीच में हर-हर गौरी है। इसके उत्तरी भाग में एक मजार अवस्थित है।

ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के अलावा प्राकृतिक धरोहरों के कारण लोग इसे प्रमुख पिकनिक स्पॉट बना चुके हैं। इन स्थलों के भ्रमण से लोग शांति की एक अनुभूति करते हैं।

जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग द्वारा यहां हर समुचित प्रबंध किया गया है। पर्यटक थाना, विश्राम गृह एवं जलपान गृह की व्यवस्था है। यहां पहुंचने के लिए मुख्यतः दो सड़क मार्ग है। डोभी-पटना सड़क मार्ग पर अवस्थित बेलागंज या मखदुमपुर से लगभग पंद्रह किलोमीटर पूरब जाना पड़ता है। गया-पटना रेलखंड के बेला स्टेशन पर पर्यटक यहां पहुंच सकते हैं।

उधार दिया पैसा मांगने पर ट्रैक्टर से कुचला, मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। बेतिया पुलिस जिला के सिरिसिया थाना क्षेत्र के गरभुआ बाबूटोला गांव में रविवार की सुबह करीब 9:30 बजे उधार पैसे मांगने के विवाद में जयप्रकाश यादव ने अपने ही गांव के हृदय किशोर मिश्र (45) को ट्रैक्टर से कुचल दिया। उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि घटना के बाद जीवित होने की उम्मीद में स्वजन उन्हें आनन फानन में गवर्नमेंट मेडिकल कालेज अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना से गुस्साए लोग अस्पताल से बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव लेकर गांव लाने और सड़क जाम करने की तैयारी करने लगे। सूचना पर एसडीपीओ विवेक दीप अस्पताल में पहुंचे। कुछ देर के बाद सांसद डा. संजय जायसवाल भी अस्पताल में आए। स्वजन आरोपितों की गिरफ्तारी होने तक शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। स्वजनों ने कहा कि जब तक आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं होगा। काफी समझाने बुझाने के बाद स्वजन शांत हुए। तब शव का पोस्टमार्टम कराया जा सका।

सांसद और एसडीपीओ ने स्वजनों को न्याय का आश्वासन दिया। मृतक के बड़े भाई विपिन मिश्र ने बताया कि हृदय किशोर मिश्र रविवार की सुबह अपने दरवाजे पर खड़े थे। गांव के जयप्रकाश यादव खेत की जुताई कर अपना ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहा था। हृदय किशोर मिश्र पूर्व में करीब 14 लाख रुपये जयप्रकाश यादव को उधार दिए थे। घर से करीब 20 मीटर की दूरी पर हृदय किशोर मिश्र ने ट्रैक्टर चला रहे जयप्रकाश यादव को रोका। उन्होंने पूर्व में उधार दिया हुआ रुपये वापस मांगा। रुपये मांगना जयप्रकाश को नागवार गुजरा। उसने ट्रैक्टर से उतर हृदय किशोर मिश्र पर कुदाल से हमला कर दिया। जिससे वे घायल होकर सड़क पर गिर गए। फिर मौके पर पहुंचे जयप्रकाश का पुत्र विशाल यादव व अन्य ने हृदय किशोर मिश्र को ट्रैक्टर से कुचल दिया।

बिहार की बेटियां बन रही 'सक्षम', दीक्षांत समारोह में मिला प्रमाण पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। बिहार के वैशाली (हाजीपुर) में आज 'सक्षम परियोजना' के तहत प्रशिक्षित महिलाओं का दीक्षांत समारोह और नई प्रशिक्षण बैच का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह महिला-केंद्रित कौशल विकास पहल हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के सहयोग से और ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा संचालित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि चिराग पासवान, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उनके साथ स्थानीय विधायक अवधेश सिंह, विवेक कुमार, एमडी व सीईओ, विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,

जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, हीरो मोटोकॉर्प और एएसडीसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ऑटोमोटिव टेली कॉलिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल सर्विस असिस्टेंट और ऑटोमोटिव सेल्स एग्जीक्यूटिव जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही नए बैच का स्वागत भी किया गया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि इन बेटियों को कौशल प्रशिक्षण और सर्टिफिकेट के बाद प्लेसमेंट बदलते बिहार की तस्वीर है। भारत सरकार के स्किलिंग पहल का नतीजा है कि महिलाएं उन क्षेत्रों में कदम रख रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। एएसडीसी के पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में ग्रामीण स्तर पर भी बहुत मौके है। इलेक्ट्रिक व्हीकल के आने से यह मौके और बढ़ रहे हैं। उन्होंने आने वाले वक्त में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू करने का विचार रखा। एएसडीसी के वाइस प्रेसिडेंट विनकेश गुलाटी ने परियोजना के बारे में बताते हुए कहा कि सक्षम एक परिवर्तनकारी पहल है जो ऑटोमोटिव क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करता है। पहले चरण में 4,113 महिलाओं को प्रशिक्षित, 3,716 का मूल्यांकन और 3,555 महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए जा चुके हैं। पर इसकी असली सफलता उन जीवनों में दिखती है जो इससे बदले हैं।

उन्होंने बताया कि सक्षम फेज-2 की शुरुआत हो चुकी है जिसमें देशभर में 20,000 महिलाओं को 8 प्रमुख ऑटोमोटिव जॉब रोल्स में प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। अब तक 4848 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका हैं। जैसे-जैसे सक्षम परियोजना भारत के विभिन्न हिस्सों में विस्तार पा रही है, यह महिलाओं के लिए न केवल रोजगार बल्कि आत्मनिर्भरता और समानता का प्रतीक बनती जा रही है। सक्षम यह संदेश देता है—जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तब देश आगे बढ़ता है।

दरभंगा में ननौरा-मोहम्मदपुर पथ के चौड़ीकरण हेतु 25.55 करोड़ स्वीकृत : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि दरभंगा जिले के पथ प्रमंडल अंतर्गत ननौरा से मोहम्मदपुर तक के पथ के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की योजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत की गई है। इसके तहत कुल 6.84 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस योजना के लिए 25.55 करोड़ (25 करोड़ 55 लाख 24 हजार) रुपये की राशि स्वीकृत दी गई है। श्री चौधरी ने बताया कि बिहार में एनडीए सरकार द्वारा पथ निर्माण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। यही वजह है कि 2005 के बाद बीस सालों में राज्य की सड़कों का बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है। उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि यह सड़क न केवल स्थानीय लोगों के लिए आवागमन को आसान बनाएगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वर्तमान में यह मार्ग संकरा है जिससे आवागमन में बाधा आती है। इसके चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से जहां यातायात सुगम होंगे वहीं रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

यदि भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा तो पहला राज्य बिहार होगा : धीरेन्द्र शास्त्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिंदू एकता की ओर से पटना के गांधी मैदान में आयोजित सनातन महाकुंभ में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने रविवार को कहा कि यदि भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, तो पहला राज्य बिहार होगा। 'सनातन महाकुंभ' को संबोधित करते हुए उन्होंने हिंदुओं को एकजुट रहने की अपील की। धीरेंद्र शास्त्री ने जात-पात से ऊपर उठने का संदेश देते हुए कहा कि राष्ट्रवाद के लिए जीना आवश्यक है अन्यथा राष्ट्र विरोधी ताकतें सक्रिय होंगी। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें गजवा-ए-हिन्द बनाना चाहती हैं, लेकिन हमारा एक ही सपना है कि भगवा-ए-हिन्द होना चाहिए। हमें किसी विरोधियों से दिक्कत नहीं है, हमें उन हिन्दुओं से दिक्कत है जो जाति के नाम पर लड़ाते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमारी एक ही प्रार्थना है, हिंदुओं को घटने मत देना। हिंदुओं को बंटने मत देना। हिंदुओं जात-पात से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद के लिए जीना। उन्होंने कहा कि हमें मुसलमान, ईसाई से कोई दिक्कत नहीं। जातियों के नाम पर लड़ाने वाले हिंदुओं से दिक्कत। धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि अगर भारत हिंदू राष्ट्र होगा तो पहला राज्य बिहार होगा। इसलिए हमारा एक ही सपना है कि भगवा-ए-हिन्द होना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता का जोरदार आह्वान करते हुए कहा कि सनातन खतरे में नहीं है, लेकिन बार-बार सनातन पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने बिहार को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि तड़ित पालि मठ में 12 लाख से अधिक लोगों ने उनकी कथा सुनी जो विश्व रिकॉर्ड है। धीरेन्द्र शास्त्री ने बिहार को मां सीता, शिक्षा और नीति की भूमि करार देते हुए कहा कि बिहार का कर्ज हम कभी नहीं भूल सकते। उन्होंने बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद सनातन हिंदू एकता पदयात्रा की घोषणा की, ताकि इसे राजनीति से जोड़ने का आरोप न लगे। यह पदयात्रा दिल्ली से वृंदावन तक 7 नवंबर से शुरू होगी जिसके बाद बिहार में भी ऐसी यात्रा होगी। धीरेंद्र शास्त्री का यह कदम हिंदू एकता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा संदेश देता है। उन्होंने कहा कि 'हम घात नहीं प्रतिघात करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि 'हमारा सपना भगवा-ए-हिंद' है। वहीं, स्वामी रामभद्राचार्य ने मंच से सीतामढ़ी में सीता मंदिर निर्माण का संकल्प दोहराते हुए कहा कि जो वंदे मातरम कहेगा, वही भारत में राज करेगा। इस आयोजन में देशभर से साधु-संतों और लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने इसे धार्मिक और सामाजिक एकता का प्रतीक बनाया। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि बिहार सत्ता हिंदू विरोधियों को नहीं सौंप सकता है। मालूम हो कि 'सनातन महाकुंभ' का आयोजन भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्णता के अवसर पर किया गया है और इसका नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे कर रहे हैं।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समापन अवसर पर सनातन महाकुंभ में शामिल हुए मंत्री डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान में श्री राम कर्मभूमि न्यास एवं अखिल विश्व परशुराम महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव समापन समारोह एवं सनातन महाकुंभ कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ0 प्रेम कुमार ने भाग लिया। साथ ही उन्होंने जगतगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लिया एवं बिहार की पावन धरा पर बागेश्वरधाम पीठ के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का पटना हवाई अड्डे पर स्वागत अभिनंदन किया। इस आयोजन के सफलता के लिए पूर्व मंत्री भारत सरकार संस्थापक न्यासी, श्री राम

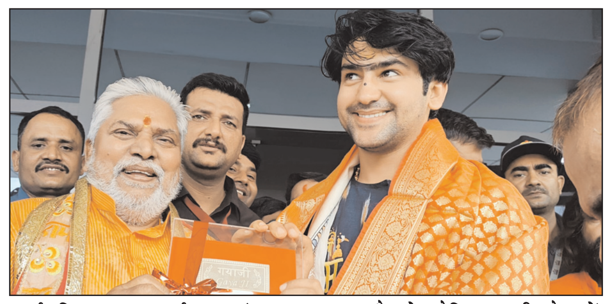

कर्मभूमि न्यास कार्यक्रम संरक्षक अश्विनी कुमार चौबे जी को बधाई दी। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से सनातन संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्यों एवं शाश्वत विचारधाराओं का प्रचार-प्रसार होता है। यह महाकुंभ भारतीय संस्कृति की उस अद्भुत मिशाल को प्रस्तुत करता है जो भौतिकता की दौड़ में लगे विश्व को शास्त्र और शस्त्र, दोनों के संतुलन का संदेश देता है। मंत्री ने कहा कि आज जब दुनिया आर्थिक व सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में लगी है, भारत एक ऐसी सांस्कृतिक और बौद्धिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है जिसने अपने ज्ञान, विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, चिकित्सा, व्याकरण और कला से पूरे विश्व को समृद्ध किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री भारत की सांस्कृतिक धरोहर को विश्वपटल पर पुनर्स्थापित करने के कार्य में निरंतर प्रयासरत हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भगवान परशुराम सामाजिक समरसता, शक्ति और सेवा के प्रतीक हैं। आज का यह महाकुंभ एक ऐसा मंच है जो विश्व में शांति, समरसता और परहित के मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'नर में नारायण' जैसे सनातन सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर बल दिया।

मुहर्रम पर ताजिया लेकर राबड़ी आवास पहुंचे मुस्लिम समुदाय के लोग

वे हाथों में लाठी, भाला और तलवार लेकर राबड़ी आवास के पास जमा हुए थे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुहर्रम के मौके पर रविवार को बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ताजिया लेकर राबड़ी आवास पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ ताजिया की पूजा की। इस धार्मिक आयोजन में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव भी मौजूद थे। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग हाथों मे लाठी और भाला लेकर राबड़ी आवास के पास जमा हुए थे। राबड़ी आवास में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने लालू के सामने हथियारों के करतब भी दिखाए। लालू यादव आवास के बाहर कुर्सी पर बैठकर अखाड़े के करतबों का आनंद ले रहे थे। अखाड़ा दल ने लाठी चलाकर पारंपरिक युद्ध कौशलेंद्र का प्रदर्शन किया जिसे देखकर लालू यादव ने उन्हें

उत्साहित किया। राबड़ी देवी के साथ उनकी दोनों बेटियां रागिनी यादव और हेमा यादव भी इस आयोजन में शामिल थी। दोनों ने ताजिया के समक्ष माथा टेका और अखाड़े के सदस्यों को प्रसाद वितरित किया। बताया जाता है कि यह परंपरा दशकों पुरानी है। जब लालू प्रसाद मुख्यमंत्री थे तभी से मुहर्रम के अवसर पर ताजिया जुलूस उनके आवास पहुंचता रहा है। राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी यह परंपरा जारी रही और आज भी हर वर्ष ताजिया उनके आवास पर श्रद्धा के हाथ में लाया जाता है। ताजिया जुलूस और अखाड़ा देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग 10 सर्कुलर रोड के बाहर इकट्ठा हुए थे। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे जिससे आयोजन शांति ओर सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ताजिया की पूजा-अर्चना के बाद जुलूस आगे के गंतव्य की ओर रवाना हो गया। दरअसल, मुहर्रम का महीना इस्लामिक कैंलेडर का पहला महीना होता है। मुस्लिम धर्म को मानने वाले दुनिया भर में मुहर्रम मनाते हैं। शिया समुदाय के लोग पूरे माह पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे की शहादत को याद कर गमी करते हैं। हर साल की तरह इस साल भी इमाम हसरत हुसैन की शहादत पर ताजिया जुलूस लेकर शोक जताने लोग राबड़ी आवास पहुंचते थे। लेकिन अब यह सवाल उठ रहा है कि कैसे तलवार और लाठी लेकर लोग वीवीआईपी और प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गए।

अधिकारियों के तबादलों को लेकर जदयू विधायक डॉ संजीव कुमार ने उठाया सवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू के विधायक डॉ संजीव कुमार ने बिहार में हाल के महीनों में हुए अधिकारियों के तबादलों को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि आईएएस, आईपीएस हो या अन्य श्रेणी के अधिकारियों के तबादले में कुछ को 4 महीने तो कुछ को 6 महीने की छोटी अवधि में ही स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे तबादलों से विकास कार्य बाधित होता है। इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिट्ठी भी लिखी है। डॉ संजीव कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे पत्र में कहा है कि बिहार सरकार के नियमानुसार किसी भी सरकारी कर्मी /अधिकारी का ट्रांसफर और पोस्टिंग कम से कम 3 साल के उपरांत ही होता है। कुछ ट्रांसफर पोस्टिंग विशेष परिस्थितियों के कारण भी किया जाता है। उन्होंने बताया है कि ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा खगड़िया जिले के कार्यपालक अभियंता रामानुज कुमार, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल गोगरी को मात्र चार माह के संतोषप्रद कार्यकाल के दौरान ही ट्रांसफर कर अन्यत्र पदस्थापित किया जा रहा है। संजीव कुमार ने चिंता जताते हुए कहा कि इनके जाने से चुनावी साल में चल रही योजनाओं को ससमय कार्य पूर्ण होने में कठिनाई होगी। चार माह के ही कार्यकाल में इनका स्थानांतरण होना सोचनीय विषय है। दरअसल, यह कोई इकलौता मामला नहीं है जिसमें नौकरशाहों का बार बार तबादला हुआ हो या कुछ महीने में ही नई पोस्टिंग दी गई हो। हाल ही में पटना में एसएसपी का तबादला हुआ। आईपीएस अवकाश कुमार को पटना एसएसपी से हटाकर बीएमपी भेज दिया गया है। आईपीएस अवकाश कुमार केवल 6 महीने ही पटना के एसएसपी बनकर रह सके। अवकाश कुमार दिसंबर 2024 में पटना के एसएसपी बनाए गए थे। अब कार्तिकेय शर्मा को नए एसएसपी की जिम्मेदारी मिली है। इसी तरह कई अन्य अधिकारियों का नाम इस तरह के कम अवधि के तबादले वाली सूची में शामिल है। ऐसे में अब जदयू विधायक संजीव कुमार ने अपनी ही सरकार में हो रहे इस प्रकार के कम अवधि में नौकरशाहों के तबादले पर बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने पत्र की प्रतियां मुख्य सचिव और आरडब्ल्यूडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भेजी है। साथ ही उन्होंने कथित रूप से कई अन्य ऐसे मामलों का भी जिक्र किया जिसमें बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड में एक साथ सैंकड़ों इंजीनियरों का ट्रांसफर करना और यहां तक कि 3 महीने में ही दोबारा तबादला करने पर चिंता जताई है।

राज्य के प्रत्येक प्रखंड से एक-एक विशेष उत्पाद का होगा चयन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य सरकार ने अपने क्षेत्र विशेष के खास उत्पादों को चिन्हित कर विशिष्ट पहचान दिलाने की कवायद शुरू कर दी है। इन उत्पादों को चिन्हित करने के लिए सभी जिलों को खासतौर निर्देश दिए गए हैं। उद्योग विभाग की तरफ से ये निर्देश सभी जिला महाप्रबंधकों को भेजे गए हैं। सभी को जिलों को 10 दिनों के अंदर इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर भेजनी है। प्रत्येक प्रखंड के मुख्य उत्पाद मसलन कृषि आधारित उत्पाद, वस्त्र एवं चर्म, कला एवं शिल्प, व्यवसायी, उद्यमी समेत ऐसे अन्य सभी तरह के उत्पादों की पहचान कर उनकी खासियतों का विस्तृत विवरण तैयार कर इनकी पहचान की जाएगी। इसके बाद इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। केंद्र सरकार की एक जिला एक उत्पाद की परिकल्पना को अमलीजामा पहनाने के लिए राज्य के उद्योग विभाग ने यह पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य प्रत्येक जिले को उस उत्पाद के प्रचार के माध्यम से निर्यात केंद्र में परिवर्तित करना है जिसमें वह जिला विशेषज्ञता रखता है। इस योजना के अंतर्गत विनिर्माण को बढ़ाकर स्थानीय व्यवसायों, निदेशकों समेत अन्य को समर्थन प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इसी परिकल्पना को आकार देने के लिए बिहार में भी एक प्रखंड, एक उत्पाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मामले में उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा का कहना है कि भारत सरकार के इस प्रयास से हर जिले की विशिष्ट पहचान सामने आएगी और इसके साकारात्मक परिणाम भी दिख रहे हैं। बिहार में भी हर प्रखंड में कुछ न कुछ विशेष है। इन्हें चिन्हित करके इन उत्पादों की पहचान की जाएगी जिससे प्रखंड की पहचान भी होगी और उत्पाद को खासतौर तवज्जों मिलेगा। सभी जिलों से 10 दिनों में ऐसे उत्पादों को चिन्हित कर सूची मांगी गई है। इसके आधार पर कार्ययोजना तैयार कर इन्हें लागू किया जाएगा।

राज्य में 11 हजार से अधिक लोगों ने ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस बनवाए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में वाहन चलाने के लिए घर बैठे ऑनलाइन ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) और लर्निंग लाइसेंस (एलएल) बनवाने की उपलब्ध कराई गई सुविधा लोगों को रास आने लगी है। लोग तेजी से इस ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठाने लगे हैं। हालांकि अभी भी ऑफलाइन तरीके से लाइसेंस बनाने वालों की संख्या ऑनलाइन वालों की तुलना में अधिक है। परिवहन विभाग लोगों को कुल 46 तरह की फेसलेस सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध करा रहा है जिससे लोगों के समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष जनवरी से जून माह के बीच कुल 11 हजार 580 लोगों ने ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस हासिल किए हैं। ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस बनवाने के मामले में पश्चिमी चंपारण जिला (बेतिया) चार हजार 458 लोगों के साथ पहले स्थान पर है। जबकि एक हजार 179 एलएल के साथ पटना जिला दूसरे और एक हजार 104 एलएल के साथ सीतामढ़ी जिला तीसरे स्थान पर है।

राज्य में ऑफलाइन तरीके से भी डीएल और एलएल बनाने की सुविधा है। पिछले छह महीने में कुल तीन लाख 52 हजार 519 लोगों ने एलएल लिया है जिसमें सबसे अधिक 40 हजार एलएल मुजफ्फरपुर जिले के लोगों को निर्गत किया गया है।

एनडीए ने बिहार को क्राइम कैपिटल बनाया

व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड पर बोले देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सूबे की राजधानी पटना में चर्चित व्यवसायी चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में रोटरी इंटरनेशनल क्लब के शीर्ष आईओएल गोपाल खेमका के गांधी मैदान स्थित आवास के बाहर अपराधियों द्वारा हत्या किए जाने के बाद देश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट करके गहरा रोष जताया है। उन्होंने हाल में नालंदा के दौरे पर बिहार को एनडीए राज में देश का 'क्राइम कैपिटल' बताया था और यह बात सच साबित होती दिख रही है। देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने संदेश में मृत गोपाल खेमका के परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा है कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है - भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को 'भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहाँ डर नहीं, तरक्की हो। साथ ही उन्होंने बिहार के आम मतदाताओं को आह्वान किया है कि इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने के लिए करना होगा। बताते चले कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल में ही अपने बिहार के नालंदा दौरे पर सूबे के भाजपा जदयू सत्ता के सरपरस्ती में अनियंत्रित अपराध पर हमलावर होकर बिहार को 'देश की अपराध की राजधानी' बताया था और उन्होंने नीतीश भाजपा के शासन काल को गुंडाराज की संज्ञा भी दी थी।

सेव अर्थ मिशन का ग्लोबल विजन लॉन्च, 60 देशों में होगा वृक्षारोपण अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित एक ऐतिहासिक समारोह में सेव अर्थ मिशन ने अपने महत्वाकांक्षी 'ग्लोबल विजन' अभियान की औपचारिक शुरुआत की। यह मिशन दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता पर्यावरणीय आंदोलन है, जो अगस्त 2025 से 60 से अधिक देशों में एक साथ विशाल वृक्षारोपण अभियान चलाएगा। कार्यक्रम में दुनियाभर के जलवायु विशेषज्ञ, सरकारी प्रतिनिधि, पर्यावरणविद, छात्र और नवप्रवर्तक शामिल हुए। सेव अर्थ मिशन के अध्यक्ष संदीप चौधरी ने इस अभियान को 'एक वैश्विक क्रांति' करार दिया। उन्होंने कहा 'हम सिर्फ पेड़ नहीं, आशा बो रहे हैं। यह अभियान टोक्यो के स्कूलों से लेकर न्यूयॉर्क के पार्कों और हिमालय के गांवों से लेकर दुबई के रेगिस्तानों तक चलेगा। सेव अर्थ मिशन ने पहले भी एक घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। अब मिशन का लक्ष्य 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाना है। इस लक्ष्य को पाने के लिए महाद्वीपों में फैले स्वयंसेवकों को सक्रिय किया जाएगा। कार्यक्रम में इंटरनेशनल एडवाइजर-कॉर्पोरेट अफेयर्स, डॉ. अजय देसाई ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यह अभियान न सिर्फ हरियाली बढ़ाएगा, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी लाएगा। सेव अर्थ मिशन का यह अभियान नेट जीरो भविष्य की ओर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

कैथी लिपि के अभिलेखों का देवनागरी में होगा अनुवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की समृद्ध विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक पहल की गई है। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन (डीआईबीडी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके तहत एआई के माध्यम से कैथी लिपि में लिखे गए पुराने अभिलेखों का देवनागरी में लिप्यंतरण किया जाएगा। यह एमओयू डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह की ओर से हस्ताक्षरित किया गया। मुख्य सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि ये बेहद ही सराहनीय शुरुआत है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अपने विभाग की समस्या को ध्यान में रखते हुए इस पर बड़ी पहल की है। ये भविष्य में सभी विभागों के लिए एक अच्छा कदम साबित होगा। सभी विभाग भाषिणी के माध्यम से कनेक्ट हो सकेंगे। इसके साथ ही शिक्षा, समाज कल्याण, पर्यटन विभाग को इस सुविधा का इस्तेमाल कर लाभान्वित होने का पूरा मौका है। मुख्य सचिव ने कहा कि भाषिणी के साथ सहयोग बिहार सरकार के कई विभागों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। प्रशासनिक एवं अन्य समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान निकाले जा सकते हैं। कैथी लिपि में बहुत सारे रिकॉर्ड्स हैं जिसे पढ़ने के लिए काफी मुश्किलातों का सामना करना पड़ता है। रिटायर्ड कर्मियों पर विभागों की आज भी निर्भरता रहती है, लेकिन आशा है कि इस तकनीक के माध्यम से अब ये खत्म होगी और लोगों की क्षमता विकसित हो सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने पाली के स्क्रिप्ट को हिन्दी और अंग्रेजी में रुपांतरित करने पर भी जोर दिया। साथ ही बिहार स्पेसिफिक हैकथॉन लॉन्च कराने का भी निर्देश दिया।

वहीं, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल विशेष सर्वेक्षण की वर्तमान प्रक्रिया में भी सहायक होगी क्योंकि अधिकतर पुराने कैडस्ट्रल एवं पुनरीक्षण सर्वे अभिलेख कैथी लिपि में हैं जिन्हें पढ़ने में काफी कठिनाई हो रही है। वहीं, डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग ने कहा कि भाषा किसी भी चीज में बाधा न रहे, इस पर जोर दिया जा रहा है। सभी को अपनी भाषा में लिखना-पढ़ना और बोलना आना चाहिए। यह पहल न केवल ऐतिहासिक ज्ञान को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है बल्कि इसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से अधिक सुलभ भी बनाएगी। बिहार का नेतृत्व प्रशंसनीय है। एमओयू कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. राजेंदर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा समेत सभी विभागों के एसीएस/पीएस/सचिव सहित राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद राजस्व सर्वे प्रशिक्षण संस्थान में डीआईबीडी की तरफ से राज्यम कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञों, अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के कर्मियों ने भाग लिया। कार्यशाला में ज्ञान साझा करने, क्षमता निर्माण और भाषिणी के भाषा प्रौद्योगिकी ढांचे को राज्य विभागों में एकीकृत करने की योजना पर चर्चा की गई। कार्यशाला में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि भाषिणी ने कैथी लिपि के अभिलेखों की देवनागरी में अनुवाद पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि दूसरे विभाग भी इनका लाभ उठा सकते हैं। भाषिणी हमारी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में भी काफी मददगार साबित हो सकती है। उन्होंने पाली के आलेखों को हिन्दी में रुपांतरित करने पर बल दिया। इस कार्यशाला में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह, सीआईडी के एडीजी पारसनाथ, भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक जे. प्रियदर्शिनी, विशेष सचिव अरुण कुमार सिंह, डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग समेत कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

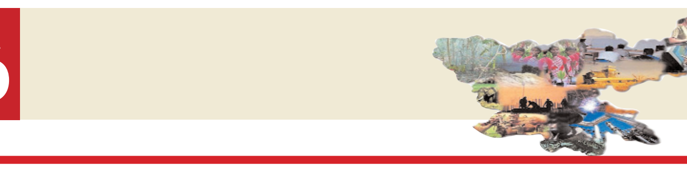

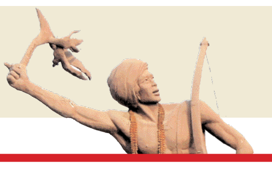

संपादकीय

मतदाता सूची सुधार अभियान कहीं लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन न बन जाए

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए होने वाले चुनाव में सभी वैध मतदाताओं को मतदान का अधिकार होना चाहिए और नियम के मुताबिक अपात्र लोगों को मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए। इस दृष्टि से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश के मायने समझे जा सकते हैं। सवाल है कि अगर इस सूची को दुरुस्त करने के क्रम में किसी मजबूरी या अन्य परिस्थितियों की वजह से वैसे लोग भी मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, जो वास्तव में इसके हकदार हैं, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी। यह सही है कि समय-समय पर अलग-अलग वजहों से अपात्र हो चुके लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की जरूरत होती है। लेकिन अब नई परिस्थितियों में जिस तरह चुनाव आयोग ने सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया की शुरुआत की है, उसमें इस बात की आशंका खड़ी हो गई है कि क्या इसमें बड़ी तादाद में वैसे लोग भी मतदान के लिए अपात्र करार दिए जाएंगे, जिनके पास आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज किन्हीं वजहों से उपलब्ध नहीं हैं! मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं। आयोग की ओर से इस सूची में बने रहने के लिए जिन स्वीकार्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, बिहार के बहुत सारे लोगों को लिए यह एक बेहद मुश्किल काम होगा। ऐसे लोगों की भी संख्या अच्छी-खासी होगी, जिनके पास खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे और अगर वे इन्हें नए सिरे से बनवाने के काम में लगेंगे तो इसके लिए समय की जरूरत होगी। जबकि बिहार में अक्तूबर में ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए महज एक माह का समय दिया गया है। स्वाभाविक ही इस समय के चुनाव पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए जो अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, अगर उसमें शामिल होने के पात्र लोग किन्हीं वजहों से छूट गए, तो उनके दावों और आपत्तियों को निपटाने के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी? यह छिपा नहीं है कि बिहार में एक बड़ी आबादी ऐसे गरीब और कम शिक्षित लोगों की है, जिनके पास सरकार की ओर से जारी आधिकारिक दस्तावेज नहीं होंगे। खासतौर पर जन्म पंजीकरण के मामले में काफी पीछे रहने की वजह से बहुत कम लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र हैं। हालांकि हाशिये के समुदायों के ज्यादातर लोगों की पहुंच आधार और राशन कार्ड तक है, जिनकी मांग आमतौर पर हर चीज के लिए की जाती है। मगर यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से इन्हें स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखा गया है। निर्वाचन आयोग की ओर से भले ही यह कहा जा रहा है कि ज्यादातर लोगों को ताजा दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन जितनी बड़ी संख्या में लोग इस दायरे में आएंगे, उनके लिए भी निर्धारित दस्तावेज जमा करना आसान नहीं होगा।

1946 में वह संविधान सभा के सदस्य बने।1947 से 1950 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे तथा हिन्दू हितों की अनदेखी के कारण नेहरू-लियाक़त समझौते के विरोध में मंत्रिमंडल से 8 अप्रैल 1950 को त्यागपत्र दे दिया और 21 अक्टूबर,1951 को अखिल भारतीय स्वरुप के %भारतीय जनसंघ, नामक दल का गठन किया। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की विभाजनकारी नीतियों और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के उभार से जो जहर भारतीय शासन व्यवस्था में व्याप्त हो रहा था, डॉ. मुखर्जी ने उनसे निपटने का वैचारिक एवं क्रियात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किया। डॉ. मुखर्जी पिछड़े वर्गों के आधार पर संरक्षण के अतिरिक्त धार्मिक आधार पर किसी भी विशेष संरक्षण या भेदभाव के प्रबल विरोधी थे।

राष्ट्रीय एकीकरण के नायक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी

(डॉ. कुलवीर सिंह चौहान)

6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी व योगमाया देवी के सुयोग्य पुत्र के रुप में कोलकाता में जन्मे डॉ. मुखर्जी में सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं, वैज्ञानिक एवं अकादमिक अभिरुचियों के प्रति गहरा लगाव था। परतंत्र और स्वतंत्र भारत की राजनीति को सम्यक दिशा देकर भाषायी एवं क्षेत्रीय अस्मिताओं के दायरे से बाहर निकालकर देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान था। 6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी व योगमाया देवी के सुयोग्य पुत्र के रुप में कोलकाता में जन्मे डॉ. मुखर्जी में सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं, वैज्ञानिक एवं अकादमिक अभिरुचियों के प्रति गहरा लगाव था।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मात्र 23 वर्ष की अवस्था में वह कलकत्ता विश्वविद्यालय की सीनेट के फैलो बनाए गए थे। 1934-38 के अवधि में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा (33 वर्ष की अवस्था) और सफल कुलपति होने का गौरव भी उन्होंने प्राप्त किया। यह बंगाल ही नहीं अपितु विश्व के किसी भी देश के विश्वविद्यालयी इतिहास में सबसे युवा कुलपति बनने का एक कीर्तिमान भी था। इसके पहले 1929 व 1937 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य चुने गए। 1939 में विनायक दामोदर सावरकर की प्रेरणा से हिन्दू महासभा में शामिल हुए तथा 1941 से 1947 तक हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने हिन्दूओं को संगठित करने का बीड़ा उठाया।1946 में वह संविधान सभा के सदस्य बने।1947 से 1950 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे तथा हिन्दू हितों की अनदेखी के कारण नेहरू-लियाक़त समझौते के विरोध में मंत्रिमंडल से 8 अप्रैल 1950 को त्यागपत्र दे दिया और 21 अक्टूबर,1951 को अखिल भारतीय स्वरुप के %भारतीय जनसंघ, नामक दल का गठन किया। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की विभाजनकारी नीतियों और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के उभार से जो जहर भारतीय शासन व्यवस्था में व्याप्त हो रहा था, डॉ. मुखर्जी ने उनसे निपटने का वैचारिक एवं क्रियात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किया। डॉ. मुखर्जी पिछड़े वर्गों के आधार पर संरक्षण के अतिरिक्त धार्मिक आधार पर किसी भी विशेष संरक्षण या भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। वह विभाजन की शर्तों पर स्वाधीनता प्राप्ति के मुखर विरोधी थे।

20वीं शताब्दी का आरम्भ भारत की राजनीति का वह दौर था जिसमें राजनीतिक पराधीनता के साथ वैचारिक अंतर्विरोध और सांस्कृतिक संकट के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे। सारे देश में साम्राज्यवाद के खिलाफ एक तीव्र लहर चल रही थी। भारत द्वितीय विश्वयुद्ध में श्रीहीन व शक्तिहीन हो चुके ब्रिटिश शासनतंत्र की बेड़िया तोड़ने को तीव्रता से आगे बढ़ रहा था। अंग्रेज इस स्थित को भांप कर भारत से विदा लेने के पहले बड़े षड्यंत्र को रच रहे थे। इसी साजिश के तहत अंग्रेजों ने बंगाल, जो भारत की आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना का मुख्य केंद्र रहा था,के विभाजन की कुटिल चाल चली। परंतु इस विद्वेषपूर्ण ब्रिटिश नीति ने राष्ट्वाद की धारा को मंद करने के स्थान पर और तीव्र कर दिया था। स्वाधीनता संघर्ष की परिणति भारत की आजादी थी, किंतु विभाजन की त्रासदी ने देश को गहरी वेदना दी। विभाजन की अनिवार्यता को भांप कर, डॉ. मुखर्जी ने बंगाल, असम व पंजाब के एक बड़े हिस्से को पाकिस्तान के चंगुल में जाने से बचा लिया। डॉ. मुखर्जी के दूरदर्शी प्रयासों से ही सगर-पुत्रों की तपोभूमि, बंकिमचन्द्र, सुभाषचंद्र बोस, विवेकानंद, कवीन्द्र-रवींद्र,बंदा बैरागी,गुरुगोविंद सिंह की पावन धरा पश्चिम बंगाल व पंजाब का पाकिस्तान में विलय होने से बचाया जा सका।

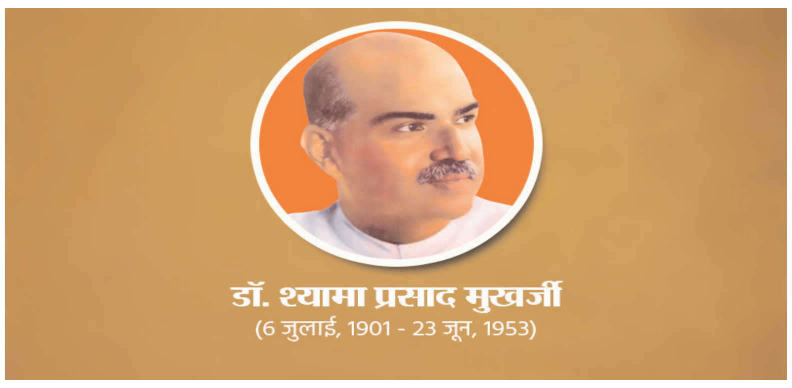

स्वाधीन भारत के पहले मंत्रिमंडल में 15 अगस्त 1947 को वह महात्मा गाँधी के आग्रह और स्वातंर्त्यवीर सावरकर की प्रेरणा से शामिल हुए। यह भी अपने आप में एक रोचक तथ्य है कि कांग्रेस की नीतियों के धुर विरोधी दो विद्वान राजनेताओं डॉ. मुखर्जी व डॉ. अम्बेडकर को उनके नेतृत्व क्षमता, वक्तता कौशल व दूरदर्शी दृष्टिकोण के चलते नेहरु मंत्रिमंडल में उद्योग व आपूर्ति तथा कानून व श्रम जैसे अति महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई। इस विश्वास को कायम रखते हुए उन्होंने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में सार्वजनिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्वी पाकिस्तान में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर लगातर किए जा रहे अत्याचारों व देश में भीषण दंगो के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरु द्वारा पाक प्रधानमंत्री लिकायत अली को भारत में मुस्लिम समस्याओं के संदर्भ में भेजे आमंत्रण प्रस्ताव से खिन्न होकर उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। 16 जनवरी 1951 को आयोजित एक बैठक में पार्टी के घोषणापत्र व संविधान पर चर्चा के बाद ÷भारतीय जनसंघ÷ नामक एक राष्ट्रीय दल के गठन का निर्णय हुआ। 21 अक्टूबर,1951 को जिस दिन नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिंद सरकार का गठन किया था, दिल्ली में चार सौ प्रतिनिधियों के सम्मेलन में इस नवीन संगठन के अध्यक्ष के रुप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को संस्थापक अध्यक्ष घोषित किया गया। कानपुर में जनसंघ के प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलय की मांग का प्रस्ताव रखते हुए कहा था कि एक देश में दो प्रधान,दो विधान व दो निशान-नहीं चलेंगे नहीं चलेंगे। देश में लोकतंत्र को मजबूत करने दलीय एकाधिकार की विसंगतियों को दूर करने के लिए उन्होंने जनसंघ के प्रथम अधिवेशन कानपुर में उड़ीसा के राजनीतिक दल गणतंत्र परिषद् को अधिवेशन में आमंत्रित किया था।प्रथम आम चुनाव में सारे देश से जनसंघ के मात्र 3 सांसद व कुल 17 विधायक (9 बंगाल व 8 राजस्थान से) पार्टी के टिकट पर चुने जा सके। जनसंघ एक नवजात राजनीतिक दल था।इसके बावजूद जनसंघ के घोषणापत्र में चुनाव पूर्व घोषित जमींदारी उन्मूलन की नीति का राजस्थान के जागीरदार विधायकों के विरोध को उन्होंने ठीक न मानते हुए 6 विधायकों को उनके जमींदारी उन्मूलन के जनसंघ के समर्थन का विरोध करने के कारण डॉ. मुखर्जी के निर्देश पर जनसंघ से निष्कासित किया गया था। इससे प्रकट होता है कि सामाजिक न्याय व दलीय अनुशासन के प्रति वह कितने समर्पित राजनेता थे!

जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर उन्होंने आंदोलन किया ही, किन्तु हैदराबाद और जूनागढ़ राज्यों के भारतीय संघ में विलय की बाधाओं को दूर कराने में भी डॉ. मुखर्जी ने सरदार पटेल के साथ मिलकर मंत्रिमण्डलीय बैठकों के निर्णयों को राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में मोड़ने का सफल प्रयास किया। डॉ. साहब इस बात से बहुत व्यथित थे कि देश के नागरिकों को अपने ही देश के एक राज्य में जाने के लिए अनुमति-पत्र/परमिट लेनी पड़ती है। इसीलिए जब देश के दो प्रमुख सांसदों उमाशंकर त्रिवेदी तथा विष्णु घनश्याम देशपाण्डे को बिना परमिट के प्रवेश की अनुमति न देकर गिरफ्तार कर लिया गया तो डॉ. मुखर्जी ने इसे देश के नागरिकों का स्वदेश में अपमान मानते हुए प्रजा परिषद् द्वारा किए जा आंदोलन को समर्थन देने व राज्य में प्रवेश की परमिट व्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से 8 मई को जम्मू-कश्मीर की ओर प्रस्थान किया। 23 जून 1953 को श्रीनगर के एक बंगले में नजरबन्दी के रुप में रहस्यमय परिस्थियों में उनकी मौत ने सारे देश को स्तब्ध कर दिया।

हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड बेंगलुरु, उर्वरक कारखाना, सिंदरी तथा लोकोमोटिव कारखाना, चित्तरंजन, इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन, आल इण्डिया हैण्डीक्राफ्ट बोर्ड, आल इण्डिया हैण्डलूम बोर्ड, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड जैसे संस्थान डॉ. मुखर्जी की औद्योगिक नीति (1948) की देन है। स्वावलंबन व स्वदेशी के मार्ग पर चलकर इस नीति में उन्होंने वस्त्र उद्योग के व्यापक विस्तार की योजना को मूर्त रूप दिया। उसी का यह प्रतिफल है की भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में आज वस्त्र उद्योग की सबसे बड़े उद्योगों में गिनती होती है। भिलाई और राउरकेला में कालांतर में स्थापित इस्पात संयंत्रो की पृष्ठभूमि भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मंत्रित्व काल में ही बनी। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, यूनिवर्सिटीज कालेज आफ साइंस व शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय, कोलकाता जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानो के प्रशासनिक समितियों में रहकर उन्होंने इन संस्थानों की संवृद्धि के भरसक प्रयास किए। 1943 में बंगाल में आए भीषण अकाल के समय पीड़ितो के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर को लिखे गए मार्मिक पत्रों व सामाजिक कार्यकर्ता के रुप में सक्रिय भूमिका के लिए उन्हे आज भी याद किया जाता है। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट की एकता के साथ कभी समझौता नहीं किया। भारतीय भाषाओं के संपोषण का प्रश्न रहा हो अथवा मातृभाषा बांग्ला के प्रति आदर व अनुराग का भाव।वह पूर्ण रुप से भारत व भारतीयता के प्रति समर्पित थे।स्नातक में अंग्रेजी में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने बावजूद अपने पिता सर आशुतोष मुखर्जी की सलाह पर उन्होंने बांग्ला भाषा में एम.ए.किया और विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। डॉ. मुखर्जी द्वारा विज्ञान की शिक्षा बांग्ला में उपलब्ध कराने के लिए वैज्ञानिक शब्दावली का संकलन कराया गया।कलकत्ता विश्वविद्यालय में डॉ. मुखर्जी की पहल पर 1937 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा बांग्ला में प्रथम दीक्षांत भाषण हुआ। चाहे हिन्दी को राष्ट भाषा बनाने की मुहिम रही हो या उर्दू, हिन्दी और बांग्ला जैसी भारतीय भाषाओं के बी.ए. पाठ्यक्रमों को कलकत्ता विश्वविद्यालय में आरम्भ करवाने का निर्णय, डॉ. मुखर्जी ने औपनिवेशिक भाषातंत्र के स्थान पर भारतीय भाषाओं की संवृद्धि व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। वे मानते थे कि प्रत्येक देश को अपनी मातृभाषा में शिक्षा एवं न्याय उपलब्ध होना चाहिए। डॉ. मुखर्जी देश भारत की भाषाई एकता के लिए हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के बीच संयोजन के पक्षधर थे। वह पाश्चात्य शिक्षा के दुष्प्रभावों से परिचित हो चुके थे अतः उनका मानना था कि समाज में सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना भारतीय भाषाओं की एकात्मता से ही हो सकती है।

जब नदियां अविरल बहेंगी, तभी जलभराव थमेगा

(पंकज चतुर्वेदी)

बीते डेढ़ महीने में दिल्ली में कुल चार बार ठीक-ठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही राष्ट्रीय राजधानी ठिठक सी गई। तीन दशकों से सरकारों के लाख दावों के बावजूद हर साल देश में जलभराव वाले शहरों और जगहों की संख्या बढ़ती जा रही है। हालिया आंकड़ों पर गौर करें, तो अकेली दिल्ली में साल 2023 में जहां जलभराव के 308 बिंदु चिह्नित किए गए थे, 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 410 हो गई है। अब तो डूबने का दायरा अतिविशिष्ट कहलाने वाली लुटियन दिल्ली तक बढ़ गया है।

पानी भरते ही दो कारण सबसे पहले गिनाए जाते हैं- एक, इस महीने या इतने कम समय में इतना अधिक पानी कितने वर्षों के बाद बरसा और दूसरा, नालियों की सफाई न होना या सीवर तंत्र का पुराना पड़ जाना। याद रखिए, दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहां से यमुना बह रही थी। इसके जलभराव या फिर इसकी प्यास का एकमात्र इलाज यमुना ही है। हमारे पुरखों ने दिल्ली के हर कोने से जमा जल को यमुना या फिर तालाबों तक पहुंचाने की व्यवस्था की थी, जिसे आधुनिक तंत्र ने उजाड़ दिया। लिहाजा, जलभराव की समस्या का निदान पारंपरिक ज्ञान को फिर से महत्व देने में है।

वैसे, मामला सिर्फ दिल्ली का नहीं है। थोड़ा सा पानी बरसते ही दिल्ली से सटे शहर भी ठिठक जाते हैं। पिछली चार बारिशों में इन शहरों की सड़कें भी दरिया बन गईं और नाले उफन आए। दिल्ली से सटे गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम जैसे शहरों के नामचीन इलाके घुटने-घुटने पानी में डूबे दिखे। उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे हापुड़-खुर्जा हों या हरियाणा का पलवल, सभी पानी-पानी हो गए। ऐसी ही खबरें गोंडा, औरैया, पटना और देहरादून से आ रही हैं। स्मार्ट सिटी घोषित हो गए गोवा की राजधानी पणजी में तो पहली बरसात में ही शहर में तीन-तीन फुट पानी था।

दरअसल, शहरी नियोजन के लिए गठित लंबे-चौड़े सरकारी अमले पानी के जमाव के कारण शहरों के ठहर जाने पर खुद को असहाय पाते हैं। सारा दोष नालों की सफाई न होने, बढ़ती आबादी, घटते संसाधनों और पर्यावरण से छेड़छाड़ पर थोप देते हैं। वैसे, इस बात का जवाब कोई नहीं दे पाता कि इन नालों की सफाई साल भर क्यों नहीं होती और इसके लिए मई-जून का इंतजार क्यों किया जाता है? यह सभी जानते हैं कि दिल्ली में बने ढेर सारे पुलों के निचले सिरे, अंडरपास और सब-वे हल्की बारिश में भी जलभराव के शिकार हो जाते हैं, पर कोई यह जानने का प्रयास नहीं करता कि इनके निर्माण या रखरखाव की वह कौन-सी कमी है?

यह पूरे देश में हुआ है कि जिन जल-तिजोरियों को बरसात की हरेक बूंद को सहेजने के लिए इस्तेमाल किया जाना था, उसे 'रियल एस्टेट' मान लिया गया और कुदरत की नियामत के बरसते ही, बेपानी शहरों की सड़कें, कॉलोनियां पानी से लबालब हो जाती हैं। काश, शहरों की नदियों को अविरल बहने दिया गया होता। उनसे जुड़े तालाबों व नहरों को जीवन दे दिया जाए, तो दिल्ली हो या रांची, इनसे दोगुने बड़े शहरों को पानी देने और बारिश के चरम पर भी हर बूंद को अपने में समेट लेने की क्षमता इनमें है। नदी किनारे बसे शहरों में जलभराव का एक बड़ा कारण गाद और कचरे के कारण नदी का उथला हो जाना है। नदी की जल-ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद (सिल्ट), रेत, सीवरेज, पूजा-पाठ की सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। जब बड़े नाले गाद से बजबजाते हैं, तो शहरों पर जलभराव की चोट दोहरी होती है- चूंकि नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है, इसलिए नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले फिर पलटकर सड़कों को दरिया बना देते हैं।

जान लें, यदि दिल्ली या देश के तमाम बड़े शहरों को जलभराव की समस्या से बचना है, तो उनको सुनिश्चित करना होगा कि उनकी नदियां अविरल बहें और उनकी गहराई व पाट बचे रहें। जलभराव पूरी तरह से मानवजन्य समस्या है। इसका निदान दूरगामी योजनाओं से ही संभव है; यह बात हमारे शहरी नियोजनकर्ताओं को भली-भांति समझनी पड़ेगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होती भारतीय सेना

भारतीय सेना को भविष्य की रक्षा चुनौतियों लिए इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि भूमि से लेकर वायु और समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाईयों तक अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहना पड़े। आज अति आधुनिक ड्रोन से लेकर अविश्वसनीय मारक क्षमता वाली मिसाइलों तक का निर्माण भारत में किया जा रहा है। विगत दिनों ईरान-इजराइल के मध्य संघर्ष के बीच ईरान के शक्तिशाली व मजबूत परमाणु संयंत्रो को नष्ट करने की क्षमता न होने के कारण इजराइल को भी अमेरिका की शरण में जाना पड़ा था। ऐसी ही परिस्थितियों से बचने के लिए भारत अब बंकर ब्लस्टर बम बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा।

(मृत्युंजय दीक्षित)

वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लस्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करक वापस चली आएगी।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से ही भारत अपनी सेनाओं को आत्मनिर्भर, स्वदेशी तकनीक से समृद्ध, सुदृढ़ व सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। भारतीय सेना को भविष्य की रक्षा चुनौतियों लिए इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि भूमि से लेकर वायु और समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाईयों तक अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहना पड़े। आज अति आधुनिक ड्रोन से लेकर अविश्वसनीय मारक क्षमता वाली मिसाइलों तक का निर्माण भारत में किया जा रहा है।

विगत दिनों ईरान-इजराइल के मध्य संघर्ष के बीच ईरान के शक्तिशाली व मजबूत परमाणु संयंत्रो को नष्ट करने की क्षमता न होने के कारण इजराइल को भी अमेरिका की शरण में जाना पड़ा था। ऐसी ही परिस्थितियों से बचने के लिए भारत अब बंकर ब्लस्टर बम बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लस्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करक वापस चली आएगी।

भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं संगठन अग्नि 5 मिसाइल के दो नये एडवांस प्रारूप विकसित कर रहा है जिसमें प्रथम प्रारूप बंकर ब्लस्टर वॉरहेड या विस्फोटक ले जाने वाला होगा जो जमीन के भीतर 80 से 100 मीटर तक जाकर दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करेगा जबकि दूसरा प्रारूप विस्फोटक ले जाने वाला होगा। ये दोनों ही प्रारूप दुश्मन के डिफेंस सिस्टम, न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और हथियार डिपो को ध्वस्त करके वापस लौट आएंगे। अग्नि -5 बंकर ब्लस्टर मिसाइल जमीन, सड़क और मोबाइल लांचर से दागी जाएगी। अग्नि-5 भारत की एक ऐसी मिसाइल है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक निशाना लगा सकती है। इसकी रेंज 5 से 7 हजार किमी तक हैं ये परमाणु हथियार भी ले जा सकती है। भारत का बंकर ब्लस्टर बम अमेरिकी बम से भी अधिक क्षमतावान बनाया जा रहा है।भारत की बंकर ब्लस्टर मिसाइल अमेरिकी बम से अधिक गहराई तक निशाना लगा सकती है। भारत को चीन और पाकिस्तान से पैदा हुए खतरे को देखते हुए ही इस प्रकार की मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है।

भारतीय नौसेना को मिला तमाल- इसी प्रकार ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस अब तक का सबसे घातक आधुनिक स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल अब भारतीय नौसेना में शामिल हो गया है जिसके कारण अब समुद्र में भी भारत की ताकत बढ़ गई है। इस बहुददेशीय अतिआधुनिक युद्धपोत का जलावतरण रूस के केलिनिनग्राद में हुआ। नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल यह युद्धपोत हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तान से लगती सीमा पर निगरानी में भारत की सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। तमाल युद्धपोत विगत दो दशकों में रूस से प्राप्त क्रियाक श्रेणी के युद्धपोतों की श्रृंखला में आठवां युद्धपोत है। यह पूर्ववर्ती संस्करणों की तुलना में अधिक उन्नत है। इसमें लंबवत प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें उन्नत 100 मिलीमी की तोप, मानक 30 मिलीमीटर गन क्लोज -इन हथियार प्रणाली के अलावा आधुनिक समय की प्रणाली अत्यधिक भार वाले टारपीडो तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी, रॉकेट और अनेक निगरानी एवं अग्नि नियंत्रण रडार तथा अन्य प्रणालियां शामिल हैं।

युद्धपोत का नाम तमाल देवताओं के राजा इंद्र की पौराणिक तलवार से लिया गया है। इसकी मारक क्षमता भी उसी तरह तेज, आक्रामक और निर्णायक है। इसका शुभंकर भारतीय पौराणिक कथाओं के अमर भालू जाम्बवंत और रूसी राष्ट्रीय पशु यूरेशियन भूरे भालू की समानता से प्रेरित है। तमाल युद्धपोत का निर्माण रूस के कैलिनिनग्राद स्थित यांतर शिपयार्ड में हुआ है और इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी उपकरण हैं। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह आखिरी युद्धपोत है जो विदेश में बना है अब ऐसा कोई भी युद्धपोत भारत में ही बनेगा जिसके बाद भारत की नौसेना की शक्ति और बढ़ जाएगी। इस युद्धपोत के कुशल संचालन व रखरखाव के लिए 250 नौसेना कर्मियों ने रूस में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह बहु मिशन युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और गैर पारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटने में सक्षम है।

भारत की नोसेना को एक और स्वदेशी युद्धपोत उदयगिरि का उपहार भी मिला है। इस युद्धपोत में सुपरसोनिक सतह से सतह से मार करने वाली प्रणाली लगी है। इसमें 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी की रैपिड फायर गन सहित डीजल इंजन और गैस टर्बाइन युक्त सीओडीजी प्रणाली है। इस 3900 टन वजनी और 125 मीटर लंबे युद्धपोत में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लैस हैं। यह देनों ही युद्धपोत भारत की समुद्री सीमा की सुरक्षा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज भाजपा जिला कार्यालय हरिचक पंचम्बा में जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में सम्मिलित रहा एवं श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर सादर नमन किया।। जिसमें मुख्य अतिथि धनबाद के माननीय सांसद श्री पशुपति नाथ सिंह जी उपस्थित हुए इस दौरान उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवनी को सम्पूर्ण रूप से सुनने का अवसर मिला।कार्यक्रम में प्रदेश ओबीसी प्रवक्ता श्री विनय सिंह जी, पूर्व विधायक श्री जयप्रकाश वर्मा जी, जिला अध्यक्ष श्री महादेव दुबे जी, प्रदेश कार्यकारी सदस्य नूनू लाल मरांडी जी साथ ही भाजपा के कई सम्मानित नेतागण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर जिला के रातू रोड स्थित कार्यालय में आयोजित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 में जन्म जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी एवं हटिया विधायक नवीन जायसवाल उपस्थित रहे। मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर मुखर्जी न सिर्फ शिक्षा विद थे बल्कि उनके दिल में अपने देश के प्रति काफी सम्मान था। आजादी से पहले भी कुलपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे कार्य किये जो इतिहास में आज तक दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने देश के कई हिस्सों में उद्योग स्थापित करने का कार्य किया था, लेकिन एक देश में दो निशान दो संविधान यानी कश्मीर के मामले को लेकर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया और जन संघ की स्थापना की। अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आज डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने वाले भारत को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। आज कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन चुका है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूर दृष्टि का ही आज यह फल है कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और हमें गर्व है कि हम उनके बताएं आदर्शों पर आज देश का विकास कर रहे हैं और विश्व गुरु के रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक बट वृक्ष की तरह है जिनके छांव में आज भारत न सिर्फ विश्व गुरु के रूप में बल्कि नए भारत के रूप में विकसित हो रहा है। हम उनके आदर्शों पर चलते हुए भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प की ओर अग्रसर हैं। वहीं उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर भी प्रकाश डाला

श्रावणी मेले में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारी

दुमका/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दुमका में संताल परगना के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र सिन्हा ने 11 जुलाई से शुरू होने जा रहे श्रावणी मेले में सुरक्षा और यातायात की व्यवस्था की बावत बताया कि इस बार पिछले साल से ज्यादा सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है और सतर्कता बरती जा रही है। राज्य मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गयी है। इसमें डीएसपी आक्र इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों के साथ रेगुलर पुलिस बल के अतिरिक्त स्पेशल फॉर्स केंद्रीय बल, एसटीएफ, एटीएस, जागुवार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, श्वान दस्ता आिद शामिल है। मेला क्षेत्र मे ड्रोन से नजर रखी जायगी। पुलिस मतहानिक्षक ने बताया कि इस बार बासुकिनाथ और देवघर में कांविरयों की संख्या पिछले साल की तुलना में ज्यादा होने की संभावना है। पिछले साल देवघर में 45 लाख भक्त पहुंचे थे। इसके मद्देनजर व्यवस्था की जा रही है। छोड़े और बड़े वाहनों के पड़ाव के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गयी है। देवघर में इस बार ट्रैफिक टीओपी की संख्या 11 से बढ़ा कर 13 कर दी गयी है। श्री सिन्हा ने बताया कि बासुकीनाथधाम से देवघर तक 4-लेन सड़क निर्माण कार्य जारी रहने के कारण इस वर्ष रूट लाइन मे बदलाव किया गयश है। इस बार देवघर से बासुकिनाथ तक आने-जाने का रूट वन-वे किया गया है। देवघर से बासुकीनाथ आने वाले कावरिया को देवघर- मोहनपुर से हँसडीहा-नोनीहाट होकर बासुकीनाथधाम पहुंचना होगा। बहारहाल, दुमका का विश्व प्रसिद्ध बाबा बासुकीनाथ श्रावणी मेला 11 जुलाई से आरंभ होने जा रहा है। एक माह तक चलने वाले इस मेले में देश विदेश से लाखों कांवरिया और शिवभक्त सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेकर देवघर के रास्ते और भागलपुर के बरारी घर से गंगाजल लेकर हंसडीहा के रास्ते बासुकिनाथ पहुंचेंगे। मेले में आने वाले कांवरियों और शिव भक्तों की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। आईजी ने दुमका के डीआइजी, देवघर और दुमका के एसपी और अन्य वरीय पुलिस अधिकारियों के साथ मेले को लेकर कई दौर की बैठकें की हैं, ताकि यहां अपने वाले भक्तों को सेवा और सुविधा के साथ-साथ पर्याप्त सुरक्षा मुहैया करायी जा सके।

नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया स्वच्छता और स्वास्थ्य का संदेश

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वाल्मी में सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक "जल जमाव से रहे सचेत" के जरिए कलाकारों ने आम लोगों को बारिश के मौसम में होने वाली समस्याओं से सतर्क रहने का संदेश दिया. महेश चौधरी द्वारा लिखित और मिथिलेश कुमार पांडे के निर्देशन में हुए इस नाटक की शुरूआत सौरभ राज के स्वरबद्ध गीत "गंदगी से भैया बच के रहिअ, सुनअ बतिया हमार..." से हुई. जिसमें यह दिखाया गया कि शहरी इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था होते हुए भी कुछ लोगों की लापरवाही, जैसे पॉलिथीन और कचरा नालों में फेंकना, किस तरह से जल जमाव और बीमारियों का कारण बनता है, और कैसे साफ-सफाई, उबला पानी, ओ आर एस, हैलोजन टैबलेट, हाथ धोने और ब्लीचिंग पाउडर जैसी छोटी-छोटी सतर्कताएं बड़े खतरे को टाल सकती हैं, नाटक के माध्यम से खुले में शौच से परहेज, मरे हुए जानवरों को गड्ढे में दफनाने और स्वास्थ्यकर्मियों से समय पर संपर्क की अहमियत को भी दशार्या गया, इस प्रभावशाली प्रस्तुति में महेश चौधरी, सौरभ राज, करण कुमार, अंजनी कुमार वर्मा, आमिर, प्रमोद कुमार और देव दर्शन जैसे कलाकारों ने दमदार अभिनय से दर्शकों को न सिर्फ मनोरंजन दिया बल्कि सोचने पर मजबूर भी कर दिया.

9 जुलाई को आयोजित आम हड़ताल सफल करें : राजेश

गिरिडीह /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 7 जुलाई को नुक्कड़ सभा, 8 जुलाई को मशाल जुलूस और 9 जुलाई को आम हड़ताल में सामिल होंगे सैकड़ों मजदूर - कन्हाई पांडेय मजदूरों के हक में लाल झंडे के सभी ट्रेड यूनियन और पार्टी और समर्थित गठबंधन पार्टी का बीजेपी के मजदूरों के हक को बर्बाद करने वाली नीति के खिलाफ,गिरिडीह के शहरी इलाके,मुफ्फसिल इलाके में भी बंद रहेगा भाकपा माले समर्थित मजदूरों के हित में काम करने वाला असंगठित मजदूर मोर्चा,भाकपा माले के अलावे ट्रेड यूनियन और अन्य समर्थित राजनीतिक पार्टियों के द्वारा भारत में आम हड़ताल के सपोर्ट में सड़क पर उतरेगा शहरी इलाके के अलावे मुफ्फसिल क्षेत्र औद्योगिक क्षेत्रों में 7 जुलाई को नुक्कड़ सभा होगी जिसमें माले के बड़े लीडर हलधर महतो जी का आगमन होगा,दिन भर अलग अलग क्षेत्रों में मजदूरों के हित में बात करेंगे और मजदूरों को 9 जुलाई के कार्यक्रम में साथ खड़ा रहने की बात करेंगे,असंगठित मजदूर मोर्चा के नेता कन्हाई पांडेय ने कहा कि मजदूरों की हालत केंद्र सरकार ने बर्बाद कर दिया है,पूंजीपतियों को बढ़ावा देने के लिए मजदूरों के हक को मारा गया है माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा वैसे तो कई कार्यक्रम जिले भर में है किन्तु मुफ्फसिल क्षेत्रों में असंगठित मजदूर मोर्चा और माले 7 जुलाई को नुक्कड़ सभा,8 को मशाल जुलूस और 9 को चक्का जाम में आम हड़ताल में सामिल रहेगा। श्री सिन्हा ने कहा कि सभी प्रखंडों के माले नेता और नेत्री आम हड़ताल में बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे,माले के शीर्ष नेता पूर्व विधायक विनोद सिंह जी और पूर्व विधायक राजकुमार यादव गिरिडीह क्षेत्र में सभी इलाकों में अपना अनुभव के साथ सभी लीडरों के अंदर लीडरसिफ की भावना कैसे बढ़े ऊपर से गाईड भी कर रहे है,यह भी कहा कि आम जनता,बीमार व्यक्ति,अग्निशामक,एंबुलेंस आदि काफी जरूरत के कार्य को तत्काल करने के लिए हड़ताली भी साथ दें, हालांकि लाल झंडे के हड़ताल में लोकतान्त्रिक बातों का ख्याल रखा जाता है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह में सुधा ने नाला रोड पर लगाया उत्पाद प्रदर्शनी स्टॉल

लोगों को बताया मिस्टि दही और डिलाइट मिल्क के फायदे

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह 2025 के अवसर पर वैशाल पाटलिपुत्र दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, पटना डेयरी प्रोजेक्ट (सुधा) की ओर से रविवार को नाला रोड पर उत्पाद प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया. इस मौके पर सुधा के नए और लोकप्रिय उत्पादों को लेकर उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया. स्टॉल पर सुधा मिस्टि दही, थर्मोफॉर्मिंग पनीर और डिलाइट मिल्क जैसे उत्पादों को लोगों ने नजदीक से देखा, चखा और उनकी गुणवत्ता के बारे में जाना. कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी व्यवस्था के तहत डेयरी क्षेत्र में सुधा के योगदान और उत्पादों की गुणवत्ता को सामने लाना था. सुधा एम डी रुपेश राज ने बताया की सहकारिता भावना को जन-जन तक पहुंचाने और सुधा ब्रांड को और मजबूत करने के लिए यह प्रदर्शनी सहकारिता सप्ताह के दौरान विशेष महत्व रखती है.इस तरह के कार्यक्रमों से उपभोक्ताओं में भरोसा और जागरूकता दोनों बढ़ती है. इस अवसर पर प्रभारी विपणन संजय कुमार, राजेश रंजन, विक्रय पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार, सुरेश कुमार,मार्केटिंग टीम के सदस्य राहुल रंजन, निरज कुमार, आशीष कुमार, अनुपमा कुमारी और आरती कुमारी समेत अन्य कर्मी उपस्थित रहे.

गुप्त सूचना पर उत्पाद विभाग की छापेमारी, डेढ़ लाख की अंग्रेजी शराब जब्त, दो गिरफ्तार

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र के न्यू ब्रह्मपुर आदर्श कॉलनी रोड नंबर-1 स्थित एक स्टोरेज पॉइंट पर रविवार तड़के गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर 168 बोतल (126 लीटर) अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत करीब 1.50 लाख रुपये आंकी गई है. विभागीय सहायक आयुक्त प्रेम ने बताया कि मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है जिसमे सुनील कुमार गुप्ता, निवासी सिलीगुड़ी और रंजीत कुमार, निवासी मुसल्लहपुर, पटना निवासी हैं. टीम के अनुसार शराब एक विशेष स्टोरेज पॉइंट पर अत्यंत कुशल पैकिंग के साथ छुपा कर रखी गई थी. पैकिंग इतनी सधे तरीके से की गई थी कि ऊँचाई से कार्टन गिराने पर भी शराब की बोतल नहीं टूटे और बाहर से किसी को भी अंदाजा न हो कि अंदर शराब है.यह कार्रवाई रात 1:00 बजे की गई, जब अजीत कुमार, निरीक्षक (मद्य निषेध) के नेतृत्व में एक टीम गठित कर सटीक टारगेट पर दबिश दी गई. मौके से जब्त शराब रॉयल स्टैग ब्रांड की है, जिस पर "फॉर सेल इन चंडीगढ़" अंकित है.गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है. मौके पर मौजूद टीम में अजीत कुमार के साथ अजीत परेल और शमशाद भी शामिल थे.स्टोरेज स्थल को सील कर दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

बेउर जेल में तीन कक्षपाल निलंबित

तीन अधिकारियों से जवाब-तलबीः गोपाल खेमका हत्याकांड के मद्देनजर 100 कैदियों से पूछताछ

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आदर्श केन्द्रीय कारा बेउर में जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को की गई औचक छापेमारी में प्रतिबंधित सामग्री मिलने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है. छापेमारी के बाद तीन कक्षपालों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है जबकि तीन अन्य अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है. इसकी पुष्टि आदर्श केंद्रीय कारा बेऊर जेल के अधीक्षक नीरज कुमार झा ने की है. पटना प्रमंडल के आयुक्त और पटना प्रक्षेत्र के महानिरीक्षक के नेतृत्व में 5 जुलाई को दोपहर 3:05 से 4:45 बजे तक यह छापेमारी की गई. इस दौरान जेल के अंदर से तीन मोबाइल फोन समेत अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में कक्षपाल अंतोष कुमार सिंह, आशीष कुमार और ओम कुमार गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है. वहीं, ड्यूटी में मौजूद दफा प्रभारी कक्षपाल गिरीज यादव, बंदी खंड के वरीय प्रभारी सहायक अधीक्षक नीरज कुमार रजक और जेल उपाधीक्षक अजय कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है. अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि आगे की जांच में किसी अन्य कारा कर्मी की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी. गौरतलब है कि यह छापेमारी चर्चित व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड के संदर्भ में भी बेहद अहम मानी जा रही है. इसी सिलसिले में प्रशासन ने जेल में बंद करीब 100 कैदियों से पूछताछ भी की है. जेल में लगातार बढ़ती अनुशासनहीनता और मोबाइल बरामदगी की घटनाओं ने जेल प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

मुहर्रम को लेकर फुलवारीशरीफ थाना में पुलिस की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

शहर के संवेदनशील इलाकों में एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राजधानी पटना के अति संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल फुलवारी शरीफ में मुहर्रम को लेकर रविवार को सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. यह बैठक फुलवारीशरीफ थाना परिसर में नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) भानू प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विधि-व्यवस्था की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक से पहले नगर पुलिस अधीक्षक भानू प्रताप सिंह ने क्षेत्र के नया टोला, ईसापुर, टमटम पड़ाव, हारून नगर, जानीपुर, एम्स गोलंबर, भूसौला, दानापुर, शहीद भगत सिंह चौक, चुनौती कुआं, ग्वालटोली, खानकाह मोहल्ला, गुलिस्तान मोहल्ला, नहर पर, ईसापुर पुल और राय चौक जैसे प्रमुख इलाकों का दौरा कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया. उन्होंने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों से सीधी बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए. एसपी भानू प्रताप सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि मुहर्रम के अवसर पर किसी भी तरह की अफवाह, भ्रम या असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को सख्ती से रोका जाए. उन्होंने कहा कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ निरंतर गश्ती और ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. उन्होंने स्थानीय जनता से संवाद और विश्वास बनाए रखने पर भी बल दिया. कहा गया कि सभी थानों में शांति समिति की बैठकें कर आम लोगों को भरोसे में लिया जाए, ताकि पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो.पुलिस प्रशासन का फोकस साफ है झ्र पर्व की गरिमा बनी रहे, कानून का सख्ती से पालन हो और शांति-सौहार्द किसी भी सूरत में भंग न हो. बैठक में एसडीपीओ फुलवारीशरीफ सुशील कुमार सिंह, थानाध्यक्ष मोहम्मद गुलाम, एसएचओ शाहबाज आलम सहित क्षेत्र के तमाम पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे. सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक मैसेज पर नजर रखें और साइबर निगरानी यूनिट के साथ समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई करें. इससे पहले, मुहर्रम को लेकर सुरक्षा के प्रति गंभीरता दिखाते हुए पुलिस द्वारा रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों के साथ फ्लैग मार्च भी निकाला गया, जिससे आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम हो और शांति का संदेश जाए।

भारतीय लोकहित पार्टी की बैठक में आगामी चुनाव पर मंथन

प्रत्याशियों के नाम पर अभी नहीं हुआ अंतिम फैसला

फुलवारी शरीफ/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना के संपतचक बैरिया स्थित प्रेम लोक मिशन स्कूल में रविवार को भारतीय लोकहित पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर रणनीतिक चर्चा हुई. बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरुदेव प्रेम ने की.वहीं 21 जुलाई से शुरू होने वाले संसद सत्र के पहले और सत्र के दौरान दिल्ली जाकर बिहार के सांसदों से विशेष रूप से गुरुदेव प्रेम मुलाकात करेंगे. इस दौरान वैश्य व्यापारिक कारोबारी की सुरक्षा को लेकर संसद में अधिनियम लाने कानून को और सख्त बनाने एवं बिहार में वैश्य व्यापारी कारोबारी सुरक्षा हेतु अलग से वैश्य व्यापारी कारोबारी थाना का गठन करने को लेकर चर्चा करेंगे. वह रविवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश व ज़िला स्तर के पार्टी पदाधिकारी, संभावित प्रत्याशी और कार्यकर्ता शामिल हुए. बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से प्रस्तावित प्रत्याशियों के नामों पर गहन चर्चा की गई, हालांकि अंतिम सूची को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई. गुरुदेव प्रेम ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी आने वाले चुनाव में पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेगी और जनता के मुद्दों को ईमानदारी से उठाएगी. उन्होंने कहा कि पार्टी अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेगी. प्रत्याशियों के चयन को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्णय जल्द लिया जाएगा और सभी को समय पर सूचित किया जाएगा. बैठक के उपरांत सभी पदाधिकारियों और आमंत्रित कार्यकताओं ने पारंपरिक शाकाहारी भोजन का आनंद लिया. कार्यक्रम में सादगी के साथ राजनीतिक संकल्प का संदेश भी साफ दिखाई दिया. पार्टी सूत्रों के अनुसार, आगामी दिनों में ज़िला स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों तक पार्टी की नीतियों और मुद्दों को पहुंचाया जाएगा.

पटना बंद का आह्वान वापस

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोपाल खेमका जी की निर्मम हत्या से उत्पन्न आक्रोश के बीच, समाज के विभिन्न वर्गों विशेषकर व्यापार, उद्योग और व्यवसाय समुदाय की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैंने 7 जुलाई 2025 (सोमवार) को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक पटना बंद का आग्रह किया था। इस संबंध में मैंने BCCI अध्यक्ष श्री सुभाष पटवारी और बीआईए अध्यक्ष श्री के.पी.एस. केशरी को औपचारिक पत्र भेजकर उनका सहयोग मांगा था। श्री केशरी जी ने तत्परता दिखाते हुए बिहार और मुख्य सचिव से मिलकर पीड़ित परिवार को सहयोग और अपराधियों पर सख़्त कार्रवाई के आश्वासन की जानकारी दी। मैं इस पहल के लिए श्री केशरी जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने और उर को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार अब सक्रियता के मूड में है। दूसरी ओर, अध्यक्ष श्री पटवारी द्वारा अब तक कोई प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयान नहीं आया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, अब 7 जुलाई को प्रस्तावित पटना बंद को औपचारिक रूप से वापस लिया जाता है। मैं उन सभी व्यापारी साथियों, औद्योगिक संगठनों एवं व्यवसायियों का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने मेरे आह्वान पर समर्थन दिया और एकजुटता दिखाई।

इमारत शरिया और मिल्ली संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से की मुलाकात

मतदाता सूची संशोधन को लेकर रखीं तीन अहम मांगें

पटना/ फुलवारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। इमारत शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड के अमीर-ए-शरीयत हजरत मौलाना अनिसुर्रहमान कासमी की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के मुख्य निर्वाचन आयुक्त आर.एल. चौधरी से मुलाकात कर मतदाता सूची विशेष संशोधन अभियान में उत्पन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा और आवश्यक सुधारों की मांग की. प्रतिनिधिमंडल में इमारत शरिया के महासचिव मौलाना मुहम्मद शिबली कासमी, सदर मुफ्ती मौलाना सुहैल अहमद कासमी, शांति संदेश केंद्र बिहार के महासचिव मौलाना अब्दुल माजिद कासमी, जमीयत उलेमा-ए-बिहार से अनवरुल हुदा, पटना हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रागिब अहसन, फुलवारी नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष तस्लीम रिजवी, और ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल बिहार से मौलाना मुहम्मद जमालुद्दीन कासमी शामिल थे. प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से तीन प्रमुख मांगें रखीं जिनमे मतदाता सूची में नाम जोड़ने या बनाए रखने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया को सरल किया जाए. 2003 की सूची को आधार बनाने के बजाय व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाए.पहले से पंजीकृत मतदाताओं को दस्तावेजों की कमी के कारण सूची से न हटाया जाए. मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि किसी भी पात्र मतदाता को केवल दस्तावेज की कमी की वजह से हटाया नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि आयोग का मुख्य उद्देश्य हर योग्य नागरिक को मतदान का अधिकार दिलाना है, और इसके लिए ऑनलाइन सुविधाएं भी सक्रिय हैं. इमारत शरिया के महासचिव मौलाना शिबली कासमी ने सभी समुदायों से अपील की कि वे 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करें और इस प्रक्रिया में सक्रिय भाग लें. उन्होंने यह भी कहा कि दस्तावेजों के अभाव में फंसे लोगों की मदद करना सामूहिक जिम्मेदारी है.

पटना में सर्जरी का नया दौर, मेदांता में रोबोट ने संभाली कमान

फुलवारी शरीफ/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अब ऑपरेशन थिएटर में इंसानी हाथों के साथ मशीनें भी चलेंगी, वो भी मिलिमीटर की सटीकता के साथ. जयप्रभा मेदांता अस्पताल में बिहार की पहली एडवांस्ड सर्जिकल रोबोट मशीन ने दस्तक दे दी है. इसका उद्घाटन शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने फीता काटकर किया. मंत्री बोले यह सिर्फ मशीन का उद्घाटन नहीं, बिहार के हेल्थ सिस्टम में टेक्नोलॉजी की एंट्री है. अब राज्य के मरीजों को बड़ी सर्जरी के लिए दिल्ली-मुंबई का टिकट नहीं कटाना पड़ेगा. मेदांता अस्पताल की इस पहल से जटिल सर्जरी अब कम चीरे, कम खून और तेज रिकवरी के साथ मुमकिन होगी. मेडिकल डायरेक्टर डॉ रवि शंकर सिंह ने कहा कि बिहार के लोगों को अब इलाज के नाम पर शहर दर शहर भटकना नहीं पड़ेगा. इसी टेक्नोलॉजी से बिहार और झारखंड की पहली रोबोटिक ऑन्कोलॉजी सर्जरी भी की गई. डॉ संदीप कुमार की टीम ने महिला मरीज के गर्भाशय से कैंसर ट्यूमर को हटाया, वो भी बिना ज्यादा चीरा लगाए. डॉ संदीप ने बताया कि यह तकनीक बेहद सटीक होती है, जिससे आसपास के हेल्दी टिशू बच जाते हैं और रिकवरी तेज होती है.कार्यक्रम में एक महिला मरीज के गर्भाशय में कैंसरस ट्यूमर की रोबोटिक ऑन्कोलॉजी सर्जरी दिखाई गई, जबकि वर्तमान में यह तकनीक ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और गायनेक ऑन्कोलॉजी जैसे रोगों की सर्जरी में इस्तेमाल हो रही है. फिलहाल इस रोबोट से ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रो और गायनेक सर्जरी हो रही है. जल्दी ही कार्डियक और ब्रैस्ट सर्जरी में भी इसका इस्तेमाल शुरू किया जाएगा. इस मशीन के आने से पटना को देश के चुनिंदा मेडिकल हब्स में गिनने की बात कही जा रही है. मेदांता की इस शुरूआत ने इलाज को तकनीक के पंख दे दिए हैं.

दूसरी छमाही में सोने की कीमतें बढ़ने की संभावना, फिर एक लाख रुपये तक पहुंच सकता है आंकड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू सोने का भाव साल 2025 की दूसरी छमाही में एक लाख तक बढ़ने की संभावना है। आईसीआईसीआई बैंक ग्लोबल मार्केट्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। वैश्विक हालातों के विपरीत, जून में घरेलू सोने की कीमतों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह रुपये में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट के कारण हुई।

मात्रा के लिहाज से, सोने के आयात में क्रमिक आधार पर गिरावट आई है। यह दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के जवाब में मांग कमजोर हो रही है। मई में 2.5 अरब डॉलर के सोने का आयात दर्ज किया गया, जबकि पिछले महीने यह 3.1 अरब डॉलर था। मई में निवेश की मांग मजबूत रही।

मई में ईटीएफ में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ- एएमएफआई के आंकड़ों से पता चला है कि लगातार दो महीनों की निकासी के बाद मई में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। यह स्थानीय बाजारों में पीली धातु की मजबूत निवेश-संबंधी मांग को दर्शाता है। वैश्विक मोर्चे पर, सोने की कीमतों में क्रमिक गिरावट के बावजूद पीली धातु के लिए निवेश मांग मजबूत बनी रही, जो ईटीएफ प्रवाह से भी स्पष्ट है। सोने में एसपीडीआर ईटीएफ प्रवाह 1 जून 2025 तक 930 टन से बढ़कर 1 जुलाई 2025 तक 948 टन हो गया।

हाल के महीनों में, सोने की कीमतों में तेजी रुक गई है, क्योंकि पिछले महीने कीमतें स्थिर रहीं, जो सुरक्षित निवेश की मांग में आई कमी को दर्शाता है। हालांकि, 2025 में ईयर-टू-डेट आधार पर कीमतें 28 प्रतिशत अधिक रहीं।

युद्ध विराम और व्यापार समझौते ने सोने की मांग को सीमित किया

रिपोर्ट में कहा गया कि इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध विराम ने जोखिम की भावना में सुधार किया। इससे पीली धातु की मांग और कम हो गई। साथ ही, बाजार अमेरिका और अन्य देशों के साथ व्यापार सौदों पर सहमत होने की स्थिति में हैं। यह टैरिफ लागू करने की जरूरत को सीमित करेगा।

अमेरिका पहले ही ब्रिटेन और वियतनाम के साथ समझौतों पर सहमत हो चुका है, जबकि जापान, भारत और यूरोपीय संघ जैसे अन्य देशों के साथ वार्ता में काफी प्रगति हुई है। इसके अलावा, अमेरिका और चीन एक व्यापार समझौते की रूपरेखा पर भी सहमत हो गए हैं, जो संभवतः अगस्त तक पूरा हो जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव में सुधार और व्यापार युद्ध 2.0 के प्रभाव में कमी आने की उम्मीदों ने सोने की कीमतों में आने वाली तीव्र वृद्धि को सीमित कर दिया है। निवेश संबंधी मांग ने सोने की कीमतों को बढ़ावा देना जारी रखा है क्योंकि आभूषणों की मांग में नरमी देखी गई है।

छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई बना लेन-देन का सबसे पसंदीदा तरीका

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के छोटे कारोबार (एमएसएमईएस) तेजी से डिजिटल लेन-देन को अपना रहे हैं। मामले में पेनियरबाई की रिपोर्ट की माने तो देश में लगभग 48 प्रतिशत छोटे कारोबारियों ने यूपीआई को सबसे पसंदीदा भुगतान का तरीका बताया है। इसके बाद आधार आधारित बैंकिंग को 39 प्रतिशत लोगों ने चुना। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिला कारोबारियों के

बीच आधार बैंकिंग की पसंद 42 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसका कारण फिंगरप्रिंट और फेस ऑथेंटिकेशन जैसी सुरक्षित तकनीकों पर बढ़ता भरोसा बताया गया है।

सर्वे में शामिल 71 प्रतिशत लोगों ने स्मार्टफोन को अपना मुख्य व्यापारिक उपकरण बताया। महिलाओं में यह आंकड़ा और भी ज्यादा, 84 प्रतिशत तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल टूल्स अपनाने से हर तीन में से एक कारोबारी ने अपने कामकाज में सुधार बताया। वहीं 73 प्रतिशत छोटे व्यवसायियों ने आय बढ़ने या कामकाज में सुधार का अनुभव किया। हालांकि यह संख्या अभी कम है, लेकिन 7 प्रतिशत कारोबारियों ने एआई और ऑटोमेटेड टूल्स जैसे इन्वेंटरी ऐप्स, बिलिंग सिस्टम और कस्टमर एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म्स को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

सोहम पारेख एकसाथ 3-4 कंपनियों में क्यों करते थे काम? खुद खोला राज

नईदिल्ली, एजेंसी। सोहम पारेख नाम का एक भारतीय इंजीनियर और कंसल्टेंट इन दिनों सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग टॉपिक बना हुआ है। इसकी वजह है उसका एक साथ कई अलग-अलग अमेरिकी स्टार्टअप्स में काम करना और हर दिन करीब 2.5 लाख रुपये कमाना। उसकी कहानी जितनी हैरान करने वाली है, उतनी ही विवादित भी है। सोहम भारतीय टेक प्रोफेशनल

हैं। उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन और जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी से मास्टर्स किया है।

कैसे धोखा देते थे सोहम?- एक अमेरिकी उद्यमी ने दावा किया है कि सोहम मूनलाइटिंग करता है। यानी एकसाथ कई कंपनियों में काम करता है। एक ढ निवेशक डीडी दास ने कहा कि ऐसे हजारों सोहम पारेख हैं जिनके बारे में लोगों को पता नहीं है। ये लोग कई रिमोट जॉब्स को मैनेज करने के लिए ये तरीके अपनाते हैं। इनमें माउस जगलर का इस्तेमाल शामिल है। यह छोटा डिवाइस होता है जो कंप्यूटर के कर्सर को थोड़ा-थोड़ा हिलाता रहता है। इससे कंप्यूटर निष्क्रिय नहीं होता। ऐसा लगता है कि यूजर डेस्क पर एक्टिव है, भले ही वो वहां न हो। दास का दावा है कि सोहम रिमोटली काम करता था।

कुछ लोगों ने इस मुद्दे को गंभीर बताया, तो दूसरी तरफ मीमबाजों ने इसे मजेदार बना दिया है। एक ऐसा स्कैंडल जिसने नौकरी, भरोसे और प्रोफेशनल एथिक्स पर बड़ी बहस छेड़ दी।

जेन स्ट्रीट ग्रुप पर सेबी का एक्शन, अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे बोले- शेयर बाजार में हेरफेर बर्दाश्त नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने साफ शब्दों में कहा है कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की हेरफेर को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बयान उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित हेज फंड जेन स्ट्रीट ग्रुप पर अंतरिम कार्रवाई के एक दिन बाद दिया। सेबी ने इस अमेरिकी निवेश समूह को शेयर बाजार में गड़बड़ी फैलाने और डेरिवेटिव सेगमेंट में गलत मुनाफा कमाने के आरोप में 4,843 करोड़ रुपये लौटाने का आदेश दिया है। यह सेबी की तरफ से अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना माना जा रहा है।

बाजार की निगरानी अब और सख्त की गई- सेबी प्रमुख ने बताया कि बाजार की निगरानी अब और सख्त कर दी गई है, न सिर्फ सेबी की ओर से बल्कि स्टॉक एक्सचेंज स्तर पर भी। जब उनसे पूछा गया कि क्या अन्य विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) में भी इसी तरह के पैटर्न देखे गए हैं, तो उन्होंने दो टूक जवाब दिया, हम इतना ही कह सकते हैं कि बाजार में हेरफेर को बिल्कुल भी सहन नहीं किया जाएगा। सेबी के शुक्रवार के आदेश में जेन स्ट्रीट ग्रुप की चार कंपनियां - जेएसआई इन्वेस्टमेंट्स, जेएसआई2 इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, जेन स्ट्रीट सिंगापुर पीटीई लिमिटेड और जेन स्ट्रीट एशिया ट्रेडिंग को आगे की जांच पूरी होने तक बाजार में ट्रेडिंग से रोक दिया गया है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से की अहम अपील

मुंबई में बॉम्बे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सोसाइटी (बीसीएएस) की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में सेबी चेयरमैन ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) को भी अहम संदेश दिया। उन्होंने कहा, आपसी लेन-देन, हितों के टकराव और कंपनी से जुड़ी जरूरी जानकारियों को समय पर सार्वजनिक करना, ये सभी चीजें अब समझौतों के दायरे में नहीं हैं। ये आपकी मुख्य जिम्मेदारियां हैं।

अनुपालन का बोझ कम करने की बात

सेबी प्रमुख ने इस बात को भी स्वीकार किया कि अत्यधिक अनुपालन और जानकारी की मांग कंपनियों पर अनावश्यक बोझ डाल सकती है। उन्होंने कहा, हम यह भी चाहते हैं कि जहां संभव हो, कम जानकारी और कम अनुपालन के साथ बेहतर नतीजे मिले।

जून में अनाज सस्ते, पर दूध-तेल की महंगाई ने बढ़ाया बोझ; वैश्विक खाद्य कीमतों में हलचल

नईदिल्ली, एजेंसी। जून 2025 में वैश्विक खाद्य महंगाई को लेकर एक मिश्रित तस्वीर सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जहां अनाज और चीनी जैसी बुनियादी चीजों के दामों में गिरावट से उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, वहीं दूध, वनस्पति तेल और मांस जैसे जरूरी उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने थाली को महंगा कर दिया है।

इस बीच वैश्विक स्तर पर अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जगी है, लेकिन गर्मी और सूखे जैसे जलवायु जोखिमों ने भविष्य को लेकर चिंताएं गहरा दी हैं। एफएओ के फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार जून में खाद्य कीमतों में कुल मिलाकर 0.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे सूचकांक 128 अंकों पर पहुंच गया। यह वृद्धि भले मामूली हो, लेकिन मार्च 2022 के शिखर से यह अभी भी 20.1 प्रतिशत नीचे है। जून में जहां अनाज और चीनी के दाम गिरे वहीं डेयरी, मांस और तेल की महंगाई ने महंगाई को ऊपर की ओर खींचा। जून में अनाज मूल्य सूचकांक 107.4 अंक पर दर्ज किया गया जो मई के मुकाबले 1.5 प्रतिशत कम है। मक्का, जौ और ज्वार के दामों में गिरावट अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे उत्पादक देशों की आपूर्ति के कारण आई। हालांकि गेहूं महंगा हुआ क्योंकि यूरोप, रूस और अमेरिका में खराब मौसम की आशंकाओं ने कीमतों को ऊपर खींचा। एफएओ का अनुमान है कि वर्ष 2025 में वैश्विक अनाज उत्पादन 292.5 करोड़ टन तक पहुंच सकता है जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा।

तेल की महंगाई ने ऊपर खींचा सूचकांक

जून में वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक 2.3 प्रतिशत चढ़कर 155.7 अंक पर पहुंच गया। पाम, सोया और रेपसीड तेल की कीमतों में तेजी आई, जबकि सूरजमुखी तेल सस्ता हुआ। पाम तेल की कीमत में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्योंकि वैश्विक मांग तेज रही। वहीं, सोया तेल की कीमतें अमेरिका और ब्राजील में बायोफ्यूल मांग के चलते बढ़ीं। रेपसीड तेल की कीमतें भी वैश्विक आपूर्ति की चिंता के कारण बढ़ीं।

दूध और मक्खन फिर महंगे, एशिया से बढ़ी मांग

डेयरी मूल्य सूचकांक में जून में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 154.4 अंक पर पहुंच गया। मक्खन की कीमतों में 2.8 प्रतिशत की छलांग के साथ यह 225 अंकों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। इस तेजी के पीछे ओशिनिया और यूरोपीय देशों में उत्पादन में कमी और पश्चिम एशिया से मांग में वृद्धि रही। न्यूजीलैंड में खराब मौसम और यूरोप में पर्यावरण नियमों के चलते पशुधन में कटौती ने आपूर्ति को प्रभावित किया। इसके अलावा अमेरिका में स्टॉक घटने से कीमतें और बढ़ीं।

मोहल्ले की दुकान से मिला आइडिया... 15 लाख की पूंजी से खड़ा कर दिया 150 करोड़ का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता के मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले देबादित्य चौधरी की कहानी जुनून, कड़ी मेहनत और सपने को हकीकत में बदलने की प्रेरणादायक मिसाल है। मोहल्ले के चाइनीज भोजनालय से मिली प्रेरणा ने उन्हें देश के सफलतम रेस्तरां उद्यमियों में से एक बना दिया। उन्होंने 2010 में सिर्फ 15 लाख रुपये के निवेश और 350 वर्ग फीट की एक छोटी सी जगह में चॉवमैन की शुरुआत की। यह आज करोड़ों के रेस्तरां साम्राज्य में बदल चुका है। आइए, यहां देबादित्य चौधरी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

चाइनीज खाने से ऐसे हुआ प्यार – देबादित्य चौधरी का बचपन कोलकाता के बालीगंज इलाके में बीता। वहां पास के किम वाह रेस्तरां से आने वाली चाइनीज खाने की खुशबू उनके मन में गहरी बैठ गई। छह साल की उम्र में पहली बार चाइनीज खाना चखते ही उन्हें उससे प्यार हो गया। किम वाह के मालिक का परिवार देबादित्य के लिए

एक्सटेंडेड फैमिली जैसा था। इन अनुभवों ने उनमें अपना खुद का चाइनीज रेस्तरां खोलने का सपना जगाया। यह सपना उनके दिल में हमेशा जिंदा रहा, भले ही उन्होंने पढ़ाई और संगीत में अपनी रुचि जारी रखी। उन्होंने 1999 में साउथ पॉइंट हाई स्कूल से 10वीं और 2004 में सेंट जेवियर्स कॉलेज से बी.कॉम पूरा किया।

नौकरी छोड़ने का लिया बड़ा रिस्क- देबादित्य पढ़ाई के साथ संगीत के भी बेहद जुनूनी थे। उन्होंने कॉलेज के पहले साल में अपने दोस्तों के साथ मिलकर बंगाली रॉक बैंड लक्खीछारा की स्थापना की। एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में बैंड के साथ कई देशों में परफॉरमेंस दी। एमबीए के बाद उन्होंने 2006 में ब्लू लोटस कम्युनिकेशंस नाम की पीआर एजेंसी में ब्रांड हेड के रूप में काम करना शुरू किया। वहां देबादित्य 2010 तक काम करते रहे। उनकी मासिक इनकम 1 लाख रुपये तक पहुंच गई। हालांकि, उनके बचपन का चाइनीज रेस्तरां खोलने का सपना कभी फीका नहीं पड़ा। पर्याप्त पैसे बचाने के बाद उन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़ दी और अपने उद्यम की ओर कदम बढ़ाया। यह जानते हुए कि कोलकाता जैसे शहर में पहले से ही कई प्रसिद्ध चाइनीज रेस्तरां मौजूद हैं, उन्होंने रिस्क लेने का फैसला कयिा।

नीरव का भाई नेहल मोदी धराया? 13600 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले में क्या थी उसकी भूमिका

नईदिल्ली, एजेंसी। पीएनबी घोटाले मामले में भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद उन पर शिकंजा कसा गया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध की गई।

इससे पहले साल 2019 में प्रवर्तन निदेशालय ने इंटरपोल से नीरव मोदी को बैंक फंड्स को लूटने में मदद करने के आरोप में नेहल मोदी की भूमिका के लिए उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया था। कौन के नागरिक हैं नेहल मोदी? पीएनबी घोटाले में उनपर क्या आरोप हैं? आइए इन सवालों के जवाब विस्तार से जानते हैं।

कौन है नेहल मोदी?- नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में कथित 13,600 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले बैंक लेनदेन के

मामले के आरोपी और भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी का भाई है। नेहल मोदी के खिलाफ इससे पहले 2019 में रेड नोटिस जारी किया गया था। 46 वर्ष का नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है।

नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है। यह देश के इतिहास में सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से की गई जांच में नेहल मोदी को नीरव मोदी की आपराधिक आय को वैध बनाने के लिए काम करने वाले अहम शख्स पाया गया था। नीरव मोदी ब्रिटेन से प्रत्यर्पण की कार्रवाई का सामना कर रहा है।

नेहल पर क्या आरोप हैं?- नेहल मोदी पर पीएनबी घोटाले में हुई धोखाधड़ी में अपने भाई नीरव मोदी की मदद करने के आरोप हैं। इससे पहले ईडी ने अपनी जांच में पाया था कि नेहल ने जानबूझकर और जानबूझकर नीरव को कथित मनी लॉन्ड्रिंग को छिपाने और सबूतों को नष्ट करने में मदद की। नेहल की भूमिका का विवरण देते हुए ईडी की शिकायत में कहा गया था, पंजाब नेशनल बैंक में 13,600 करोड़ रुपये का घोटाला के बाद, नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी ने दुबई और हांगकांग स्थित डमी कंपनियों के निदेशकों के सभी सेल फोन नष्ट कर दिए और नीरव मोदी के कैरो (सेफ हेवन) पहुंचने में मदद के लिए टिकटों की व्यवस्था की।

नेहल ने कैसे की नीरव मोदी की मदद?- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नीरव मोदी ने विदेश में 15 से ज़्यादा डमी कंपनियाँ बनाई थीं, ताकि कथित तौर पर पीएनबी से लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए हासिल की गई रकम को निर्यात-आयात लेन-देन की आड़ में इधर-उधर किया जा सके। एजेंसी ने इन कंपनियों के कम से कम 17 डमी निदेशकों की पहचान की थी।

नेहल पर मोबाइल और रिकॉर्ड नष्ट करने के आरोप

एक डमी निदेशक सहित दो गवाहों के बयानों पर भरोसा करते हुए ईडी बताया था कि पीएनबी में घोटाला सामने आने के बाद डमी निदेशक भारत लौटना चाहते थे। लेकिन उन्हें वहीं रहने के लिए राजी किया गया। नेहल ने दुबई जाकर मामले में अगुवाई की और डमी कंपनी प्रबंधकों/निदेशकों के सभी मोबाइल नष्ट कर दिए। ईडी ने अदालत में नीरव के खिलाफ अपनी अभियोजन शिकायत में आरोप लगाया था कि नेहल व्यक्तिगत रूप से देख रहा था कि सभी खाते, रिकॉर्ड नष्ट कर दिए गए हैं। वह कर्मचारियों को प्रभावित कर रहा था और भारतीय एजेंसियों की ओर से घोटाले की जांच शुरू करने के बाद सबूतों को नष्ट कर रहा था।

50 किलो सोना, नकदी और 150 बक्से मोती चुराने के भी आरोप

ईडी ने यह भी आरोप लगाया है कि नेहल ने नीरव की दुबई स्थित कंपनी से करीब 50 किलो सोना, साथ ही हांगकांग से नकदी और 150 बक्से मोती चुराए हैं। ईडी ने दावा किया है कि नेहल दो कंपनियों का निदेशक है, जिन्हें नीरव की डमी कंपनियों से 335.95 करोड़ रुपये मिले थे। 2019 में इंटरपोल ने नीरव और उसकी बहन पूर्वी मोदी मेहता के खिलाफ भी रेड नोटिस जारी किया था।

श्री रामायण यात्रा ट्रेन: 17 दिन में 30 तीर्थ, आईआरसीटीसी ने 1.17 लाख का पैकेज बनाया

नईदिल्ली, एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के बाद धार्मिक पर्यटन को मिली लोकप्रियता को देखते हुए भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) 25 जुलाई 2025 से महज 1.17 लाख रुपये में अपनी पांचवीं विशेष श्री रामायण यात्रा ट्रेन शुरू कर रहा है। यह यात्रा दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से शुरू होकर 17 दिनों में अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर (नेपाल), बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और रामेश्वरम सहित 30 से अधिक राम की लीला से जुड़े तीर्थ स्थलों को कवर करेगी।

आईआरसीटीसी के एक अधिकारी ने कहा, बीते साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसकी शुरुआत के बाद से यह 5वां रामायण टूर है। हमारे सभी पिछले टूर के यात्रियों और

तीर्थयात्रियों से हमें उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। यह यात्रा आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन से होगी, जिसमें रेस्टोरेंट, किचन, शावर, सेंसर वाले वॉशरूम और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। पांचवीं विशेष श्री रामायण यात्रा तीन श्रेणियां उपलब्ध हैं। इस टूर की कीमत 3 एसी के लिए प्रति व्यक्ति 1,17,975 रुपये, 2 एसी के लिए प्रति व्यक्ति 1,40,120 रुपये और 1 एसी क्लास केबिन के लिए 1,66,380 रुपये और 1 एसी कूप के लिए 1,79,515 रुपये होगी। आईआरसीटीसी के मुताबिक, पैकेज की कीमत में संबंधित वर्गों में ट्रेन यात्रा, 1 एसी, 2 एसी और 3 एसी के लिए 3 स्टार श्रेणी के होटलों में आवास, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), एसी कोच में सभी स्थानांतरण और दर्शनीय स्थल, यात्रा बीमा और आईआरसीटीसी टूर मैनेजर की सेवाएं आदि शामिल हैं।

देवघर मेले में खामियां देखकर क्यूआर कोड से श्रद्धालु कर सकेंगे शिकायत

15 मिनट में होगा समस्याओं का समाधान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला में कमी दिखने पर क्यू आर कोड को स्कैन कर तस्वीर के साथ समस्या को साझा कर सकते हैं। शिकायत के 15 मिनट बाद समाधान होगा। ऐसी व्यवस्था की जा रही है।

कंट्रोल रूम में एक विशेष सेल बनाया जा रहा है। यहां मानीटर पर समस्या दिखने लगेगा। उसके बाद उस पर तत्काल काम हो जाएगा। समस्या का समाधान हर हाल में होगा इसकी गारंटी दी जा रही है।

अगर आप हर साल देवघर आ रहे हैं, तो आपको कई बदलाव भी दिख रहा होगा। सरकार और जिला प्रशासन कुछ नया करने की कोशिश करता रहा है। सिस्टम में सुधार की गुंजाइश तो हमेशा रहती है। अब फीडबैक का तमाना है।

सिस्टम ठीक रहे तो समस्या का समाधान समय पर हो जाएगा। भक्त सुखद अनुभूति लेकर लौट जाएंगे। यह सब तब होगा जब सकारात्मक सोच के साथ कार्य योजना बनी हो।

वर्तमान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा कुछ नया करने की सोच के साथ टीम वर्क में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में देवघर आने वाले भक्तों को भी सकारात्मक सोच के साथ अपना सुझाव देना होगा।

शौचालय, पानी, होल्डिंग प्वाइंट, प्रशासनिक शिविर और स्वास्थ्य शिविर में सुविधा नहीं मिल रही है। साफ-सफाई नहीं है तो तत्काल उस जगह लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर तस्वीर के साथ समस्या को साझा कर सकते हैं। शिकायत के 15 मिनट बाद समाधान होगा। ऐसी व्यवस्था की जा रही है।

श्रावणी मेला की व्यवस्था बनी रहे और भक्तों को असुविधा भी न हो। इसके लिए तुरंत समाधान निकालने की तैयारी की जा रही है।

अगर आप सुविधा असंतुष्ट हैं अथवा कोई सुधार चाहते हैं या कांवरिया रूटलाइन या होल्डिंग प्वाइंट पर परेशानी है तो वहां प्रशासन की ओर से लगे क्यूआर कोड को अपने मोबाइल पर स्कैन करें। स्कैन करते ही गूगल पेपर खुलेगा। उसमें शिकायत करने का ऑप्शन आएगा। शिकायत भरने के बाद जरूरत हो तो तस्वीर भी साझा कर दें।

आपकी ओर से किया गया शिकायत और अपलोड किया गया फोटो कंट्रोल रूम के सिस्टम में डाउनलोड होते ही उस पर संबंधित विभाग को टैग कर उसके समाधान का निर्देश दे दिया जाएगा। मेला में प्रतिनियुक्त टीम वहां पहुंच जाएगी। सिस्टम को इस तरह विकसित किया गया है कि 15 मिनट में समस्या का समाधान हो जाना है। इससे मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

दुमका से कांवरियों के लिए चलेगी अतिरिक्त बसें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। 11 जुलाई से शुरू हो रहे सावन महोत्सव को लेकर हर विभाग अपने स्तर से तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगा है। सावन माह में उमड़ने वाली कांवड़ियों को दुमका से देवघर जाने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बस चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को क्षेत्रीय परिवहन पदाधिकारी शैलेंद्र रजक ने बस यूनियन व बस मालिकों को साथ बैठक की।

आरटीए शैलेंद्र रजक ने कहा कि सावन मेला में इस बार अतिरिक्त बस चलनी हैं, जो लोग दुमका से देवघर के बीच बस सेवा देना चाहते हैं वे परमिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। एक माह के लिए उन्हें जल्द परमिट प्रदान कर दिया जाएगा। इस पर मालिकों ने बस चलाने की सहमति प्रदान की। साथ ही 79 बसों के लिए परमिट की मांग की।

अधिकारी ने बस मालिकों को आश्वासन दिया कि आवेदन की जांच करने के बाद जो आवेदन नियम शर्तों का पालन करता होगा, उसे परमिट दिया जाएगा। प्रयास रहेगा कि मेला शुरू होने से पहले परमिट प्रदान कर दिया जाए। आरटीए ने बताया कि अभी दुमका से देवघर के बीच रोज करीब 70 बसों का परिचालन शुरू हो रहा है। सावन में कांवड़ियों की भी संख्या बढ़ जाती है। बहुत से भक्त दुमका बस स्टैंड से बासुकीनाथ और देवघर जाते हैं। बसों की संख्या कम होने पर इन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए एक माह तक अतिरिक्त बस चलाने का निर्णय लिया गया है।

जिन लोगों ने अपनी बसों के लिए परमिट की मांग की है। और भी आवेदन आ सकते हैं। परमिट जारी करने से पहले सारे आवेदन की जांच की जाएगी। इसके बाद तय होगा कि सावन माह में कुल कितनी और बसों का परिचालन किया जाएगा।

मेले में पतंजलि चलायेगी चलंत सेवा शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के निर्देश पर रविवार को बम्पास टाउन में भारत स्वाभिमान न्यास के प्रांतीय सदस्य सह जिला अध्यक्ष अनुज कुमार त्यागी की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी की संयुक्त मासिक बैठक हुई।

इसमें पतंजलि की सभी विंग के सदस्य शामिल हुए। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करने के बाद निर्णय लिया गया की 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी योग कक्षा में औषधि युक्त हवन किया जाएगा।

सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर लगाने ने आगामी चार अगस्त को आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन पर पांच हजार औषधि पौधा वितरण एवं पौधरोपण कर इस दिन को जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

वहीं, श्रावणी माह में देवतुल्य कांवरियों की सेवा के लिए पतंजलि परिवार के द्वारा चलंत सेवा शिविर के माध्यम से निशुल्क सेवा करने का निर्णय लिया गया। इसके सफल आयोजन के लिए जिला अध्यक्ष अनुज कुमार त्यागी के मार्गदर्शन में कमेटी गठन किया गया है।

इस कमेटी में सर्वसम्मति से रामेश्वर मोदी को कमेटी का अध्यक्ष, राकेश कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। भारत स्वाभिमान के जिला अध्यक्ष ने बताया कि अगली बैठक बुधवार को आरएन बोस पुस्तकालय में आयोजित की जाएगी। जिसमें सभी योग कक्षा से दो-दो सदस्यों को कमेटी का सदस्य बनाया जाएगा और यह कमेटी श्रावणी मेला के दौरान 10 अगस्त तक ही मान्य होगा।

बैठक में कार्यालय प्रभारी रोहित कुमार, मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सौरभ, योग गुरु शंभू कुमार बरनवाल, संजीव कुमार सिंह, समीर कुमार, प्रमोद कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मेला संपन्न

लोहरदगा। भंडरा प्रखंड में आयोजित नौ दिवसीय रथ यात्रा मेला नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में रहकर अपने धाम ठाकुरबाड़ी पहुंचते ही संपन्न हुआ। इस यात्रा में अधिक संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

नौ दिन तक मौसीबाड़ी में रहने के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा बुधवार को रथ पर रथारुढ़ होकर अपने धाम लौट गए। भगवान को मौसीबाड़ी से ठाकुरबाड़ी तक पहुंचाने के लिए भक्तों में श्रद्धा के भाव नजर आए।

ऐतिहासिक भंडरा रथयात्रा में भगवान का रथ खींचने और भगवान को ठाकुरबाड़ी तक पहुंचाने के लिए श्रद्धालु उत्साहित नजर आए। शंखनाद के साथ हरि बोल और जय श्रीराम के नारे से पूरा क्षेत्र भक्ति रस में डूब गया।

श्रद्धालुओं ने भगवान का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। भंडरा में ऐतिहासिक रथयात्रा का आयोजन किया जाता रहा है। घुरती रथयात्रा के मौके पर भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में एक उत्सुकता दिखाई दी।

सुबह से ही भगवान के दर्शन को लेकर श्रद्धालु उत्साहित थे।

ऐश पौंड से निकालकर दोनों हाथियों को जंगल में खदेड़ा

पटाखे और ड्रोन की ली गयी सहायता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के निमार्णाधीन ऐश पौंड में शनिवार सुबह से फंसे दोनों हाथियों को शनिवार देर रात जंगल की ओर खदेड़ दिया गया है। कोडरमा वन विभाग की टीम के मुताबिक ऐश पौंड से निकले दोनों हाथी करियावां के घोघरवा जंगल की ओर चले गए हैं। इसके बाद करियावां गांव में वन विभाग की क्यूआरटी टीम को तैनात किया गया है और हाथियों के हलचल पर नजर रखी जा रही है।

वन क्षेत्र पदाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि शनिवार को अंधेरा होने के बाद हाथियों को ऐश पौंड से बाहर निकलना और गांव से दूर खदेड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई।

पटाखे और ड्रोन कैमरे की मदद से हाथियों को ऐश पौंड से बाहर निकाल गया, इसके बाद दोनों हाथी घोघरवा जंगल में घुस गए।

घोघरवा जंगल को प्लांट बनने के बाद डीवीसी की ओर से ही आच्छादित किया गया था और वहां लाखों पेड़ लगाए गए थे। उल्लेखनीय होगा कि गत 10 मार्च से 20 से 25 हाथियों का झुंड कोडरमा में ही भ्रमण कर रहा था।

वन विभाग के मुताबिक ऐश पौंड में फंसे दोनों हाथी उसी झुंड से बिछड़ गए हैं। बहरहाल, हाथियों को कोडरमा के वन क्षेत्र से बाहर निकालकर हजारी बाग वन क्षेत्र में भेजा जाएगा, जहां हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है।

सभी अभ्यारण्य तीन माह के लिए रहेंगे बंद

रांची। राज्य के सभी वन्य जीव अभ्यारण्य इस वर्ष सितंबर तक बंद रहेंगे। पलामू टाइगर रिजर्व, दलमा अभ्यारण्य समेत सभी अभ्यारण्य बरसात के मौसम में वन्यजीवों के प्रजनन व प्रजनन के लिए जुलाई से सितंबर तक बंद रखे जाते हैं।

इस दौरान वन्यजीवों को शांतिपूर्ण माहौल मिलता है। स्तनधारी जीव साल भर प्रजनन करते हैं। लेकिन जुलाई से सितंबर तक का महीना बाघ, हिरण, चीतल जैसे वन्यजीवों के लिए खास होता है। ये जानवर तीन महीने तक वन क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल में अपना कुनबा बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

वन एवं पर्यावरण विभाग ने इस दौरान पौधरोपण की योजनाएं भी शुरू की हैं। इससे जंगलों में वन्यजीवों के साथ-साथ वनस्पति और हरियाली बढ़ेगी। पलामू टाइगर रिजर्व से कुछ आबादी स्थानांतरित की गई है। इससे वन्यजीवों को घूमने और शिकार करने के लिए लंबे घास के मैदान मिल गए हैं। बारिश में लंबी घास होने के कारण उनके लिए छिपना और शिकार करना भी आसान होता है।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौत

ताजिया स्थापित करने के दौरान हुई घटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में रविवार को मुहर्रम जुलूस की तैयारी के दौरान एक हाई टेंशन बिजली के तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे घोड़थांभा थाना क्षेत्र के चकसिंघा इलाके में हुआ, जो राज्य की राजधानी रांची से करीब 200 किलोमीटर दूर स्थित है।

तीन अन्य गंभीर

गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि मुहर्रम के जुलूस के लिए 'ताजिया' स्थापित की जा रही थी, उसी दौरान उसका ऊपरी हिस्सा हाई टेंशन वायर के संपर्क में आ गया। इससे चार लोग करंट की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि कुछ लोग ताजिया स्थापित कर रहे थे, तभी वह ऊपरी हिस्सा अचानक एक हाई वोल्टेज तार से टकरा गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अन्य अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत गिरिडीह के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

यह हादसा ऐसे समय में हुआ है जब पूरे राज्य में मुहर्रम के मा द्दे ना ज र तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन की ओर से घटनास्थल की जांच की जा रही है, और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस हादसे ने इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है और स्थानीय प्रशासन पर सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

रोजगार का झांसा देकर ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

प्रशिक्षण के नाम पर लेते थे रुपये, दर्जन भर संदिग्ध हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। विज्ञापन निकालकर रोजगार का झांसा देकर बेरोजगारों को ठगने वाले एक गिरोह का सीआईडी ने खुलासा किया है।

नामकुम थाना क्षेत्र स्थित केतारी बगान चुटिया के एक घर में अवैध तरीके से चल रहे कार्यालय में गुप्त सूचना पर पहुंची सीआईडी ने छापामारी कर इसका भंडाफोड़ किया और मौके से करीब एक दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

सीआईडी ने मौके से एक दर्जन से अधिक मोबाइल, लैपटॉप, प्रिंटर, रबर स्टांप, बिल, आयुर्वेदिक सामान सहित कई अन्य वस्तुएं जब्त की है।

सीआईडी को गुप्त सूचना मिली थी कि चुटिया के केतारी बगान घाट रोड स्थित पुष्पांजलि पैलेश के ऊपर व लोअर चुटिया लोटा फैक्ट्री के समीप आर्यावृत एसोसिएट के कार्यालय में बेरोजगारों से ठगी हो रही है।

इसी सूचना पर सीआईडी के एएसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने छापामारी की, जहां से सभी संदिग्धों को हिरासत में लेकर नामकुम थाना ले जाया गया। वहां सभी आरोपितों से पूछताछ चल रही है।

इस छापामारी में एएसपी दीपक कुमार के साथ सीआईडी थानेदार नवल किशोर, नामकुम थाना प्रभारी रंजीत कुमार, दारोगा शशि कुमार, एएसआई देवेन्द्र सिंह व चुटिया थाना की पुलिस भी शामिल थी।

अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि बेरोजगारों को रोजगार देने के नाम पर स्किल प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाता था। उन्हें झांसा दिया जाता था कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार दिया जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार फंसे।

प्रशिक्षण के नाम पर उनसे 25 से 30 हजार रुपये लिए जा रहे थे। प्रशिक्षण के दौरान रहने व खाने की व्यवस्था भी करते थे। प्रशिक्षण के बाद युवाओं को ये आयुर्वेदिक दवाओं की मार्केटिंग कराते थे। जो युवक-युवती सफल नहीं होते थे, उन्हें ये काम से हटा देते थे।

ऐसे ही पीड़ित एक युवक ने सीआईडी में इसकी शिकायत की थी। इसके बाद सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर गठित टीम ने छापामारी कर इसका खुलासा किया।

रिम्स प्रबंधन पर टेंडर में छेड़छाड़ का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रिम्स प्रबंधन पर एक बार फिर टेंडर में छेड़छाड़ का आरोप लगा है। सफाई के लिए प्रबंधन द्वारा जारी टेंडर भरने की अंतिम तिथि गलत तरीके से बढ़ा दी गई। जिसको लेकर कुछ एजेंसियों ने इसका विरोध किया है और प्रबंधन पर अपने कुछ जानकार एजेंसियों को टेंडर भरने का मौका देने का आरोप लगाया है।रिम्स में सफाई का काम कर रही अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज ने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर इस मामले की शिकायत की है। जिसमें बताया गया है कि किस तरह प्रबंधन ने टेंडर की तिथि बढ़ा दी और लखनऊ व दिल्ली की अपनी चहेती एजेंसियों को टेंडर भरने का मौका दे दिया। अन्नपूर्णा यूटिलिटी ने पत्र लिखकर बताया है कि किस तरह शुरूआत में टेंडर भरने की अंतिम तिथि 25 जून शाम पांच बजे तक रखी गई थी। लेकिन नियमों के विरुद्ध अगले दिन 26 जून की शाम को सुधार पत्र जारी कर टेंडर भरने की तिथि 26 से बढ़ाकर 30 जून कर दी गई। जबकि नियमानुसार यदि शुद्धि पत्र जारी करना था तो 25 जून की शाम तक जारी हो जाना चाहिए था। उस समय 25 जून तक कोई शुद्धि पत्र जारी नहीं किया गया और अगले दिन 26 जून को रात 8.35 बजे मेल के माध्यम से पता चला कि अंतिम तिथि 30 तक बढ़ा दी गई है।

अन्नपूर्णा यूटिलिटी के निदेशक ने बताया कि यहां मामला अलग है, जब उनके चहेते लखनऊ और दिल्ली वालों का टेंडर बारिश में तकनीकी कारणों से नहीं डाला जा सका तो अंतिम तिथि के बाद अगला शुद्धि पत्र जारी कर अंतिम तिथि पांच दिन बढ़ा दी गई। इस टेंडर में कुल 18 एजेंसियों ने हिस्सा लिया है, जिसमें से कई एजेंसियों को शुद्धि पत्र की जानकारी ही नहीं थी, जिसके कारण वे 26 से 30 तारीख के बीच नया टेंडर नहीं भर पाईं, जिसके बाद वे एजेंसियां भी इस टेंडर प्रक्रिया से बाहर हो सकती हैं।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। राजपुर थाना क्षेत्र के कान्हा कला गांव निवासी सीताराम सिंह के छोटे पुत्र गोपाल कुमार की हत्या कर दी गई। इसके बाद हत्यारे ने साक्ष्य छुपाने के लिया मृतक के शव को जमरी कर्बला के समीप पलाश के पेड़ में गर्दन में रस्सी लगाकर लटका दिया।

यह घटना शनिवार रात्रि की बताई जा रही है। प्राप्त सूचना के अनुसार गोपाल शुक्रवार की शाम से घर से लापता था। ग्रामीण व परिजन उसकी काफी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन उसका कहीं आता पता नहीं चल सका।

कुछ युवकों ने जब मोबाइल का लोकेशन खंगाला तो जमरी के जामा मस्जिद के आसपास उसका लोकेशन बता रहा था। रविवार को कान्हा कला के कुछ चरवाहों ने अपने मवेशी को लेकर जंगल चराने पहुंचे हुए थे। तभी पेड़ से लटका हुआ एक शव देखा गया।

शव देखकर महिलाओं ने इसकी सूचना गांव वालों को दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। वहां गोपाल का शव पेड़ से लटका हुआ था। गोपाल के पैर में रक्त स्राव हुआ है। तुरंत इसकी सूचना राजपुर थाना पुलिस को दिया।

सूचना मिलने के पश्चात राजपुर थाना प्रभारी संदीप कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। और मामले की तहकीकात में जुट गए। थाना प्रभारी ने बताया की हत्या की आशंका जताई जा रही है। इसके बाद उन्होंने फॉरेंसिक टीम से जांच करने के लिए एक आवेदन दिया है।

आवेदन प्राप्त होते ही फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। घटनास्थल पर सुबह से लेकर शाम तक आसपास के ग्रामीणों की काफी भीड़ जुटी रही। पुलिस ने जांच पूर्ण होने के बाद शव को अपने कब्जे में कर जांच के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, मृतक के पिता सीताराम सिंह द्वारा जमरी गांव निवासी सुलेमान मियां व उसके परिजन के अलावा अज्ञात लोगों के विरुद्ध राजपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर इस घटना को ले गांव में मातम का माहौल है।

सिगरेट पीने के आरोप में कर्मी निलंबित

चाईबासा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपायुक्त चंदन कुमार ने एक सरकारी कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया है। कर्मचारी का कार्यालय में खुलेआम सिगरेट पीते वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो के बाद मुख्यमंत्री ने डीसी को कार्रवाई करने का आदेश दिया था। उपायुक्त ने बताया कि वीडियो में दिख रहे सरकारी कार्यालय में अशोभनीय कृत के लिए जगमोहन सोरेन नामक जन सेवक को झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2016 के तहत निलंबित कर दिया गया है।

जन सेवक को निलंबित करने के साथ ही उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को विधिवत अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया हैं।

सड़क दुर्घटना में दो व्यवसायी पुत्रों की मौत से व्यवसायियों में शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले से गुजर रही जीटी रोड के राजगंज स्थित डोमनपुर में हुई सड़क दुर्घटना में धनबाद के दो बड़े व्यवसायियों के पुत्रों की मौत हो गई।

इनमें एक साहिल कृष्णानी रेमंड शोरूम के मालिक विशाल कृष्णानी और दूसरा जोड़ाफाटक रोड स्थित शक्ति मंदिर के सामने रेस्तरां चलाने वाले हरिदयाल सिंह का पुत्र अनमोल रतन हैं।

घटना के बाद से धनबाद के व्यवसाय जगत में शोक की लहर है। बैंक मोड़ चेंबर समेत अन्य चेंबर के पदाधिकारी और सदस्यों का एसएनएमसीएच पहुंचना शुरू हो गया है।

शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे जीटी रोड के कोलकाता-दिल्ली लेन में आई-20 कार संख्या जेएच10 सिटी-0014 तेज गति से राज गंज की दिशा की ओर जा रही थी। इस दौरान कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे डिवाइडर पर जोरदार ठोकर मार दिया।

इससे कार के चारों चक्के ब्लास्ट हो गए। कार कई बार पलटी खाते हुई करीब तीन सौ मीटर आगे आकर सर्विस लेन में गिरी। सड़क दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार का दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला।

कार से एप्पल कंपनी का मोबाइल मिला। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। घायल दोनों युवकों को एसएनएमसीएच भेजा गया। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद धनबाद जिला चेंबर आफ कामर्स में शोक की लहर है। जानकारी मिलते ही बैंक मोड़ चेंबर के अध्यक्ष प्रमोद गोयल समेत अन्य पदाधिकारियों एवं व्यवसायियों का अस्पताल पहुंचना शुरू हो गया। व्यवसायी ने इस घटना पर शोक जता रहा है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत, तीसरे दिन मिली लाश

टंडवा। थाना क्षेत्र के पदमपुर गांव में तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिसकी पहचान गांव के गुलास भुइंया पिता स्व. नेमा भुइँया के रूप में हुई है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार वह शुक्रवार की शाम शौच करने के लिए तालाब के समीप गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह तालाब के गहरे पानी में डूब गया था। बताया गया कि कुछ लोगों ने उसे तालाब में उतरते देखा था। जिस कारण परिजनों ने संदेह के आधार पर दो दिनों तक तालाब में स्थानीय स्तर पर खोजबीन किया। दो दिनों तक शव नहीं मिलने के बाद परिजनों ने रविवार को प्रशासन को इसकी सूचना दी। इधर प्रशासन द्वारा शव निकालने की तैयारी चल रही थी इसी दौरान शव तालाब के सतह पर आ गया। इधर शव के बाहर आते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई।

इधर पुलिस ने शव को कब्जे में कर अंतिम परीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले को लेकर सीओ विजय दास ने कहा आपदा राहत के तहत मृतक के परिजन को चार लाख व पारिवारिक लाभ दिया जाएगा।

बारिश से निचली बस्तियों में जलजमाव, लोग हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में मानसून की जबरदस्त सक्रियता के चलते राजधानी रांची सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने सात जुलाई तक राज्य में भारी बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रांची, खूंटी, लातेहार, हजारीबाग और गुमला जिलों में बारिश के साथ-साथ तेज हवाओं और वज्रपात की चेतावनी दी गई है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि यह स्थिति बंगाल के उत्तर-पश्चिम हिस्से में बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन और अरब सागर से आ रही नमी की वजह से बनी है। आने वाले दिनों में दक्षिण-पश्चिम जिलों में मूसलधार बारिश जारी रहने की संभावना है। बारिश के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गिरने की आशंका भी बनी हुई है।

लगातार बारिश से राज्य की कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। खासकर खूंटी जिले की बनई और कोयल कर्रा नदियां उफान पर हैं। बीते दिनों पेलोल के पास बनई नदी पर बना पुल तेज बहाव के कारण ध्वस्त हो गया, जिससे इलाके के ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ रही है। स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

राजधानी रांची के कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भर जाने से लोग परेशान हैं। सड़कों पर इतना पानी भर गया है कि वे झील में तब्दील हो गई हैं।

जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि नगर निगम में चुनाव नहीं होने और पार्षदों के पावर सीज होने के कारण कोई सुनवाई नहीं हो रही है। नागरिकों ने यह भी कहा कि यदि चुनाव हो गए होते तो वे वार्ड पार्षद को अपनी समस्याएं बताते और समाधान की उम्मीद करते।

अपराधी हुए बेकाबू, फायरिंग कर फैलायी दहशत

लातेहार। झारखंड में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। लातेहार जिले के फुलबसिया रेलवे कोयला साइडिंग में बीती रात बेखौफ अपराधियों ने गोलीबारी कर दहशत का माहौल बना दिया। अपराधियों ने मौके पर खड़े एक हाईवा ट्रक को आग के हवाले कर दिया, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। इस वारदात के पीछे कुख्यात राहुल दुबे गैंग का नाम सामने आया है, जिसने न सिर्फ घटनास्थल पर एक हाथ से लिखा धमकी भरा पर्चा छोड़ा, बल्कि फेसबुक पोस्ट के जरिए भी खुली धमकियां दी हैं।

गवाहों के मुताबिक, अपराधियों ने घटनास्थल पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। ग्रामीणों ने डर के कारण खुलकर कुछ कहने से परहेज किया, लेकिन दबी जुबान से गोलीबारी की पुष्टि की। पुलिस को मौके से सात खोखे बरामद हुए हैं, जिनमें दो जिंदा कारतूस हैं। वारदात के बाद कोयला साइटिंग पर काम कर रहे ट्रांसपोर्टर, हाईवा मालिक और मजदूरों में भय का माहौल व्याप्त है।

जन्मदिन विशेष

आरसीबी के लिए शतक लगा चर्चा में आए बल्लेबाज के लिए टीम इंडिया अब भी दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। इस लीग ने कई प्रतिभावान युवा दिए हैं, जो भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाई पर ले गए हैं। ऐसे युवाओं में हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस कड़ी में अगला नाम बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल का हो सकता है।देवदत्त पड्डिकल का जन्म 7 जुलाई 2000 को एडापल, केरल में हुआ था। वह कर्नाटक की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। पड्डिकल एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी फॉर्मेट में, किसी भी स्थान पर खेलने की क्षमता रखते हैं। घरेलू क्रिकेट में बड़ा नाम बन चुके देवदत्त पड्डिकल आईपीएल 2021 में चर्चा में आए थे। आरसीबी के लिए खेलते हुए लगभग 21 साल की उम्र में इस खिलाड़ी ने शतक लगाया था। पड्डिकल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 52 गेंद पर 101 रन बनाए थे। इस पारी के बाद उनकी गिनती ऐसे युवाओं में होने लगी, जिन्हें भविष्य में भारतीय टीम के बड़े स्टार के रूप में देखा जाता है। हालांकि लगातार घरेलू क्रिकेट खेलने और अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद देवदत्त पड्डिकल को उतने मौके नहीं मिले, जितने मिलने चाहिए थे।पड्डिकल टेस्ट और टी20 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू कर चुके हैं। टेस्ट में उनका डेब्यू 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में हुआ था, जबकि टी20 डेब्यू उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2021 में किया था। अब तक 2 टेस्ट की 3 पारी में 90 और 2 टी20 में 38 रन उनके नाम दर्ज हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई ने बना दी जोड़ी, रिंग में लड़ते-लड़ते बन जीवनसाथी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के गलियारों से एक खुशखबरी आ रही है। रेसलर्स का आपस में शादी करना कोई नई बात नहीं है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं। ट्रिपल एच और स्टेफनी मैकमोहन इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। अब इस लिस्ट में कार्मेलो हेस और केलानी जॉर्डन का नाम भी जुड़ गया है।केलानी जॉर्डन ने अपने एक्स अकाउंट पर इस खबर को साझा किया। उन्होंने बताया कि हेस ने उन्हें 1 जुलाई को शादी के लिए प्रपोज किया था। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मैंने हां कहा! और मैं हर जन्म में हां कहूंगी। इस फोटो में दोनों अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। ब्लेक मोनरो, निया जैक्स और लोला वाइस जैसे डब्ल्यूडब्ल्यूई सितारों ने भी उन्हें बधाई दी है।जॉर्डन और हेस 2023 से रिलेशनशिप में हैं। दोनों का डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर भी काफी सफल रहा है। हेस आज दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा पहलवानों में से एक हैं। कंपनी को उनकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है। यही वजह है कि उन्होंने एनएक्सटी टाइटल जीता है। उन्होंने दो बार डब्ल्यूडब्ल्यूई नॉर्थ अमेरिकन चैंपियनशिप भी जीता है। इसके अलावा, उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई क्रूजवेट टाइटल भी अपने नाम किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में शादियां होना आम बात है। कई बड़े सितारे आपस में शादी कर चुके हैं।

भारत ने पहली बार हजार रन बनाए, गिल ने 11 छक्के लगाए

शुभमन गिल 1 टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय

7बर्मिंघम, एजेंसी। बर्मिंघम टेस्ट जीतने के लिए भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया। शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन भारत से शुभमन गिल ने 161 रन बनाए। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाए थे, इसी के साथ वे एक टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। टीम इंडिया ने टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 1014 रन बनाए। टेस्ट इतिहास में भारत ने पहली बार ही एक मैच में हजार रन का आंकड़ा पार किया।

शुभमन एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बना दिए। यह किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन हैं। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे। शुभमन 400 रन बनाने वाले पहले भारतीय शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 344 रन बनाए थे। तब गावस्कर ने पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाया था। गिल एक पारी में शतक और दूसरी में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे ही खिलाड़ी बने। शुभमन 1 टेस्ट में दूसरे हाईएस्ट स्कोरर शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड से महज 27 रन दूर रह गए। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ग्राहम गूच के नाम है। जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ ही 456 रन बनाए थे। शुभमन टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के 5वें ही प्लेयर बने।

इंडिया- इंग्लैंड:अंडर 19 क्रिकेट

वैभव सूर्यवंशी 162 गेंदों पर 322 रन बनाकर बने नंबर 1 बल्लेबाज, इंग्लैंड की धरती पर दिखाई 'दादागिरी'

भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम के 14 साल के ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की इंग्लैंड की धरती पर दादागिरी जारी है। वैभव ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के पहले 4 मैचों में अपने बल्ले का धमाल दिखाया है और इस सीरीज के चौथे मुकाबले में उन्होंने शानदार शतकीय पारी भी खेली।वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में 52 गेंदों पर शतक लगाया और फिर 78 गेंदों पर 143 रन ठोक डाले। यूथ वनडे क्रिकेट में वैभव भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले बैटर भी बने साथ ही साथ इस टूर्नामेंट में पहला शतक लगाने का भी कमाल किया। इस शतक के दम पर वो इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले नंबर पर भी आ गए। वैभव सूर्यवंशी इस वनडे सीरीज के पहले 4 मैचों में 162 गेंदों का सामना कर चुके हैं और उन्होंने कुल 322 रन बनाए हैं। वैभव भारत की तरफ से भी इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर हैं। उन्होंने इन 4 वनडे मुकाबलों में अब तक 198.76 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं साथ ही साथ उनका इन मैचों में औसत 80.50 का रहा है। उन्होंने 4 मैचों में एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है जबकि उनका बेस्ट स्कोर 143 रन है। वैभव ने इस सीरीज के पहले 4 मैचों में 27 छक्के और 27 चौके भी लगाए हैं। पहले 4 मैचों में वैभव के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने पहले मैच में 19 गेंदों पर 48 रन जबकि दूसरे मैच में 34 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली थी।

नीरज चोपड़ा ने हासिल किया एनसी क्लासिक का खिताब, 86.18 मीटर थ्रो के साथ जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ एनसी क्लासिक 2025 का खिताब अपने नाम किया।

जूलियस येगो को रजत, रुमेश पथिरागे को कांस्य

केन्या के अनुभवी एथलीट जूलियस येगो ने 84.51 मीटर की दूरी तक भाला फेंका और दूसरा स्थान हासिल किया। येगो का यह सर्वश्रेष्ठ प्रयास चौथे राउंड में आया। वहीं, श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 80.10 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

अनिमेष कुजूर-मोहम्मद अफसल का कमाल, यूरोप में अलग-अलग स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े

मोहम्मद अफसल ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनान के सोटिरियोस गारगागनिस (10.23 सेकेंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकेंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यूनान में ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिलेज मीटिंग प्रतियोगिता में 10.18 सेकेंड के शानदार समय के साथ 100 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 22 वर्षीय कुजूर ने यूनान की राजधानी एथेंस में गुरिंदरवीर सिंह के 100 मीटर के पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.20 सेकेंड को बेहतर बनाया।

यूनान के सोटिरियोस गारगागनिस (10.23 सेकेंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकेंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कुजूर के नाम अब 100 मीटर और 200 मीटर दोनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। उन्होंने मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पुरुषों की 200 मीटर फ़ाइनल में 20.32 सेकेंड का समय निकाल पिछ्ला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

इससे पहले एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मोहम्मद अफसल ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और पोलैंड के पोजनान में मेमोरियल चेस्लावा साइबुलस्कीगो में पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1ः45 मिनट के अंदर का समय निकालने वाले पहले भारतीय बन गए। अफसल ने हांग्झोउ में 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1:44.96 मिनट का समय निकाला और टूर्नामेंट की हीट ए 1 में छठे स्थान पर रहे।

जोकोविच की खास उपलब्धि, विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लंदन, एजेंसी। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं। अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं।

बर्मिंघम टेस्ट में आकाशदीप के सामने इंग्लैंड बल्लेबाज पस्त

इंग्लैंड को 90 ओवर में 536 रन की थी जरूरत

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत स्थिति में हैं। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया है। बर्मिंघम में आसमान पर आकाश दीप ने अपनी चमक दिखाई और 5 विकेट लिए। रविवार को मैच का आखिरी दिन था। फिलहाल, बर्मिंघम में रुक-रुककर बारिश हो रही थी इसीलिए मैच देर से शुरु हुआ था। इंग्लैंड को 90 ओवर के खेल में 536 रन बनाने हैं, जबकि भारतीय टीम जीत से 6 विकेट दूर थी। 4 विकेट गिर चुके थे। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 92 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन पर नाबाद लौटे। आकाश दीप ने जो रूट (6 रन) और बेन डकेट (25 रन) को बोल्ड किया। जबकि मोहम्मद सिराज ने जैक क्रॉली (शून्य) का विकेट लिया।

इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौटी

आकाशदीप की शानदार गेंदबाजी के दम पर टीम इंडिया ने इंग्लैंड की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया है। आकाशदीप ने आखिरी दिन का खेल शुरू होते ही पहले ओली पोप को पवेलियन भेजा इसके बाद उन्होंने उन्होंने 11वें ओवर में हैरी ब्रूक को एलबीडब्ल्यू किया। इंग्लैंड के अब 5 विकेट गिर चुके हैं।

बारिश रुकते ही टीम इंडिया को मिला विकेट

इंग्लैंड में बारिश रुकने के बाद टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच खेल शुरू हो चुका है. इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 600 रन से भी अधिक स्कोर चाहिए. इंग्लैंड ने उतरते ही अपना 1 विकेट खो दिया। आकाशदीप ने ओली पोप को पवेलियन भेजा। नए बल्लेबाज के रुप में बेन स्टोक्स आए हैं.इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में शतक जमाने वाले कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में ऐताहासिक पारी खेल इतिहास रच दिया। पहली पारी में 269 रन की पारी खेलने वाले इस खिलाड़ी ने दूसरी पारी में 161 रन बना डाले. एक मैच में 430 रन बनाकर उन्होंने इतिहास रच दिया। शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ग्राहम गूच के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं. वहीं एक मैच में डबल सेंचुरी और सेंचुरी लगाने वाले वो सुनील गावस्कर के बाद दूसरे भारतीय हैं।

सावधान! हफ्ते भर खूब बरसेंगे बदरा; एमपी-बंगाल से ओडिशा तक अलर्ट, तेज हवाएं भी चलेंगी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के विभिन्न हिस्सों में मॉनसून की सक्रियता के कारण अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति के करीब है। इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश में 6 से 11 जुलाई तक को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 6 से 8 जुलाई तक भारी बारिश होगी, जिसमें छत्तीसगढ़ में 6 से 7 जुलाई और विदर्भ में 7 व 8 जुलाई को बहुत भारी बारिश के आसार हैं। इसके अलावा, पूर्वी और मध्य भारत में अगले सात दिनों तक गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं की संभावना है।

राजस्थान में दक्षिण पश्चिमी मॉनसून की सक्रियता जारी है। शनिवार दिन में सीकर में सबसे अधिक 45 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कुछ हिस्सों में रविवार से बारिश की गतिविधियां कम हो सकती हैं। मौमस विभाग के अनुसार, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में मध्यम दर्जे की बारिश आगामी 2-3 दिन हो सकती है। जोधपुर संभाग के कुछ भागों में 6 जुलाई से बारिश की गतिविधियों में कमी होगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार को राज्य में कई स्थानों पर बादल गरजने के साथ बारिश हुई। इस दौरान सीकर में 45 मिलीमीटर, वनस्थली में 26 मिलीमीटर, जयपुर में 14 मिलीमीटर, कोटा में 7.2 मिलीमीटर, फतेहपुर में 7 मिलीमीटर बारिश हुई। कई और जगह भी बूंदाबांदी व बारिश हुई।

पश्चिम बंगाल के गांगेय क्षेत्र में कम दबाव बनने की संभावना है, जिससे राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। पुरुलिया, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों के कुछ हिस्सों में 7 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिम वर्धमान, पूर्व मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और बांकुड़ा जिलों में भी 7 से 11 सेमी तक भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल में गंगा के तटीय क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने और मजबूत मानसून प्रवाह के कारण इन जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होगी। आईएमडी ने कहा कि उपहिमालयी जिलों दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार के कुछ हिस्सों में 10 जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण 260 से अधिक सड़कें बंद हैं जिनमें से 176 अवरुद्ध सड़कें अकेले मंडी जिले में हैं। स्थानीय मौसम विभाग ने रविवार को कांगड़ा, सिरमौर और मंडी जिलों के कुछ स्थानों पर अत्याधिक बारिश की आशंका जताते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया है।

दिल्ली के कई इलाकों में बारिश

दिल्ली में मॉनसून ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई है। भारतीय मौसम विभाग ने 5 जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक दिल्ली एनसीआर में लगातार बारिश होने की चेतावनी जारी की है। 6 जुलाई यानी आज दोपहर में आंधी तूफान आने की भी संभावना है। आईएमडी ने 6 जुलाई के लिए पहले ही येलो अलर्ट जारी कर दिया था। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 6 जुलाई को दोपहर, शाम और रात में गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। साथ ही तेज हवाएं भी चल सकती है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 6 जुलाई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 7 जुलाई को आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा और मध्यम बारिश की संभावना है। इस दिन के लिए गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी की भविष्यवाणी के अनुसार, 9 से लेकर 11 जुलाई को भी दिल्ली एनसीआर आंधी तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

तिहाड़ से बाहर आया सीरियल किलर सोहराब फरार, दिल्ली की जेल में मचा हड़कंप

नईदिल्ली, एजेंसी। तिहाड़ जेल में सजा काट रहा सीरियल किलर सोहराब फरार हो गया है। सोहराब तीन दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन वापस जेल नहीं लौटा। जेल प्रशासन लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर सोहराब को ढूंढ रही है। मिली जानकारी के अनुसार, सोहराब को तीन दिन के लिए पैरोल पर तिहाड़ से बाहर निकाला गया था। लखनऊ में पत्नी से मुलाकात के बाद सोहराब को दिल्ली की तिहाड़ जेल पहुंचना था, लेकिन वो नहीं पहुंचा। इससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और उसकी तलाश शुरू कर दी गई। जेल प्रशासन ने लखनऊ पुलिस से संपर्क किया और सोहराब को बरामद करने का प्रयास तेज कर दिया है। सोहराब एक खतरनाक अपराधी और सीरियल किलर है। उसने कई हत्याओं को अंजाम दिया है। सोहराब ने समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान लखनऊ के सआदतगंज में पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती की भी हत्या करवा दी थी। इस दौरान वो जेल में बंद था, लेकिन हत्या के लिए पूरा प्लान करने के बाद अंजाम दे दिया था। इसके अलावा सोहराब पूर्व पार्षद की हत्या की साजिश में भी शामिल रहा है। सोहराब ने लखनऊ के अमीनाबाद में बीजेपी के पार्षद पप्पू पांडे की शूटर को सुपारी देकर हत्या करवा दी थी। मामला साल 2005 का है। सोहराब के छोटे भाई शहजादे की लखनऊ के हुसैनगंज में हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद से ही सोहराब के साथ उसके दो भाइयों के सिर पर खून सवार था। रमजान में हुई भाई की हत्या का बदला तीनों ने एक साल बाद लिया। भाई की हत्या के एक साल बाद ईद वाले दिन तीनों भाइयों, सोहराब, सलीम और रुस्तम ने अपने भाई के हत्यारों की हत्या कर दी थी। हत्या करने से पहले सोहराब ने लखनऊ के तत्कालीन एसएसपी को फोन करके कहा था कि अपने भाई की मौत का बदला लेने जा रहा हूं, रोक सको तो रोक लो। इसके बाद तीनों ने अपने भाई के हत्यारों को ईद के दिन मौत के घाट उतार दिया था। अब सोहराब पैरोल पर बाहर तो निकला, लेकिन पैरोल का समय खत्म होने के बाद भी तिहाड़ नहीं पहुंचा। इस मामले की सूचना जब जेल प्रशासन को हुई तो उनके हाथ-पांव फूलने लगे। तिहाड़ जेल प्रशासन ने तुरंत लखनऊ पुलिस को संपर्क किया और सोहराब को ढूंढने का काम शुरू कर दिया।

गला कटने के बाद भी जिंदा था कृष, कैसे पहुंच गया बाथरूम

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों दिल्ली के लाजपतनगर में एक खौफनाक घटना सामने आई। यहां घर में काम करने वाले एक नौकर ने मां और उनके बेटे की गला काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी नौकर मुकेश को गिरफ्तार कर लिया है। मुकेश ने इस मामले को लेकर नया खुलासा किया है। मुकेश ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसने पहले रुचिका का गला काटा उसके बाद बेटे कृष के गले पर भी छुरी चला दी। मुकेश ने बताया कि उसने कृष का गला उसके कमरे में ही काटा था और जब वह घर से बाहर निकला तब तक कृष जिंदा था। ऐसे में एक सवाल सामने आया कि जब मुकेश ने कमरे में कृष का गला काटा तो वो बाथरूम में कैसे पहुंच गया। मुकेश ने पहले मां रुचिका का गला काटा और फिर गवाह को खत्म करने के लिए बेटे का गला भी रेत दिया। मुकेश ने बताया कि जब दोनों की हत्या करने के बाद घर से निकला, तब तक कृष जिंदा था। मुकेश ने बताया कि उसने कृष का गला उसके रूम में रेत दिया था। इस मामले पर पुलिस का कहना है कि गला कटने के बाद पानी पीने के प्रयास में कृष बाथरूम तक गया होगा और वहीं दम तोड़ दिया होगा। मुकेश ने मां और बेटे दोनों की हत्या की बात कबूल ली है। मुकेश ने यह भी बताया कि उसने हत्या करने के लिए किचन वाला चाकू अपने घर से ही लेकर आया था। मुकेश ने बताया कि उससे उधार दिए 45 हजार रुपए और दो फोन बार-बार मांग रहे थे और इसको लेकर डांटा भी था और जॉब छोड़ देने के लिए कहा था, इसलिए उसने पहले रुचिका का गला रेता और फिर गवाह ना बचे इसलिए बेटे कृष को भी मौत के घाट उतार दिया।

नीतीश-भाजपा ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका मर्डर केस को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सत्तारूढ़ भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दोनों ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। राहुल गांधी ने आज सुबह ट्वीट कर बिहार के लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सरकार को निशाने पर लिया है। राहुल गांधी ने लिखा, पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है - भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है - और सरकार पूरी तरह नाकाम। उन्होंने बिहार के लोगों से अपील करते हुए कहा, बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। आपको बता दें कि बिहार के जाने-माने व्यवसायी गोपाल खेमका की यहां उनके आवास के निकट मोटरसाइकिल सवार हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सात साल पहले हाजीपुर में बदमाशों ने उनके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर गांधी मैदान इलाके इलाके में जब गोपाल खेमका अपनी कार से उतरने वाले थे तब उसकी हत्या कर दी गयी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की और उस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया। गोपाल खेमका कथित रूप से भाजपा से संबद्ध थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कानून व्यवस्था राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नूंह में बैठकर चलाते थे एटीएम लूट गिरोह, कई राज्यों में वारदात; दबोचे गए मियां-बीवी

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के नूंह से पुलिस ने एक दंपति को गिरफ्तार किया है। ये दोनों यहां से एटीएम लूट गिरोह चलाते थे। इनका गिरोह एटीएम काटने में माहिर है। इस गिरोह ने कई राज्यों में वारदातों को अंजाम दिया है। पुणे में एटीएम लूटने की कोशिश कर रहे गिरोह के दो सदस्यों के पकड़े जाने के बाद इस गिरोह का खुलासा हुआ। महाराष्ट्र पुलिस ने कई राज्यों में एटीएम काटने वाले गिरोह को चलाने के आरोप में नूंह से एक पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पुणे में एटीएम लूटने की कोशिश कर रहे गिरोह के दो सदस्यों को रंगे हाथों गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। महिला शबनम उर्फ सीमा पुणे की रहने वाली है, जबकि उसका पति यूसुफ नूंह का रहने वाला है। यहां वे किराए के मकान में रहते थे। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवाड़ में देहू रोड थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर वहाब शेख ने बताया कि करीब चार महीने पहले दंपति ने पुणे के देहू रोड थाना में एक एटीएम से 14 लाख रुपए लूट लिए थे। तब से पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। एक वरिष्ठ जांच अधिकारी ने बताया कि सीमा अक्सर पुणे और मुंबई के बीच यात्रा करती थी। मुंबई में उसकी मुलाकात यूसुफ से हुई, जो वहां कपड़े बेचता था। उन्होंने बताया कि दोनों में प्यार हो गया और उन्होंने शादी कर ली। इसके बाद सीमा ने अपनी पहचान बदलकर शबनम बन गई और यूसुफ के साथ नूंह में रहने लगी। यहां उन्होंने एटीएम लूटने के लिए एक गिरोह बनाया। इंस्पेक्टर शेख ने बताया कि यह गिरोह एटीएम काटने में माहिर है। पूछताछ के बाद नूंह के कई अन्य लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में इस गिरोह द्वारा की गई।

लोग कह रहे थे मत लड़ो; अवध ओझा ने माना सिसोदिया वाली सीट पर खराब थी आप की हालत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के कई महीनों बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और मशहूर कोचिंग टीचर अवध ओझा ने पटपड़गंज सीट से अपनी हार को लेकर कई बड़ी बातें कही हैं। ओझा ने यह भी माना कि आप के लिए परिस्थिति ठीक नहीं थी। मनीष सिसोदिया की छोड़ी सीट पर लड़े ओझा ने कहा कि लोग उन्हें यहां से लड़ने को मना कर रहे थे और उनसे कहते थे कि 500 वोट आएंगे।

अवध ओझा ने हाल ही में एक कोचिंग क्लास के दौरान विधानसभा चुनाव में अपनी लड़ाई का जिक्र किया। वह क्लास में यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि हार-जीत की चिंता छोड़कर लड़ना जरूरी है, क्योंकि लड़ने वालों का ही नाम होता है। विधानसभा चुनाव के दौरान आप में शामिल होकर अवध ओझा दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की सीट पर लड़े पर उन्हें भाजपा उम्मीदवार रविंद्र सिंह नेगी उर्फ रवि नेगी से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। नेगी ने 2020 के चुनाव में सिसोदिया को भी कड़ी टक्कर दी थी। ओझा ने कहा कि लोग उन्हें पटपड़गंज से लड़ने को मना कर रहे थे। पटपड़गंज के लोग भी उन्हें बता रहे थे कि स्थिति खराब है। उन्होंने कहा, मुझसे बहुत लोगों ने कहा मास्टर... मैंने कहा चुप लड़ना है। लड़ गए। ऐसी पार्टी से लड़े जहां ऑड सिजुएशन थी। ईवन वाले से भी लड़ सकते थे। जितने लोग इस क्षेत्र में थे कह रहे थे कि 500 वोट मिलेगा। मैंने कहा कोई बात नहीं उतरें तो, बल्ला-वल्ला उठाने दो, पैड पहनने दो, ग्राउंड पर तो उतरें तो। लोग बोले बहुत खतरनाक बॉलर है पूरा ओपर योरकर मारता है।

ओझा ने कहा कि उन्होंने चुनाव के दौरान बहुत मेहनत की। हर आदमी से मिले। सिर्फ चार घंटे सोते थे। इतिहास में दो ही लोगों को नाम है, अकबर और महाराणा प्रताप क्योंकि दोनों लड़े। मैं दूसरे नंबर पर रहा। पहली बार चुनाव लड़ा। नेगी को मजबूत उम्मीदवार बताते हुए ओझा ने कहा,मुझसे जो लड़ा वह विधायक रहा, दो बार वार्ड पार्षद रहा।

इजरायल से युद्ध के बाद पहली बार दिखे अली खामनेई, कहां छिपे थे ईरान के सुप्रीम लीडर?

तेहरान , एजेंसी। इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई शनिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे हैं। वह आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। खामेनेई के सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने से नेतृत्व पर सवाल उठने लगे थे।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी राज्य टेलीविजन ने अशूरा के मौके पर आयोजित एक बड़े धार्मिक कार्यक्रम की फुटेज प्रसारित की, जिसमें खामेनेई काले पारंपरिक वस्त्रों में कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करते दिखाई दिए। उपस्थित लोगों ने 'लब्बैक या हुसैन' के नारे लगाए और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह सार्वजनिक उपस्थिति 13 जून को शुरू हुई जंग के बाद पहली बार है, जब खामेनेई किसी जनसमूह के बीच नजर आए। इस दौरान उन्होंने कोई प्रत्यक्ष बयान नहीं दिया था और ना ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे ते। उन्होंने रिकॉर्डेड वीडियो संदेशों के जरिए ही जनता से संवाद किया था। ईरानी अधिकारियों ने पहले कहा था कि खामेनेई की गैर-मौजूदगी सुरक्षा कारणों से थी। युद्ध के पहले कुछ दिनों में जब इजरायली हवाई हमले अपने चरम पर थे, तब उनकी सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए उन्हें सार्वजनिक उपस्थिति से दूर कर दिया गया। विपक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच यह चर्चा जोरों पर थी कि खामेनेई किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर हैं। हालांकि, ईरानी प्रशासन ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि वे स्वस्थ और नियंत्रण में हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक, गोल्फ क्लब के ऊपर आया विमान; एफ-16 ने खदेड़ दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में भारी चूक की घटना सामने आई है। अमेरिकी वायु रक्षा एजेंसी नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने शनिवार को एक नागरिक विमान को एफ-16 फाइटर जेट की मदद से इंटरसेप्ट किया। यह विमान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेडमिंस्टर स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर से उड़ान भर रहा था, जो कि उस समय अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था। नोराद के मुताबिक, यह दिन भर में पांचवीं ऐसी घुसपैठ थी। इंटरसेप्ट के दौरान एफ-16 ने हेडबट रणनीति अपनाई, जिसमें लड़ाकू विमान नागरिक विमान के आगे उड़ता है ताकि उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से वर्जित हवाई क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया। आपको बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों छुट्टियां मनाने के लिए न्यू जर्सी में हैं। उनकी मौजूदगी के चलते यह हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से ट्रंप की सुरक्षा या कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा। इससे पहले मार्च महीने में भी फ्लोरिडा में उनके निवास मार-ए-लागो के ऊपर नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन हुआ था। तब भी एफ-16 विमानों को भेजा गया था और फ्लेयर छोड़कर नागरिक विमान को चेतावनी दी गई थी। नोराद ने बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है और सभी पायलटों से आग्रह किया है कि वे उड़ान भरने से पहले नोटिस टू एयरमेन और ञ्ञक्रटेम्पररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन की जानकारी अवश्य लें। कमांडर जनरल ग्रेगरी गिलॉट ने कहा, ञ्ञक्रनियमों का पालन आवश्यक है ताकि विमानन सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जनवरी 2025 से अब तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें नागरिक विमानों ने जानबूझकर या अनजाने में नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन किया है।

ट्रंप को अब सीधी टक्कर देंगे एलन मस्क, नए दल का किया ऐलान; नाम रखा- अमेरिका पार्टी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में तीसरे दल की संभावनाओं को लेकर जारी अटकलों के बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से एक नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया। यह घोषणा मस्क ने एक्स पर एक दिन पहले पार्टी को लेकर कराए गए पोल के बाद की है। अपने पोस्ट में एलन मस्क ने लिखा, 2-1 के अंतर से आपने नया राजनीतिक दल चाहा और आपको मिलेगा! आज अमेरिका पार्टी बनाई जा रही है ताकि आपकी आजादी आपको लौटाई जा सके। यह ऐलान ऐसे समय पर हुआ है जब एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव अपने चरम पर है। कभी ट्रंप के करीबी माने जाने वाले मस्क ने हाल ही में उनकी महा खर्चीली 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' की तीखी आलोचना की थी। एलन मस्क ने ट्रंप के पिछले चुनाव प्रचार के दौरान करोड़ों डॉलर की मदद की थी। उनके कार्यकाल में बनी डीओजीई के प्रमुख भी रहे थे। लेकिन ट्रंप द्वारा हाल ही में बड़े पैमाने पर टैक्स कट और खर्चे वाले बिल पर हस्ताक्षर करने के बाद दोनों के बीच संबंध पूरी तरह टूट गए। एलन मस्क ने उस विधेयक को अमेरिका के लिए खतरा करार दिया और ऐलान किया कि वे उन सांसदों के खिलाफ खुलकर चुनावी लड़ाई में पैसे झोंकेंगे, जिन्होंने बिल को समर्थन दिया। इसके जवाब में ट्रंप ने धमकी दी कि वे एलन मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सरकारी सब्सिडी बंद कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने यह कह दिया कि वे एलन मस्क को अमेरिका से निर्वासित करने पर विचार कर सकते हैं। अमेरिका की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एलन मस्क ने एक्स पर एक पोल जारी किया था। उन्होंने लोगों से पूछा था, क्या आप अमेरिका की दो-दलीय व्यवस्था से आजादी चाहते हैं? इस पोल में 12 लाख से अधिक यूजर्स ने भाग लिया और भारी बहुमत से अपना समर्थन दिया। रिपब्लिकन पार्टी को आशंका है कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच यह 'पब्लिक ब्रेकअप' उनकी पार्टी को 2026 के मिड-टर्म चुनावों में भारी नुकसान पहुंचा सकता है। अगर एलन मस्क अपने प्रभावशाली तकनीकी नेटवर्क और धनबल से रिपब्लिकन उम्मीदवारों के खिलाफ उतरते हैं तो पार्टी की संसदीय बहुमत खतरे में पड़ सकती है। एलन मस्क ने फिलहाल अपनी नई पार्टी के विस्तृत एजेंडे का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने यह साफ किया है कि यह पार्टी राजनीतिक स्वतंत्रता और सिस्टम से आजादी की बात करेगी। दोनों प्रमुख दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स) की विफलताओं को चुनौती देगी। टैक्सपेयर के पैसों के इस्तेमाल, शासन कुशलता और टेक्नोलॉजी आधारित गवर्नेंस पर फोकस करेगी।

मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन सतर्क, विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर डीसी-एसपी ने किया क्षेत्र भ्रमण

डीसी - एसपी ने जिले के कंपोजिट कंट्रोल रूम का भी किया निरीक्षण, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे जिले की स्थिति का लिया जायजा

पदाधिकारियों की टीम ने चास के आइटीआइ मोड़, पुपुनकी, भर्रा बस्ती, रितुडीह, सिवनडीह आदि क्षेत्रों का किया भ्रमण

समाज के लोगों से किया संवाद, आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में की पर्व मनाने की अपील

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिला कंपोजिट कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जिले के विभिन्न संवेदनशील स्थलों की निगरानी की जा रही है। रविवार को उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने कंट्रोल रूम में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों से अब तक की विधि-व्यवस्था की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस अवसर पर डीसी-एसपी ने क्रमवार चास अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस क्रम में पदाधिकारियों की टीम ने पुपुनकी, भर्रा, सिवनडीह एवं रितुडीह समेत कई अन्य इलाकों का भ्रमण किया। टीम ने अखाड़ा जुलूस स्थलों पर विधि-व्यवस्था का जायजा लिया तथा वहां तैनात प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। साथ ही, डीसी-एसपी ने समाज के प्रबुद्धजनों एवं पर्व आयोजकों से संवाद करते हुए आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की। समाज के लोगों से संवाद के दौरान डीसी ने कहा कि मुहर्रम हमें बलिदान, सब्र और इंसाफ की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। सभी लोग इस पर्व को शांति, सौहार्द और एकता के साथ मनाएं। वहीं, एसपी ने मेडिकल टीम एवं स्वयंसेवकों को पूर्ण सतर्कता बरतने का निर्देश दिया ताकि जुलूस/आखाड़ा खेल के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। डीसी-एसपी ने रितुडीह एवं सिवनडीह में स्थापित मिनी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। जहां प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों से विधि व्यवस्था की अद्यतन जानकारी प्राप्त की गई। सभी को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। जिला नियंत्रण कक्ष के लगातार संपर्क में रहने को कहा। वहीं, डीसी-एसपी व अन्य पदाधिकारियों ने सिवनडीह स्थित कर्बला मैदान का भी भ्रमण किया। आयोजन के केंद्रीय समिति सदस्यों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहा कि सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन की कड़ी नजर है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली या अफवाह फैलाने वाली किसी भी पोस्ट पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति की पहचान कर विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसलिए इस तरह की कोई हड़कत नहीं करें। मौके पर उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चास श्री प्रवीण कुमार, सिटी डीएसपी श्री आलोक रंजन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी - पुलिस पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर 2ए में संगोष्ठी सह कवि गोष्ठी आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, बोकारो ने सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर 2ए संगोष्ठी सह कवि गोष्ठी आयोजित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जगन्नाथ शाही ने कहा - संघ के कार्यकर्ता घर-घर प्रवास कर जन-जन को राष्ट्रहित में जोड़ने का प्रयत्न कर रहे हैं। आज संघ पञ्च परिवर्तन को प्रत्येक जन- मन में राष्ट्रहित में सकारात्मक भाव जागरण करने को थाना है। आज संघ राष्ट्र सर्वोपरि को उद्देश्य मन कर प्रत्येक जन के मन में राष्ट्रहित में सकारात्मक भाव भरने को ठाना है। इसमें स्व का बोध देश की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है पहले स्व का बोध हो फिर आत्मबोध हो फिर समाज बोध हो कुटुंब प्रबोधन हो और जब ऐसा होगा तो राष्ट्र का बोध स्वतः उत्पन्न हो जाएगा। भारत की संतान अमृत की संतान होती है जो कभी भी समाप्त नहीं होने वाली है।छोटे-छोटे थपेड़ों से रोम, मिश्र और यूनान सब मिट गए परंतु भारत आज भी सीना ताने हुए खड़ा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन पुत्र बादल जी ने कहा साहित्य समाज के लिए जिस जिस चीज की आवश्यकता होती है वह सब करता है। ऋग्वेद विश्व का प्राचीनतम साहित्य है जो समाज में न्यूनता को समाप्त करता है महानता को उत्पन्न करता है। दीप प्रज्वलन तथा अतिथियों का सम्मान कार्यक्रम के बाद प्रांत के कोने-कोने से आए साहित्यकारों और कवियों का स्वागत करते हुए बोकारो जिला के परिषद के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र कुमार राय ने कहा साहित्य समाज और राष्ट्र की दिशा तय करता है। चंद वरदाई ने अपने काव्य के माध्यम से पृथ्वीराज चौहान के शत्रु का वध करा दिया जब-जब राजनीति डगमगाती है तो साहित्य ही उसका संबल होता है। दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता बैजनाथ सिंह ने कहा -साहित्य राष्ट्र को सर्वोत्तम शिखर पर पहुंचा सकता है यदि वह राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर लिखा जाए। क्षेत्रीय भाषा के कवि शिरोमणि राम महतो, डॉ. मुकुंद रविदास, अमन कुमार झा , डॉ सत्यदेव तिवारी श्याम कुमार भारती ,डॉ नागेश्वर महतो, डॉ बासु बिहारी,डॉक्टर शिव कुमार डांगी , महादेव डुंगरियार आदि क्षेत्रीय भाषा के कवियों को सम्मानित किया गया। बाद में प्रांत के कोने-कोने से आए हुए कवियों और साहित्यकारों ने अपनी अपनी कविता का पाठ किया। तथा सबको अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में गीता कुमारी, कनकलता राय, अमृता शर्मा, ज्योति वर्मा, कस्तूरी सिन्हा, रेणुका सिन्हा, गंगेश पाठक डॉ उमाशंकर प्रसाद, विनय तिवारी, रजत सिन्हा, डॉ आशा पुष्प, ज्योतिर्मय डे, दीनानाथ, विजय कुमार भारती, कल्पना केशर, रिंकू गिरि, ब्रह्मानंद गोस्वामी, डॉ रवि शंकर शाह, के के कमलेंदु विजयप्रसाद शुक्ला, डॉक्टर के दी शरद, डॉ किरण कुमारी, डॉ अरविंद कुमार डॉ विनोद कुमार, आदि अनेक कवियों ने कविता पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन कस्तूरी सिन्हा तथा अध्यक्षीय भाषण परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सिंह ने दिया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, बोकारो ने सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर 2ए संगोष्ठी सह कवि गोष्ठी आयोजित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगन्नाथ शाही ने कहा - संघ के कार्यकर्ता घर-घर प्रवास कर जन-जन को राष्ट्रहित में जोड़ने का प्रयत्न कर रहे हैं। आज संघ पञ्च परिवर्तन को प्रत्येक जन-मन में राष्ट्रहित में सकारात्मक भाव जागरण करने को थाना है। आज संघ राष्ट्र सर्वोपरि को उद्देश्य मन कर प्रत्येक जन के मन में राष्ट्रहित में सकारात्मक भाव भरने को ठाना है। इसमें स्व का बोध देश की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है पहले स्व का बोध हो फिर आत्मबोध हो फिर समाज बोध हो कुटुंब प्रबोधन हो और जब ऐसा होगा तो राष्ट्र का बोध स्वतः उत्पन्न हो जाएगा। भारत की संतान अमृत की संतान होती है जो कभी भी समाप्त नहीं होने वाली है। छोटे-छोटे थपेड़ों से रोम, मिश्र और यूनान सब मिट गए परंतु भारत आज भी सीना ताने हुए खड़ा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन पुत्र बादल जी ने कहा साहित्य समाज के लिए जिस जिस चीज की आवश्यकता होती है वह सब करता है। ऋग्वेद विश्व का प्राचीनतम साहित्य है जो समाज में न्यूनता को समाप्त करता है महानता को उत्पन्न करता है। दीप प्रज्वलन तथा अतिथियों का सम्मान कार्यक्रम के बाद प्रांत के कोने-कोने से आए साहित्यकारों और कवियों का स्वागत करते हुए बोकारो जिला के परिषद के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र कुमार राय ने कहा साहित्य समाज और राष्ट्र की दिशा तय करता है। चंद वरदाई ने अपने काव्य के माध्यम से पृथ्वीराज चौहान के शत्रु का वध करा दिया जब-जब राजनीति डगमगाती है तो साहित्य ही उसका संबल होता है। दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता बैजनाथ सिंह ने कहा -साहित्य राष्ट्र को सर्वोत्तम शिखर पर पहुंचा सकता है यदि वह राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर लिखा जाए। क्षेत्रीय भाषा के कवि शिरोमणि राम महतो, डॉ. मुकुंद रविदास, अमन कुमार झा , श्याम कुमार भारती ,डॉ नागेश्वर महतो, डॉ बासु बिहारी,डॉक्टर शिव कुमार डांगी , महादेव डुंगरियार आदि क्षेत्रीय भाषा के कवियों को सम्मानित किया गया। बाद में प्रांत के कोने-कोने से आए हुए कवियों और साहित्यकारों ने अपनी अपनी कविता का पाठ किया। तथा सबको अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में गीता कुमारी, कनकलता राय ,अमृता शर्मा, ज्योति वर्मा, कस्तूरी सिन्हा, रेणुका सिन्हा, डॉ उमाशंकर प्रसाद, विनय तिवारी, रजत सिन्हा, डॉ आशा पुष्प, ज्योतिर्मय डे, दीनानाथ, विजय कुमार भारती, कल्पना केशर , रिंकू गिरि, ब्रह्मानंद गोस्वामी , डॉ रवि शंकर शाह, के के कमलेंदु विजयप्रसाद शुक्ला, डॉक्टर के दी शरद, डॉ किरण कुमारी, डॉ अरविंद कुमार डॉ विनोद कुमार, आदि अनेक कवियों ने कविता पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन कस्तूरी सिन्हा तथा अध्यक्षीय भाषण परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सिंह ने दिया।

मुहर्रम कमिटी ने अंगवस्त्र देकर किया उपायुक्त का स्वागत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने मुहर्रम को लेकर रविवार को वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार के साथ जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी से तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही लोगों से शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में तथा सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। सबसे पहले उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक बैंक मोड़ के करबला रोड स्थित करबला पहुंचे। यहां धनबाद करबला वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों से मिलकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद सभी पांडरपाला और वहां से भूली पहुंचे। भूली से बिनोद बिहारी चौक, शक्ति महतो चौक, तेतुलमारी, जोगता, अंगार पथरा होते हुए कतरास के पंचगढ़ी पहुंचे। यहां पदाधिकारियों ने दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ तैयारी की समीक्षा की। कतरास में मुहर्रम कमिटी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर उपायुक्त का स्वागत किया। इसके बाद सभी छाताबाद, लोयाबाद, पुटकी, केंदुआडीह होते हुए झरिया पहुंचे। झरिया से इंदिरा चौक, हनुमान गढ़ी, भागा, फुसबंगला, जियलगोरा, पाथरडीह, लोदना मोड़, जोरापोखर, सुदामडीह, चासनाला, सिंदरी, बलियापुर, कलियासोल, कालुबथान, पंचेत, चिरकुंडा, गलफरबाड़ी, मुगमा, मैथन, निरसा बाजार, गोविंदपुर, सरायढेला स्टील गेट होते हुए धनबाद पहुंचे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर मौजूद रहकर कर्तव्य का अच्छे से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही अखाड़ा समितियों को जुलूस निकालते समय निर्धारित मार्ग का प्रयोग करने तथा जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में दिए गए निदेशों का पालन करने का अनुरोध किया। वरीय पुलिस अधीक्षक ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में सभी जगह पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद हैं। प्रशासन ने शातिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराने के लिए मुकम्मल तैयारी की है। सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है। मौके पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, प्रभारी एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, एसडीपीओ निरसा रजत मणिक बाखला, एसडीपीओ बाघमारा पुरषोत्तम कुमार सिंह, संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, संबंधित अंचल के अंचल अधिकारी, संबंधित थाना के थाना प्रभारी मौजूद रहे।

शिरोमणि सेवा ट्रस्ट ने स्थापना दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कायस्थ शिरोमणि सेवा ट्रस्ट के 06 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिनोद नगर के मनोकामना मन्दिर मे पहले चरण का निःशुल्क कम्प्यूटर द्वारा नेत्र जांच - श्रेष्ठ नेत्रालय के सहयोग से और खून जांच - अपोलो लैब के सहयोग से सम्पन्न हुआ। स्वास्थ्य जांच डॉक्टर पी सी एल दास एवं श्री प्रभात बक्शी के द्वारा तथा डॉक्टर प्रभात कुमार वर्मा जी के द्वारा होमियोपैथी का उपचार कर शिविर में सैकड़ों लोगों के साथ मुख्य अतिथि धनबाद विधायक लोकप्रिय राज सिन्हा जी भी उपस्थित होकर स्वास्थ लाभ लिये। इस कार्यक्रम में सभी के लिये शुद्ध पेयजल के साथ अल्पाहार का पैकेट और चाय की व्यवस्था ट्रस्ट के द्वारा किया गया था। स्वास्थ शिविर में भारी संख्या में विनोद नगर, अंबेडकर नगर, बालाजी नगर, महावीर नगर और प्रोफेसर कॉलोनी तथा मनईटांड़ से लोग आकर शिविर का लाभ लिये। कार्यक्रम को सफल करने में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश सिन्हा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष शशि लाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रकाश अम्बष्ट, राष्ट्रीय महासचिव अनुज सिन्हा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष विजय सिन्हा, जिला अध्यक्ष डॉक्टर पी सी एल दास, जिला महासचिव बिनोद बिहारी प्रसाद सिन्हा ,जिला कोसाध्यक्ष राजीव कंठ के अलावे विकास कुमार, सुनील आनंद, प्रभात बक्शी, संदीप लाला, विजय लाल, कृष्ण कुमार सिन्हा, अनिमेष शुभम ,श्रीमती पुष्पा सिन्हा,श्याम वर्मा, पप्पू वर्मा, पिंकू वर्मा, विजय सिन्हा ,प्रभात सिन्हा ,बिधुत वर्मा श्रेष्ठ नेत्रालय के रमेश तिवारी जी के साथ उनकी पूरी टीम एवं अपोलो से बिट्टू लाला साथ ही मनोकामना मंदिर के पुजारी जी एवं पूरी समिति आदि के साथ काफी लोग थे। अंत मे राष्ट्रीय महासचिव अनुज सिन्हा ने उपस्थित सभी को धन्यवाद देकर कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा किये। ट्रस्ट के दूसरे चरण कल दिनांक 07 जुलाई 2025 को धनबाद रेलवे स्टेशन पर संध्या 06 बजे से असहाय एवं भूखे दरिद्रनारायण को भोजन वितरण ट्रस्ट परिवार के द्वारा स्थानीय रोटी बैंक के सहयोग से किया जायेगा।

सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित

दुमका/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दुमका जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र और पहाड़ों-जंगलों मे रहने वाले पहाड़िया आदिम जनजाति समाज के वैसे छात्र-छात्राओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन सिटी गार्डन मे किया गया, जिन्होंने इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में बेहतर रिजल्ट किया है। समारोह के मुख्य अतिथि दुमका के पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार और विशिष्ट अतिथि उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने इन पहाड़िया छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका हौसला बुलंद किया। इस अवसर पर बच्चों ने पहाड़िया आदिम जनजाति के पारंपरिक गीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरबार ने पहाड़ों-जंगलों में रहने वाले इन छात्र-छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अच्छी संगति से व्यक्ति अपने जीवन को ऊंचाई देता है। इसलिए हमें हमेशा उन बच्चों की संगति करनी चाहिए, जो शिक्षा को अपनी और अपने समाज की तरक्की का माध्यम बनाना का लक्ष्य रखते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही पहाड़िया समाज की दशा और दिशा बदली जा सकती है। एसपी ने इन बच्चों को आगे बढ़ने, कड़ी मेहनत से मन लगा कर पढ़ने और शिक्षा के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि इन पहाड़िया बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनके आगे शिक्षा के क्षेत्र में नये प्रतिमान गढ़ने के अनेक अवसर हैं, जिनका उन्हें लाभ लेना चाहिए.

भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पलामू पहुंचे

डालटनगंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा के झारखंड के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय रविवार को पलामू पहुंचे। मेदिनीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि केंद्र से संचालित योजनाएं पलामू सहित पूरे राज्य में नजर आ रही है जबकि पिछले 6 वर्षों के दौरान राज्य सरकार के द्वारा संचालित योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य अवरुद्ध हो गए हैं। अस्पताल की हालत खराब है। आरईओ का कार्य बंद नजर आता है। हर घर नल योजना और ग्रामीण विकास की सड़क टूटी हुई नजर आती है।

सशक्तिकरण की ओर एक कदमः सहयोगिनी कार्यालय में सरकारी योजनाओं पर टीओटी प्रशिक्षण का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 'सरकारी योजनाओं से जुड़ाव और रिपोर्टिंग' विषय पर टीओटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सहयोगिनी कार्यालय, बहादुरपुरमें किया गया। इस प्रशिक्षण में फील्ड एनिमेटर, समाजसेवी एवं कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। इस संबंध में सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ अभीवंचित परिवार को प्रदान कर बाल विवाह, बाल श्रम, बाल यौन शोषण, घरेलू हिंसा, अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाया जा सकता हैं। सहयोगिनी के निदेशक श्री गौतम सागर ने कहा, "सरकारी योजनाओं से जुड़ाव कोई सुविधा नहीं, बल्कि यह सामाजिक न्याय का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। जब ये योजनाएं सही तरीके से जरूरतमंदों तक पहुँचती हैं, तब समाज में असमानता और शोषण को खत्म किया जा सकता है।" प्रशिक्षक श्री अनंत कुमार ने कहा, "हम समाजसेवी सिर्फ माध्यम नहीं हैं, बल्कि हम सरकार और जनता के बीच की कड़ी हैं।" उन्होंने महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ उनसे जुड़ने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची भी साझा की, जिसमें आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र,आय प्रमाण पत्र, विकलांगता प्रमाण पत्र ,बैंक खाता, विद्यालय/कॉलेज प्रमाण पत्र (छात्रों हेतु योजनाओं के लिए,फोटो एवं मोबाइल नंबर सभी को अपडेट रखना चाहिए। प्रशिक्षण में सावित्रीबाई फुले बालिका समृद्धि योजना,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना,झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था द्वारा प्रायोजित योजनाएं, राशन कार्ड योजना, मइया सम्मान योजना, मनरेगा योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं , वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य बीमा,आवास एवं शिक्षा सहयोग झ्र आवास सहायता, शैक्षणिक छात्रवृत्ति की जानकारी दी गई। समन्वयक सनी कुमार एवं प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि बाल सुरक्षा, महिला अधिकार, शिक्षा, आजीविका और समावेशी विकास को सुनिश्चित करना संस्था का उद्देश्य है। प्रशिक्षण के दौरान सभी कार्यकताओं एवं फील्ड एनिमेटर को इससे संबंधित रिपोर्टिंग की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कुमारी किरण, रवि कुमार राय, अमरजीत सिंह ,सनी कुमार, सूरजमानी देवी ,मंजू देवी, सोनी कुमारी, विनीता देवी , संध्या देवी , रेखा देवी, संगीता देवी, मंजू देवी विकास कुमार अनिल हेंब्रम अभय कुमार सिंह, नीतू कुमारी आदि उपस्थित थे।

श्रावणी मेला की तैयारियों के मद्देनजर कर्मियों को ब्रीफ कर किया कार्य आवांटित

देवघर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देवघर उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में राजकीय श्रावणी मेला, 2025 की तैयारियों के मद्देनजर सूचना भवन सभागार में सभी नव-चयनित सूचना सह सहायता कर्मियों को ब्रीफ कर उन्हें कार्य आवांटित किया गया। उप विकास आयुक्त ने पीयूष सिन्हा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी सूचना सह सहायता कर्मियों का कार्य सिर्फ बिछड़े हुए कांवरिया बंधुओं को उनके परिजन से मिलाना हीं नहीं है, बल्कि पूरे सेवाभाव व कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। इसके लिए आप सभी अब जिला प्रशासन द्वारा नई तकनीकों के उपयोग का सहारा भी ले सकते हैं और बम भाईयों के पता को ढूंढ कर उनके परिवार से उनका संपर्क करवा सकते हैं। आगे उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारे देवघर के सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में फैले हुए सूचना सह सहायता केंद्रों को हीं सिर्फ आपस में नहीं जोड़ा जाएगा, बल्कि सूचना तंत्र को तकनीकी रूप से और भी बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि बिछड़े हुए कांवरिया बंधुओं को उनके परिजन से मिलाने में सहूलियत हो सके। इसके अलावा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री राहुल कुमार भारती ने जानकारी दी कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में 31 सूचना सह सहायता केन्द्र, 03 बाइक दस्ता की टीम एवं 02 टोटो चौबिसों घंटे कार्यरत रहेंगे, ताकि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को त्वरित सविधा मुहैया करायी जा सके। इसके अलावा मेला के दौरान बाबा नगरी आने वाले महिला श्रद्धालुओं के साथ बच्चों के सुविधा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 10 मातृत्व विश्राम गृह का निर्माण कराया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com